स्वर्ण जयंती वर्ष
1970 – 2019

जैन विश्व भारती

पोस्ट : लाडनूं – 341306, जिला : नागौर (राजस्थान)
फोन : +91 1581 226080 / 224671
E-mail : jainvishvabharati@yahoo.com | contact@jvbharati.org
Website : www.jvbharati.org

जैन विश्व भारती

(मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्था)

स्वर्ण जयंती वर्ष
1970 – 2019

Sambodhi

Sambodhi E & Speako Library

Mahapragya Vangmay

मंत्री प्रतिवेदन
2018-2019

Mahapragya Global School

Anand Nilay

अर्हम्

जैन विश्व भारती एक ऐसी संस्था है, जो परमपूज्य गुरुदेव तुलसी की जन्मस्थली लाडनूं में सुशोभित है या जैन विश्व भारती से लाडनूं सुशोभित हो रहा है । जैन विश्व भारती के कार्यकर्ता यहां उपस्थित है। जैन विश्व भारती एक अच्छी और बड़ी संस्था है, उसके द्वारा अनेक गतिविधियां संचालित हो रही हैं । अभी एक स्कूल की भी योजना सामने आई है। एक ऐसा विद्यालय जो उच्च स्तर का हो और जहां भगवान महावीर का प्रभाव हो। ज्ञान के साथ जीवन कैसे अच्छा बने तथा अहिंसा आदि सिद्धांत उन विद्यार्थियों में कैसे आए, ऐसे उच्च स्तरीय विद्यालय का प्रकल्प सामने है और भी अनेक गतिविधियां है । जैन विश्व भारती खूब अच्छा काम करे ।

शुभाशंसा ।

आचार्यश्री महाश्रमण

जैन विश्व भारती

मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्था

प्रमुख गतिविधियां : एक नजर

शिक्षा :
- जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)
- विमल विद्या विहार सीनियर सैकण्डरी स्कूल
- महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर
- महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर
- जैन विद्या अध्ययन–अध्यापन, प्रचार–प्रसार
- आगम मंथन प्रतियोगिता

सेवा :
- सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला
- श्रीमद् आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र, बीदासर
- विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र
- समणी केन्द्र व्यवस्था

साहित्य :
- प्रकाशन एवं वितरण
- ऑन लाईन साहित्य विक्रय केन्द्र
- वेब पोर्टल पर साहित्य की उपलब्धता

समन्वय :
- पुरस्कार एवं सम्मान
- विदेशों में प्रचार–प्रसार

संस्कृति :
- तुलसी कला दीर्घा (आर्ट गैलेरी)

शोध :
- आगम सम्पादन
- हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपियों की सुरक्षा एवं संरक्षण

साधना :
- प्रेक्षाध्यान
- प्रेक्षाध्यान पत्रिका

उक्त सभी गतिविधियों में संपूर्ण समाज की सहभागिता एवं सहयोग हेतु सादर निवेदन

जैन विश्व भारती
पोस्ट : लाडनूं– 341306, जिला नागौर (राजस्थान)
संपर्क सूत्र : 01581–226080 / 224671
E-mail : jainvishvabharati@yahoo.com

जैन विश्व भारती की 48वीं वार्षिक साधारण सभा की सूचना

मान्यवर,

सादर जय जिनेन्द्र,

जैन विश्व भारती की 48वीं वार्षिक साधारण सभा शनिवार दिनांक 21 सितम्बर 2019 को अपराह्न 11:35 बजे आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, बैंगलोर (कर्नाटक) में होगी, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर विचार किया जाएगा–

1. जैन विश्व भारती की 47वीं वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही का पठन और स्वीकृति।
2. जैन विश्व भारती के वर्ष 2018–19 के मंत्री के वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार एवं स्वीकृति।
3. जैन विश्व भारती के दिनांक 01 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक के हिसाब परीक्षक द्वारा अंकेक्षित आय–व्यय लेखा एवं संतुलन पत्र का प्रस्तुतीकरण तथा स्वीकृति।
4. आगामी एक वर्ष हेतु अंकेक्षक की नियुक्ति।
5. आए हुए प्रस्तावों एवं सुझावों पर विचार।
6. विविध– अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

जैन विश्व भारती की वार्षिक साधारण सभा में सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है। कोरम के अभाव में स्थगित सभा उसी दिन और उसी स्थान पर आधा घण्टे पश्चात् आयोजित होगी।

भवदीय

गौरव जैन मांडोत
मंत्री

दिनांक : 21 अगस्त 2019

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष और मंत्री एवं उनके कार्यकाल

अध्यक्ष

नाम	कार्यकाल
श्री मोहनलाल बांठिया	1970–72
श्री खेमचन्द सेठिया	1972–76, 1984–90
श्री सूरजमल गोठी	1976–79
श्री श्रीचन्द रामपुरिया	1979–81
श्री बिहारीलाल जैन	1981–84
श्री गुलाबचन्द चिण्डालिया	1990–92, 1997–2000
श्री श्रीचन्द बैंगानी	1992–1994
श्री धरमचन्द चौपड़ा	1994–1996
श्री चैनरूप भंसाली	1996–1997
श्री मूलचन्द बोथरा	2000–2002
श्री बुधमल दूगड़	2002–2004
श्री सिद्धराज भंडारी	2004–2006
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	2006–2012
श्री ताराचन्द रामपुरिया	2012–2014
श्री धरमचन्द लुंकड़	2014–2016
श्री बी. रमेशचंद बोहरा	2016–2018
श्री अरविंद कुमार जे. संचेती	2018–2020

मंत्री

नाम	कार्यकाल
श्री सूरजमल गोठी	1970–72
श्री महावीरराज गेलड़ा	1972–73
श्री सम्पतराज भूतोड़िया	1973–77
श्री श्रीचन्द बैंगानी	1977–80, 1983–92
श्री श्रीचन्द सुराणा	1980–81
श्री शंकरलाल मेहता	1981–83
श्री झूमरमल बैंगानी	1992–94
श्री ताराचन्द रामपुरिया	1994–96, 1997–2000
श्री हनुमानमल चिण्डालिया	1996–1997
श्री गुलाबचन्द चिण्डालिया	2000–2002
श्री भागचन्द बरड़िया	2002–2004
श्री नरेन्द्र छाजेड़	2004–2006
श्री भीखमचन्द पुगलिया	2006–2010
श्री जितेन्द्र नाहटा	2010–2012
श्री बंशीलाल बैद	2012–2014
श्री अरविन्द गोठी	2014–2016
श्री राजेश कोठारी	2016–2018
श्री गौरव जैन मांडोत	2018–2020

जैन विश्व भारती (2018-2020)

संचालिका समिति

पदाधिकारी

नाम	स्थान	पद
श्री अरविन्द कुमार जे. संचेती	अहमदाबाद	अध्यक्ष
श्री बी. रमेशचंद बोहरा	चेन्नई	निवर्तमान अध्यक्ष
श्री दिलीप सुराणा	बैंगलोर	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
श्री अरूण कुमार संचेती	दिल्ली	उपाध्यक्ष
श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'	मुंबई	उपाध्यक्ष
श्री रतन दूगड़	कोलकाता	उपाध्यक्ष
श्री सुरेन्द्र कांकरिया	न्यूजर्सी	उपाध्यक्ष
श्री गौरव जैन मांडोत	जयपुर	मंत्री
श्री अशोक चिंडालिया	मुंबई	संयुक्त मंत्री
श्री जीवनमल जैन (मालू)	बंगाईगांव	संयुक्त मंत्री
श्री प्रमोद बैद	कोलकाता	कोषाध्यक्ष

न्यास मण्डल

श्री मनोज लूनिया	शिलौंग	मुख्य न्यासी
श्री बाबूलाल बोथरा	कोलकाता	न्यासी
श्री चांदरतन बी. दूगड़	मुंबई	न्यासी
श्री जोधराज बैद	दिल्ली	न्यासी
श्री कैलाश कुमार डागा	जयपुर	न्यासी
श्री कमल किशोर ललवानी	कोलकाता	न्यासी
श्री महेन्द्र कुमार जैन	बैंगलोर	न्यासी
श्री रमेशचंद गोयल	कोलकाता	न्यासी
श्री इन्द्राजमल भूतोड़िया	कोलकाता	न्यासी

पंच मण्डल

श्री रमेश कुमार धाकड़	मुंबई
श्री मूलचंद नाहर	बैंगलोर
श्री रूपचंद दूगड़	मुंबई

वित्त सलाहकार

श्री संजय एम. धारीवाल	बैंगलोर
श्री राजेश कोठारी	चेन्नई

संचालिका समिति सदस्य

नाम	स्थान	नाम	स्थान
श्री अभिषेक गोयल	कोलकाता	श्री नवरतन गन्ना	मुंबई
श्री अरविंद दूगड़	अहमदाबाद	श्री निर्मल भंसाली	मुंबई
श्री अरविंद गोठी	दिल्ली	श्री पी. आनंदराज बम्बोली	चेन्नई
श्री बाबूलाल बाफना	नवी मुंबई	श्री पंकज पोरवाल	भिलाई
श्री भैरूलाल ढेलड़िया	सिकन्दराबाद	श्री प्रमोद जैन	बरवाला
श्री दलपतचंद मेहता	मुंबई	श्री प्रकाशचंद बैद	कोलकाता
श्री दीपचंद नाहर	बैंगलोर	श्री प्रकाशचंद सुराणा	कोलकाता
श्री धरमचंद लुंकड़	चेन्नई	श्री प्रवीण बरड़िया	लाडनूं
श्री दीपक सुराणा	अहमदाबाद	श्री राजेश कोठारी	चेन्नई
श्री जितेन्द्र पुगलिया	कोयम्बटूर	श्री राजेश मादरेचा	सूरत
श्री कमल नाहटा	उदयपुर	श्री संजय एच. दूगड	अहमदाबाद
श्री कपूरचंद श्रीश्रीमाल	ठाणे	श्री सुमन जैन	पंचकूला
श्री मालचंद बेगानी	दिल्ली	श्री सुरेन्द्र बोथरा	सूरत
श्री मनोज कुमार दूगड़	कोलकाता	श्री सुशील हीरावत	विशाखापट्टनम्
श्री मनोज कुमार सुराणा	गुवाहाटी	श्री टी. अमरचंद लुंकड़	चेन्नई
श्री मर्यादा कुमार कोठारी	जोधपुर	श्री उमेश कुमार बी. सेठिया	जलगांव
श्री मुकेश बाफना	चेन्नई	श्री उम्मेद कोचर	अहमदाबाद
श्री मूलचंद बैद	सिलचर	श्री विजयराज आंचलिया	चेन्नई
श्री नरेन्द्र बच्छावत	कोलकाता	श्री विमल के. घीया	अहमदाबाद
श्री नवीन पारख	सिलीगुडी	श्री विमलचंद रूणवाल	जयसिंगपुर
		श्री विनोद सुराणा	कोलकाता

परामर्शक मण्डल

नाम	स्थान	नाम	स्थान
श्री अभय जैन	बैंगलोर	श्री बी. जुगराज नाहर	चेन्नई
श्री बाबूलाल सेखानी	अहमदाबाद	श्री भागचंद बरड़िया	लाडन
श्री छत्तरमल बैद	चेन्नई	श्री दलपतचंद लोढ़ा	जयपुर
श्री जीतमल चोरड़िया	दिल्ली	श्री कमल कुमार दूगड़	कोलकाता
श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी	दिल्ली	श्री पी. प्यारेलाल पितलिया	चेन्नई
श्री पुखराज बडोला	चेन्नई	श्री राजकुमार बोथरा	सूरत
श्री राकेश एस. कठोतिया	मुंबई	श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता
श्री शांतिलाल मारू	उदयपुर	श्री सुदर्शन पारख	चेन्नई
श्री सुमतिचंद गोठी	मुंबई	श्री सूरजमल गोठी	मुंबई
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	कोलकाता	श्री ताराचंद रामपुरिया	लाडनूं

उपसमिति/विभाग

साहित्य विभाग

नाम	स्थान	पद
श्री धरमचंद लुंकड़	चेन्नई	विभागाध्यक्ष
श्री उमेश सेठिया	जलगांव	संयोजक, ई–बुक्स
श्री विजयराज आंचलिया	चेन्नई	संयोजक, ई–बुक्स

प्रेक्षा फाउण्डेशन

श्री अरविन्द गोठी	दिल्ली	विभागाध्यक्ष
श्री अशोक चिंडालिया	मुंबई	संयोजक
श्री विमल घीया	अहमदाबाद	संयोजक
श्री निर्मल भंसाली	मुंबई	संयोजक, प्रेक्षाध्यान पत्रिका
श्री कर्पूरचंद श्रीश्रीमाल	ठाणे	संयोजक, प्रेक्षाध्यान पत्रिका

समण संस्कृति संकाय

श्री मालचंद बेगानी	दिल्ली	विभागाध्यक्ष

शोध विभाग

श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'	मुंबई	विभागाध्यक्ष

समन्वय विभाग

श्री रतन दूगड़	कोलकाता	संयोजक

संस्कृति विभाग

श्री महेन्द्र जैन श्रीश्रीमाल	बैंगलोर	संयोजक

विमल विद्या विहार प्रबंधन समिति

श्री चांदरतन दूगड़	मुंबई	संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर प्रबंधन समिति

श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	संयोजक
श्री टी. अमरचंद लूंकड़	चेन्नई	सह–संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर प्रबंधन समिति

श्री गौरव जैन मांडोत	जयपुर	संयुक्त संयोजक
श्री पन्नालाल पुगलिया	जयपुर	संयुक्त संयोजक

जैन विश्व भारती : परिसर देखरेख समिति

श्री जीवनमल जैन (मालू)	बंगाईगांव	संयोजक

मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग

श्री अरूण संचेती	दिल्ली	संयोजक
श्री लोकेश दुधोड़िया	दिल्ली	सह–संयोजक

जैन विश्व भारती अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ

श्री सुरेन्द्र कांकरिया	न्यूजर्सी	संयोजक

जैन विश्व भारती : स्वर्ण जयंती समारोह समिति

श्री रतन दूगड़	कोलकाता	संयोजक

जनहितकारी योजना समिति

श्री अशोक चिंडालिया	मुंबई	संयोजक
श्री विनोद सुराणा	कोलकाता	सह–संयोजक
श्री मनीष बाफना	गंगाशहर	सह–संयोजक

सी.सी.टी.वी. कैमरा सर्विलिएंस समिति

श्री मुकेश बाफना	चेन्नई	संयोजक

एजुकेशन एडवाईजरी कमेटी

श्री चांदरतन दुगड़	मुम्बई	संयोजक
श्री टी.अमरचंद लुंकड़	चेन्नई	सदस्य
श्री अशोक चिंडालिया	मुम्बई	सदस्य
श्री नवीन पारख	सिलीगुड़ी	सदस्य
श्री पंकज पोरवाल	भिलाई	सदस्य

विशेष : उक्त सभी विभागों / समितियों में जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं मंत्री पदेन सदस्य हैं।

जैन विश्व भारती की संचालिका समिति की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति का विवरण

क्र. सं.	नाम	पद	07.10.2018 चेन्नई	12.01.2019 लाडनूं	17.04.2019 मदुराई	29.06.2019 बैंगलोर	17.08.2019 अहमदाबाद
1	श्री अरविंद संचेती, अहमदाबाद	अध्यक्ष	✓	✓	✓	✓	✓
2	श्री बी. रमेशचंद बोहरा, चेन्नई	निवर्तमान अध्यक्ष	✓	✓			
3	श्री दिलीप सुराणा, बैंगलोर	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	✓				
4	श्री अरूण कुमार संचेती, दिल्ली	उपाध्यक्ष	✓	✓	✓	✓	✓
5	श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी', मुंबई	उपाध्यक्ष	✓		✓	✓	
6	श्री रतन दूगड़, कोलकाता	उपाध्यक्ष	✓	✓		✓	
7	श्री सुरेन्द्र कांकरिया, न्यूजर्सी	उपाध्यक्ष					
8	श्री गौरव जैन मांडोत, जयपुर	मंत्री	✓	✓	✓	✓	✓
9	श्री अशोक चिंडालिया, मुंबई	संयुक्त मंत्री	✓				✓
10	श्री जीवनमल जैन (मालू), बंगाईगांव	संयुक्त मंत्री	✓	✓	✓	✓	
11	श्री प्रमोद बैद, कोलकाता	कोषाध्यक्ष	✓	✓	✓	✓	✓
12	श्री अभिषेक गोयल, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓				
13	श्री अरविन्द दूगड़, अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓	
14	श्री अरविन्द गोठी, दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓	
15	श्री बाबूलाल बाफना, नवी मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				✓	
16	श्री भैरूलाल डेलड़िया, सिकन्दराबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	✓	
17	श्री दलपतचंद मेहता, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				✓	
18	श्री दीपचंद नाहर, बैंगलोर	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	✓	
19	श्री धरमचंद लुंकड़, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓	
20	श्री दीपक सुराणा, अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓				✓
21	श्री जितेन्द्र पुगलिया, कोयम्बटूर	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓	
22	श्री कमल नाहटा, उदयपुर	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓	✓
23	श्री कर्पूरचंद श्रीश्रीमाल, ठाणे	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓	
24	श्री मालचंद बेगानी, दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य	✓				
25	श्री मनोज कुमार दूगड़, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓	

26	श्री मनोज कुमार सुराणा, गुवाहाटी	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓	
27	श्री मर्यादा कुमार कोठारी, जोधपुर	संचालिका समिति सदस्य					
28	श्री मुकेश बाफना, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓				
29	श्री मूलचंद बैद, सिलचर	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓	
30	श्री नरेन्द्र बच्छावत, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य					
31	श्री नवीन पारख, सिलीगुड़ी	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓		
32	श्री नवरत्न गन्ना, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓	
33	श्री निर्मल भंसाली, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	✓	
34	श्री पी. आनंदराज बम्बोली, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓	
35	श्री पंकज पोरवाल, भिलाई	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓	
36	श्री प्रमोद जैन, बरवाला	संचालिका समिति सदस्य					
37	श्री प्रकाशचंद बैद, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य					
38	श्री प्रकाशचंद सुराणा, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				✓	
39	श्री प्रवीण बरड़िया, लाडनूं	संचालिका समिति सदस्य					
40	श्री राजेश कोठारी, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓				
41	श्री राजेश मादरेचा, सूरत	संचालिका समिति सदस्य				✓	✓
42	श्री संजय एच. दूगड़, अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓	✓
43	श्री सुमन जैन, पंचकूला	संचालिका समिति सदस्य				✓	
44	श्री सुरेन्द्र बोथरा, सूरत	संचालिका समिति सदस्य				✓	✓
45	श्री सुशील हीरावत, विशाखापट्टनम्	संचालिका समिति सदस्य	✓				
46	श्री टी. अमरचंद लुंकड़, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓	
47	श्री उमेश कुमार बी. सेठिया, जलगांव	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓			✓
48	श्री उम्मेद कोचर, अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓				✓
49	श्री विजयराज आंचलिया, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓	✓
50	श्री विमल के. घीया, अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓	✓
51	श्री विमलचंद रूणवाल, जयसिंगपुर	संचालिका समिति सदस्य	✓				
52	श्री विनोद सुराणा, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓	

अध्यक्ष की कलम से

महातपस्वी शांतिदूत परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी, मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी, मुख्य मुनिश्री महावीरकुमारजी, मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी, जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी एवं समस्त चारित्रात्माओं को सविनय वंदना।

वर्ष 2016 से मुझे जैन विश्व भारती में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत होते हुए सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। मेरा यह परम सौभाग्य रहा कि जैन विश्व भारती के सत्र 2018–20 में मुझे अध्यक्षीय पद का दायित्व प्राप्त हुआ। परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की दृष्टि अनुसार जैन विश्व भारती के अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के साथ मुझे तेरापंथ धर्मसंघ की इस गरिमापूर्ण संस्था में सेवा का प्रलाभ प्राप्त हुआ। मन में विभिन्न संकल्पों को लिए मैंने अपनी टीम के साथ दिनांक 26 सितम्बर 2018 को लाडनूं में कार्य दायित्व ग्रहण किया।

वर्तमान टीम के द्विवर्षीय कार्यकाल हेतु सर्वप्रथम एक विजन निश्चित किया गया एवं संचालिका समिति की प्रथम बैठक में विजन को सहयोगियों के समक्ष प्रस्तुत कर गतिविधियों के सुव्यस्थित विकास एवं विस्तार की दृष्टि से टीम के सदस्यों को अलग अलग कार्य / विभाग का दायित्व दिया ताकि सभी सदस्यों की विशिष्टताओं का लाभ संस्था को प्राप्त हो एवं प्रत्येक गतिविधि विकास के पथ पर अग्रसरित रहे।

हमारे सामने शताब्दी के दो महत्वपूर्ण आयोजन विद्यमान थे, प्रथम जैन विश्व भारती का स्वर्ण जयंती वर्ष एवं आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष। जैन विश्व भारती के लिए दोनों ही आयोजन समान महत्व के हैं और कार्यों की निष्पत्ति के सूचक भी हैं। आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष पर जैन विश्व भारती को स्थायी कार्य के रुप में महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल एवं आचार्य महाप्रज्ञ वांगमय परियोजना का कार्य दायित्व प्राप्त हुआ। पूज्य गुरुदेव के पावन मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से दोनों ही परियोजनाएं सुचारु गतिमान है। वांगमय परियोजना के सहवर्ती के रुप में दो अंग्रेजी पुस्तकों का मुद्रण प्रतिष्ठित प्रेस के माध्यम से करवाया गया है। स्वर्ण जयंती वर्ष के प्रारंभ के अवसर पर पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन पाथेय के साथ जैन विश्व भारती के स्वर्ण जयंती वर्ष के लोगो का विमोचन किया गया।

विगत अवधि में जैन विश्व भारती की शिक्षा की प्रवृत्ति को विशेष रूप से समुन्नत करने का लक्ष्य लिया गया एवं जैन विश्व भारती की शैक्षणिक इकाईयों में विकास के विभिन्न कार्य संपन्न हुए। जय तुलसी एज्यूकेशन बोर्ड का गठन विशिष्ट कार्य रहा, जो जैन विश्व भारती की समस्त शैक्षणिक इकाईयों की नियामक संस्था होगी। विमल विद्या विहार स्कूल, लाडनूं में तेरापंथी विद्यार्थियों हेतु विशेष छात्रवृत्ति योजना का प्रारंभ, बालक छात्रावास का प्रारंभ, सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण, आर. ओ. प्लांट का स्थापन जैसे कार्य महत्वपूर्ण रहे। इसी प्रकार महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल टमकोर एवं जयपुर में डिजिटल क्लासेज की स्थापना, जयपुर स्कूल में द्वितीय तल का निर्माण कार्य का प्रारंभ, टमकोर में साईंस लैब, भूमिगत टैंक का निर्माण एवं नवीन बालवाहिनी का क्रय इत्यादि कार्य महत्वपूर्ण रहे।

आलोच्य अवधि में जैन विश्व भारती की विभिन्न प्रवृत्तियों को नवीन दिशायें प्रदान करने हेतु विशेष प्रयास रहा एवं विभागाध्यक्षों, संयोजकों इत्यादि के सहयोग से नवीन उपक्रमों की ओर भी कदम बढ़ा सके हैं। तीनों शैक्षणिक इकाईयों में जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम के माध्यम से चरित्र निर्माण का कार्य भी सुचारू रूप से जारी है। साहित्य विभाग के नवीन आयाम के रूप में संबोधि– स्पीको एवं ई–लाईब्रेरी का प्रोजेक्ट पूर्णता की ओर है। यह संभवत जैन धर्म की पुस्तकों पर आधारित प्रथम स्पीको लाईब्रेरी होगी। इसके अलावा जय तिथि पत्रक, आगम एवं अन्य बहुपयोगी पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य निरन्तर गतिमान है। प्रेक्षाध्यान के अन्तर्गत संपूर्ण देशभर में एकरूपता से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन महत्वपूर्ण रहा। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभाओं के सहयोग से त्रिदिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशालाओं के आयोजन का लक्ष्य लिया गया है। जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर संपूर्ण देशभर में वृहद स्तर पर प्रेक्षाध्यान की गतिविधियों को प्रेक्षावाहिनीयों एवं प्रेक्षा प्रशिक्षकों के विशिष्ट सहयोग से किया जाएगा। प्रेक्षाध्यान मासिक पत्रिका को आमजन तक पहुचांने की दृष्टि से तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम एवं राजस्थान की समस्त जेलों में प्रेक्षाध्यान पत्रिका का प्रेषण किया गया। समण संस्कृति संकाय में प्रथमतः ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई एवं समस्त पाठ्यक्रम को भी ऑनलाईन उपलब्ध करवाया गया है। वर्ष में दो बार जैन विद्या परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

आचार्य महाप्रज्ञ स्मृति ग्रंथ के प्रकाशन कार्य का दायित्व भी जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ। सुरक्षा की दृष्टि से संपूर्ण परिसर एवं कार्यालयों में वाई–फाई युक्त सी.सी.टी.वी. कैमरों का स्थापन करवाया गया। परिसर में निर्माणाधीन आनंद निलय अतिथि गृह के निर्माण का कार्य द्रुत गति से जारी है।

इसके अतिरिक्त अनेक कार्य संपन्न हुए हैं एवं विभिन्न कार्य गतिमान है। मंत्री प्रतिवेदन में संपूर्ण वर्ष भर में संपादित

कार्यों एवं गति–प्रगति का विस्तृत विवरण आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत है। जो कार्य हुआ, वह पूज्यप्रवर के पावन आशीर्वाद, चारित्रात्माओं के सतत आध्यात्मिक मार्गदर्शन, पूरी टीम के श्रम एवं संपूर्ण श्रावक समाज के विशिष्ट सहयोग से हो पाया है एवं गतिमान कार्य भी इन सभी के सहयोग से अवश्य अपने लक्ष्य को प्राप्त होंगे।

कार्यकाल के एक वर्ष की संपन्नता के अवसर पर जैन विश्व भारती की गतिविधियों एवं संपादित कार्यों की और अधिक चर्चा न करता हुआ जिनके आशीर्वाद एवं पावन मार्गदर्शन से तथा जिनके महनीय श्रम एवं सहयोग से यह विकास यात्रा प्रथम पड़ाव पर पहुंची है, उन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं आभार अभिव्यक्त करता हूं।

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन आशीर्वाद एवं पावन पाथेय मेरे लिए सदैव अनंत ऊर्जा का स्रोत बना रहा है। पूज्यप्रवर की कृपादृष्टि हेतु सविनय कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

'शासन स्तंभ' मंत्रीमुनि एवं मुनिश्री सुमेरमलजी'सुदर्शन' के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धा अभिव्यक्त करता हूं एवं समस्त टीम की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

आदरास्पद साध्वीप्रमुखाश्रीजी, मुख्यमुनि मुनिश्री महावीरकुमारजी, मुख्यनियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी एवं साध्वीवर्या साध्वीश्री संबुद्धयशाजी के पावन दिशा–निर्देशन हेतु हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का जैन विश्व भारती की समस्त प्रवृतियों में विशिष्ट मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्राप्त रही तथा मुनिश्री ने जैन विश्व भारती की गतिविधियों को विकास की नवीन दिशा प्रदान करने हेतु सदैव सतत प्रेरणा एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया। संपूर्ण टीम में स्फूर्त भाव का संचरण मुनिश्री की विशिष्ट प्रेरणा से ही हो पाया है। मुनिश्री के प्रति अपनी ओर से तथा पूरी टीम की ओर से सादर कृतज्ञता ज्ञापित करता हुआ संस्था को सदैव उनके इसी प्रेरणाभाव की मंगलकामना करता हूं। समस्त चारित्रात्माओं एवं समण–समणीवृंद द्वारा समय–समय पर प्राप्त दिशाबोध हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

मैं मुख्य न्यासी श्री मनोज लूनिया जो मेरे प्रत्येक कार्य में सहयोगी बने, हार्दिक आभार अभिव्यक्त करता हूं। सभी सहयोगीगण का नामोल्लेख सहित आभार ज्ञापन मंत्री महोदय ने अपने मंत्री प्रतिवेदन में किया है। अतः मैं संपूर्ण वर्तमान टीम की ओर से जैन विश्व भारती के कर्मठ एवं युवा मंत्री श्री गौरव जैन मांडोत की निष्ठापूर्ण सेवाओं व सहयोग हेतु हार्दिक आभार ज्ञापित करता हूं।

जैन विश्व भारती के संस्थापक सदस्यों में से एक श्री सूरजमलजी गोठी के प्रति अपनी श्रद्धा अभिव्यक्त करता हुआ दिवंगत आत्मा के आध्यात्मिक उर्ध्वारोहण की कामना करता हूं।

जैन विश्व भारती की संपूर्ण टीम के समन्वित प्रयास एवं सहयोग तथा संपूर्ण समाज के तन–मन–धन के साथ सहयोग एवं सहभागिता से विकास कार्यों एवं योजनाओं को गति प्राप्त हो सकी। मैं किसी भी व्यक्ति के नामोल्लेख के बिना विशेष आदरभाव एवं सम्मान से संस्था की इस विकास यात्रा के सहयोगी बंधुओं, स्नेही स्वजनों के प्रति हार्दिक आभार व साधुवाद प्रकट करता हूं। जैन विश्व भारती एवं इसकी समस्त इकाईयों, विभागों में कार्यरत समस्त कर्मीगणों के निष्ठाभाव एवं सहयोगभाव के प्रति हार्दिक साधुवाद प्रकट करता हूं।

मैं मंगलकामना करता हूं कि संपूर्ण समाज का सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता जैन विश्व भारती को निरन्तर एवं सकारात्मक भाव में प्राप्त होते रहें एवं पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक संरक्षण में जैन विश्व भारती विशिष्ट गौरवशाली संस्था का रूप प्राप्त करें एवं समस्त संघीय संस्थाओं का सहयोग भाव जैन विश्व भारती के प्रति प्रवर्द्धमान रहे।

किसी भी प्रकार की हुई भूल के लिए सभी से सहृदय क्षमायाचना करता हुआ सभी के प्रति मंगलकामना करता हूं।

अरविंद संचेती
अध्यक्ष
जैन विश्व भारती

जैन विश्व भारती की 48वीं वार्षिक साधारण सभा पर प्रस्तुत प्रतिवेदन

आराध्य के श्रीचरणों में सादर वंदन। परम श्रद्धेय महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी के श्रीचरणों में भक्तिभरा वंदन। श्रद्धेया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी, श्रद्धेया मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, श्रद्धेय 'मुख्य मुनि' मुनिश्री महावीरकुमारजी, 'साध्वीवर्या' साध्वीश्री संबुद्धयशाजी एवं समस्त चारित्रात्माओं के श्रीचरणों में सविनय वंदन।

जैन विश्व भारती के सम्माननीय अध्यक्ष श्री अरविंद संचेती, आदरणीय मुख्य न्यासी श्री मनोज लूनिया, सम्मानित पदाधिकारीगण, सम्मानित न्यासीगण, सम्मानित संचालिका समिति सदस्यगण एवं संस्था के सभी सम्मानित सदस्यगण को सादर जय जिनेन्द्र।

'गार्डन सिटी ऑफ इंडिया' के नाम से प्रख्यात बैंगलोर नगर में आयोजित जैन विश्व भारती की 48वीं वार्षिक साधारण सभा पर आप सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

जैन विश्व भारती : एक परिचय

आध्यात्मिकतायुक्त आधुनिकता में विश्वास रखने वाले मर्यादित तेरापंथ धर्मसंघ की एक प्रमुख केन्द्रीय संस्था है– **'जैन विश्व भारती'**, जिसकी स्थापना तेरापंथ धर्मसंघ के नवमाधिशास्ता आचार्यश्री तुलसी की पावन प्रेरणा से प्राकृत एवं जैन दर्शन के उच्च स्तरीय शोध संस्थान के रूप में सन् 1970 में राजस्थान के नागौर जिले के लाडनूं नगर में हुई। जैन विश्व भारती की विविधमुखी गतिविधियों को शिक्षा, शोध, साहित्य, साधना, सेवा, संस्कृति और समन्वय के रूप में आचार्य तुलसी ने सप्त सकार की संज्ञा दी। इन सात सकारादि प्रवृत्तियों के साथ जैन विश्व भारती अपनी स्थापना के मूलभूत उद्देश्यों के अनुरूप महनीय कार्य कर रही है और आचार्यश्री तुलसी के शब्दों में समाज की कामधेनू के रूप में प्रतिष्ठित है।

मानवीय मूल्यों को समर्पित जैन विश्व भारती एक ऐसा आध्यात्मिक संस्थान है जो आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ की ऊर्जा रश्मियों का पुंज है। एक ऐसा बहुमुखी संस्थान है जहां शिक्षा, शोध, साहित्य, साधना, सेवा, संस्कृति और समन्वय का संगम है। एक ऐसा सुरम्य संस्थान है जो प्राकृतिक सौंदर्य से आपूरित है। एक ऐसा पवित्र संस्थान जो सामाजिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक गुणों की त्रिवेणी है। एक ऐसा विशिष्ट शोध संस्थान है जो जैन दर्शन एवं प्राच्य विद्याओं का उच्च स्तरीय अध्ययन व शोध का केन्द्र है। एक ऐसा शिक्षण संस्थान है जहां प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक की शिक्षा की समुचित व्यवस्था है। सुरम्य हरीतिमा से सुशोभित परिसर जैन विश्व भारती के बाह्य सौन्दर्य की मुखर कहानी कह रहा है।

जैन विश्व भारती के संरक्षण में पल्लवित–पुष्पित जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) जैन विद्या एवं प्राच्य विद्या के विकास का समुन्नत केन्द्र है तथा संपूर्ण जैन समाज का गौरव व विद्या जगत् के लिए अमर अवदान है। जैन विश्व भारती के अन्तर्गत संचालित विमल विद्या विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर एवं महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर से उत्तीर्ण होकर हजारों छात्र–छात्राएं नैतिक एवं आध्यात्मिक परिवेश में शिक्षा प्राप्त कर उच्च शिक्षा एवं सफल कैरियर के लिए तैयार हो रहे हैं। 'समण संस्कृति संकाय' द्वारा जैन विद्या की शिक्षा के अन्तर्गत जैनत्व के संस्कारों के संरक्षण, आध्यात्मिक व नैतिक शिक्षा के विकास का अमूल्य कार्य हो रहा है। परिसर में संचालित 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला' द्वारा जन सामान्य की

आरोग्य–सेवा में अपना योगदान दिया जा रहा है। संस्था द्वारा संचालित 'प्रेक्षाध्यान' की समस्त गतिविधियां– जिनके द्वारा न केवल भारत के अपितु समस्त विश्व के अनेक अध्यात्म–साधक लाभ प्राप्त कर आत्मिक शांति का अनुभव कर रहे हैं। साहित्य के अन्तर्गत लगभग 1200 शीर्षकों से लाखों पुस्तकों का जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशन जैन वाङ्मय के इतिहास में अभिवृद्धि का अमिट चिह्न बन गया है।

जैन विश्व भारती ने अपने प्रथम अनुशास्ता परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी एवं द्वितीय अनुशास्ता परमपूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के सुदीर्घ सान्निध्य एवं पावन पथदर्शन में प्राच्य विद्या, जैन विद्या एवं जैन दर्शन के क्षेत्र में विकास के अनेक पायदानों पर आरोहण किया। वर्तमान में संस्था अपने तृतीय अनुशास्ता परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक दिशा–निर्देशन में सतत विकास की ओर अग्रसर है।

जैन विश्व भारती के वर्तमान में 1 संस्थापक सदस्य, 1 अतिविशिष्ट सदस्य, 57 विशिष्ट सदस्य एवं 1195 आजीवन सदस्य हैं। आलोच्य अवधि मे 23 विशिष्ट सदस्य एवं 7 नये आजीवन सदस्य बने। संस्था के वर्ष 2018–19 (आलोच्य अवधि 20 सितम्बर 2018 से जुलाई 2019) की गतिविधियों एवं विकास कार्यों का प्रगति विवरण प्रस्तुत है–

शिक्षा

जैन विश्व भारती की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर हुई थी उनमें से एक मुख्य प्रवृत्ति है– शिक्षा। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु यहां प्राथमिक से विश्वविद्यालय स्तर तक समस्त शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जैन विश्व भारती के संरक्षण में **'जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)'** तथा उसके अन्तर्गत **'आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय'** एवं जैन विश्व भारती के अन्तर्गत **'विमल विद्या विहार सीनियर सैकण्डरी स्कूल'**, **'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर'**, **'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर'** एवं **'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर'** संचालित हैं।

भावी पीढ़ी में संस्कारों के संरक्षण तथा आध्यात्मिक व नैतिक शिक्षा के विकास की दृष्टि से **'समण संस्कृति संकाय'** के अंतर्गत जैन विद्या की शिक्षा प्रदान की जाती है।

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)

प्राच्य विद्याओं के अध्ययन, अनुसंधान एवं शोध के साथ जैन दर्शन, अहिंसा, शांति, प्रेक्षाध्यान एवं जीवन विज्ञान के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1991 में स्थापित यह संस्थान एक अनूठे विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ है। जैन विश्व भारती संस्थान अपने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के महनीय मार्गदर्शन एवं मातृ संस्था जैन विश्व भारती के संरक्षण में शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्य के क्षेत्र में गति से प्रगति की ओर अग्रसर है। संस्थान की स्थापना के समय स्नातकोत्तर स्तर पर 4 पाठ्यक्रम चालू थे जो क्रमशः बढ़ते–बढ़ते आज नियमित स्तर पर 46 तथा पत्राचार स्तर पर 17 कुल 59 शैक्षिक (स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाण पत्र के) पाठ्यक्रम चल रहे हैं, जिनमें हजारों की संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत पत्राचार के माध्यम से विश्वविद्यालय वर्तमान में स्नातकोत्तर स्तर पर 6 विषयों में एम.ए./एम.एस.सी. का पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसके अतिरिक्त पत्राचार में 7 सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। अपनी स्थापना के 29 सालों के काल में यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के उद्देश्यों को पूरा करने में सतत प्रयत्नशील रहा है। मूल्यपरक उच्च शिक्षा एवं महिला शिक्षा को समर्पित यह विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य में लगातार सफल रहा है। आज यह पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखता है। देश के श्रेष्ठतम 25 निजी/मान्य विश्वविद्यालयों में इसका स्थान 17वां है। इसकी ख्याति सुदूर विदेशों में भी पहुंची है। छह अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ इसका अनुबंध है। जैन विद्या, प्राच्य विद्या, प्राकृत व संस्कृत भाषा, दर्शन, अहिंसा एवं शांति, योग एवं जीवन विज्ञान, मानविकी आदि में इस विश्वविद्यालय का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। यहां के विषय व पाठ्यक्रम परम्परागत पाठ्क्रमों से कुछ भिन्न होने से ये अपनी अलग विशेषतायें रखते हैं और उनसे इनकी पृथक पहचान बनी हुई है।

संस्थान में इस समय नियमित पाठ्यक्रमों की संख्या 46 और पत्राचार स्तर पर कुल 15 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिनमें स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। गत शैक्षणिक सत्र में पत्राचार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित परीक्षाओं में 9874 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनका परीक्षा परिणाम 93.28 प्रतिशत रहा। आलोच्य वर्ष में पत्राचार से 1971 स्नातकों एवं 2110 स्नातकोतर विद्यार्थियों को डिग्रीयां प्रदान की गई थी। यूजीसी की एक्सपर्ट टीम राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने इसकी सराहना करके इसमें अद्भुत संभावनाओं के बीज देखें है। वर्तमान में शोध कार्यों में 135 शोधार्थी विभिन्न विभागों में अध्ययनरत हैं एवं इस सत्र में 35 शोधार्थियों को पी.एच.डी. की एवं 2 शोधार्थियों को डी.लिट. की उपाधि प्रदान की गई। सभी विभागों में 65 शोधार्थियों को पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। संस्थान के अन्तर्गत संचालित भगवान महावीर इंटरनेशनल रिसर्च सेन्टर में 9 रिसर्च प्रोजेक्ट एवं 11 मोनोग्राफ पर कार्य चल रहा है।

संस्थान की इस वर्ष की विशिष्ट उपलब्धियां इस प्रकार है–

* **आध्यात्मिक पर्यवेक्षक नियुक्ति** : संस्थान के विकास और आध्यात्मिक मार्गदर्शन की दृष्टि से आचार्यप्रवर ने मुनि कीर्तिकुमारजी को नियुक्ति प्रदान की। मुनिश्री का मार्गदर्शन व परामर्श संस्थान के विकास में सदैव प्राप्त होता रहता है। इससे पूर्व मुनिश्री कुमारश्रमणजी ने इस दायित्व का वहन कर संस्थान के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।
* **विदेशी विश्वविद्यालयों से एमओयू** : संस्थान निरन्तर वैश्विक स्तर पर अग्रसर हो रहा है। इसके अन्तर्गत दो विदेशी विश्वविद्यालयों एमओयू हुए हैं। कुल 9 विश्वविद्यालयों से संस्थान के एमओयू किए गए हैं जिसके अन्तर्गत फैकल्टी का एक्सचेंज कार्यक्रम तय किए गए हैं। सिंगापुर की प्रज्ञा योग, बेल्जियम की घेंट यूनिवर्सिटी, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इत्यादि से भी विभिन्न परस्पर समझौते किए गए हैं। संस्थान में बेल्जियम के छात्रों द्वारा एक सेमेस्टर अध्ययन किया गया।

- **कार्मिकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम** : संस्थान के कर्मचारियों की गुणवत्ता के विकास के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन। राजस्थान कौशल एवं आजीविका निगम द्वारा प्रायोजित योग, ध्यान एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का एवं पाक्षिक कार्यशालाओं एवं शोध परियोजनाओं का संचालन।
- **पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र की स्थापना** – संस्थान में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन नई दिल्ली के सौजन्य से पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र का शुभारंभ अप्रैल 2019 में किया गया। यहां संस्थान में विद्यमान 6000 पाण्डुलिपियों को संरक्षित करने के अलावा अन्य आस–पास के क्षेत्रों से पांडुलिपियों की तलाश करके उन्हें भी संरक्षण प्रदान किया जाएगा।
- **योग के क्षेत्र में विद्यार्थियों का विश्व रिकार्ड** – संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत अध्ययनरत योग विभाग के विद्यार्थियों क्रमशः मंगलाराम पटेल एवं कोटा के श्यामलाल भाटी ने लगातार योगासन कर गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। इससे पूर्व भी संस्थान के विद्यार्थी पांच रिर्कार्ड बना चुके है।
- **प्राकृत विद्वानों को राष्ट्रपति अवार्ड** – संस्थान के दो विद्वानों क्रमशः प्रो. दामोदर शास्त्री एवं डा. योगेश कुमार जैन को प्राकृत भाषा में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान करने पर राष्ट्रपति भवन में दिनांक 04 अप्रैल 2019 को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के अन्तर्गत पाली एवं प्राकृत भाषाओं के विकास की योजना के अन्तर्गत गठित किये गए 19 सदस्य प्राकृत भाषा बोर्ड़ में प्रो. दामोदर शास्त्री को विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया गया।
- **11वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन** – संस्थान का 11वां दीक्षान्त समारोह माधावरम्, चेन्नई में परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दिनांक 24 अक्टूबर 2019 को आयोजित किया गया। संस्थान की कुलाधिपति श्रीमती सावित्री जिन्दल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष श्री रामनिवास गोयल थे एवं कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री अरविन्द संचेती उपस्थित थे। कुल 2904 विद्यार्थियों को डिग्री वितरित की गई, जिसमें सभी विभागों के 65 शोधार्थियों को पी.एच.डी., 11 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं अन्य उपाधियां प्रदान की गई।
- **योग एवं मेडिटेशन स्टडीज पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला** – योग एवं जीवन विज्ञान विभाग तथा इंटरनेशनल स्कूल फॉर जैन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुनिश्री जयकुमारजी के निर्देशन में अमेरिकी विद्यार्थियों ने ध्यान की कक्षाओं में भाग लिया।
- **प्रमाण मीमांसा ग्रंथ पर सप्तदिवसीय कार्यशाला का आयोजन** – भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के आर्थिक सौजन्य से प्रमाण मीमांसा कृति पर आधारित सप्तदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट विद्वानों के अतिरिक्त कुल 88 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।
- **राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन** – संस्थान के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग तथा अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'जैन ज्योतिष की विविध विधाएं' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- **संस्थान का 29वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित** – जैन विश्व भारती संस्थान का 29वां स्थापना दिवस समारोह दिनांक 18 मार्च 2019 को सुधर्मा सभा, जैन विश्व भारती में मनाया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाजसेवी श्री भागचंद बरड़िया विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं ने योगासनों की विभिन्न मुद्राओं का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न कार्मिकों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मान प्रदान किया गया।
- **NAAC टीम द्वारा संस्थान का मूल्यांकन** – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली के स्वायत संस्थान राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायान परिषद् की टीम द्वारा माह अप्रैल 2019 में मूल्यांकन किया गया। विशेषज्ञ विद्वानों की इस टीम ने विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना, प्रशासन, विद्यार्थियों का अनुशासन, कर्मचारियों की

संतुष्टि, वातावरण आदि की सराहना की। टीम ने संस्थान को बी प्लस ग्रेड प्रदान की। टीम ने संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुशासन, कार्मिकों को दी जा रही सुविधाओं, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, वातावरण, पुस्तकालय आदि की सराहना की। गत छः माह में हुए नेक मूल्यांकन में प्रदेश के समस्त निजी विश्वविद्यालयों में संस्थान ने सबसे श्रेष्ठ ग्रेड हासिल की है।

- **विश्व योग दिवस कार्यक्रम आयोजित** : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून 2019 को जैन विश्व भारती स्थित आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षा ध्यान केन्द्र में योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन जैन विश्व भारती संस्थान, जैन विश्व भारती एवं लाडनूं प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।
- **संस्कृत संभाषण कार्यशाला का आयोजन** – संस्थान के प्राकृत व संस्कृत विभाग के तत्वावधान में माह जनवरी 2019 में दसदिवसीय संस्कृत संभाषण कार्यशाला आयोजित की गई।
- **शोध पत्रिका 'तुलसी प्रज्ञा' यूजीसी के रेफरेड जर्नल सूची में शामिल** : जैन विद्या एवं प्राचीन विधाओं के शोध के क्षेत्र में नये तथ्यों की खोज एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत करने एवं उन्हें बढावा देने के उद्देश्य से संस्थान के अन्तर्गत त्रैमासिक आवृति में 'तुलसी प्रज्ञा' पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। मातृ संस्था जैन विश्व भारती द्वारा शुरू की गई इस पत्रिका का प्रकाशन सन् 1991 से संस्थान द्वारा लगातार किया जा रहा है। इस शोध पत्रिका को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अपने रेफरेड जर्नल की सूची में शामिल है, जो संस्थान परिवार के लिये गौरव का विषय है।
- **संस्थान में मातृ संस्था द्वारा मनोनयन** : मातृ संस्था द्वारा जैन विश्व भारती संस्थान प्रबंध मंडल में श्री चांदरतन दुगड़, मुम्बई का मनोनयन किया गया एवं शिष्ट परिषद के चार सदस्यों के रुप में श्री कमलकिशोर ललवानी, श्री किशनलाल डागलिया, मुम्बई, श्री सुखराज सेठिया, दिल्ली, श्री कमलसिंह बैद, जयपुर को नामांकित किया गया। जैन विश्व भारती संस्थान की वित्त समिति में श्री अरविन्द संचेती, अहमदाबाद एवं श्री प्रमोद बैद, कोलकाता का नामांकन किया गया। समस्त नवीन सदस्यों को शुभकामनाएं।
- इसके अतिरिक्त समय–समय पर 22 संगोष्ठियों, सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम

विभाग	कार्यक्रम का नाम	तिथि
जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग	• मैत्री दिवस समारोह	14 सितम्बर 2018
	• 'महावीर वाणी : आधुनिक परिप्रेक्ष्य' में विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार	25 नवम्बर 2018
	• 'जीवन का जैन मार्ग' अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	25 जनवरी 2019
	• 'जैन ज्योतिष के विविध पहलू' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन	23–24 फरवरी 2019
	• प्रमाण मीमांसा पर राष्ट्रीय कार्यशाला	25 फर. से 3 मार्च 2019
	• महावीर जयंती पर कार्यक्रम	17 अप्रैल 2019
	• मंगल भावना समारोह	20 अप्रैल 2019
प्राकृत एवं संस्कृत विभाग	• नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत	02 अगस्त 2018
	• संस्कृत दिवस समारोह	25 अगस्त 2018
	• संस्कृत संभाषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला	16–25 जनवरी 2019

	• हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम	13 सितम्बर 2018
	• बसंत पंचमी पर्व समारोह	09 फरवरी 2019
	• मंगलभावना समारोह	09 अप्रैल 2019
	• शोध–अध्येताओं का आमुखीकरण कार्यक्रम	09 अप्रैल 2019
अहिंसा एवं शांति विभाग	• आचार्य भिक्षु जन्मदिवस समारोह	06 जुलाई 2018
	• विश्व अहिंसा दिवस समारोह	02 अक्टूबर 2018
	• स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम	2–5 अक्टूबर 2018
	• भारत की अद्वितीय सहिष्णुता विषय पर अंतर्राष्ट्रीय दार्शनिक दिवस समारोह	17 नवम्बर 2018
	• मानवाधिकार दिवस कार्यक्रम	10 दिसम्बर 2018
योग एवं जीवन विज्ञान विभाग	• योग एवं ध्यान के अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	21–23 जुलाई 2018
	• शिक्षक दिवस समारोह	05 सितम्बर 2018
समाज कार्य विभाग	• पर्यावरण सुरक्षा और समाज कार्य व्यवसाय	09–10 मार्च 2019
	• अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस कार्यक्रम	08 सितम्बर 2018
	• अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस कार्यक्रम	01 अक्टूबर 2018
	• विश्व एच.आई.वी. / एड्स दिवस कार्यक्रम	01 दिसम्बर 2018
	• स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह का आयोजन	12 जनवरी 2019
अंग्रेजी विभाग	• नवागन्तुक विद्यार्थियों का समारोहपूर्वक स्वागत	05 सितम्बर 2018
	• मंगल भावना समारोह	24 अप्रैल 2019
शिक्षा विभाग	• शिक्षण शैली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	23–24 सितम्बर 2018
	• संप्रेषण कौशल गतिविधि का आयोजन	09–10 जुलाई 2018
	• वृक्षारोपण कार्यक्रम	25 जुलाई 2018
	• गुरु पूर्णिमा पर्व	27 जुलाई 2018
	• कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम	01 सितम्बर 2018
	• शिक्षक दिवस पर प्रतिभा खोज एवं मित्र भोज कार्यक्रम	05 सितम्बर 2018
	• गणेश चतुर्थी व हिंदी दिवस कार्यक्रम	13 सितम्बर 2018
	• संवत्सरी कार्यक्रम	15 सितम्बर 2018
	• तालछापर का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण	18 सितम्बर 2018
	• सर्जिकल स्ट्राइक पर कार्यक्रम	29 सितम्बर 2018
	• अहिंसा दिवस पर कार्यक्रम	02 अक्टूबर 2018
	• एक भारत : श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम	03 अक्टूबर 2018
	• स्वच्छता अभियान कार्यक्रम	10 अक्टूबर 2018
	• दीपावली पर्व पर कार्यक्रम	02 नवम्बर 2018
	• राष्ट्रीय झण्डा दिवस कार्यक्रम	22 नवम्बर 2018

	• स्वामी विवेकानंद जयंती	12 जनवरी 2019
	• बसंत पंचमी पर कार्यक्रम	09 फरवरी 2019
	• प्लेसमेंट कार्यक्रम	22 फरवरी 2019
	• होली स्नेह मिलन कार्यक्रम	17 मार्च 2019
	• शुभ भावना समारोह	16 अप्रैल 2019
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय	• भारत में करारोपण प्रणाली पर कार्यशाला	15 मार्च 2018
	• नवीनीकरण एवं प्रेक्षाध्यान शिविर	26–28 जुलाई 2018
	• भारतीय चिंतन परम्परा में योग विषय पर व्याख्यान	27 जुलाई 2018
	• ई–शिक्षा की गुणवता बढ़ाने में शासन की भूमिका–व्याख्यान	13 अगस्त 2018
	• नवागन्तुक छात्राओं का स्वागत समारोह	18 अगस्त 2018
	• शिक्षक दिवस समारोह	05 सितम्बर 2018
	• भक्तिकाल एवं समरसता पर व्याख्यान	07 सितम्बर 2018
	• हिन्दी दिवस कार्यक्रम	14 सितम्बर 2018
	• गरबा एवं डांडिया कार्यक्रम	13 अक्टूबर 2018
	• बाल दिवस कार्यक्रम	14 नवम्बर 2018
	• भारत में बचत के बदलते तरीके पर व्याख्यान	14 नवम्बर 2018
	• जीवन के अनुभव, लक्ष्य निर्धारण व उनकी प्राप्ति पर व्याख्यान	04 जनवरी 2019
	• अखिल भारतीय अन्तर्महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता	12 जनवरी 2019
	• न्याय की अवधारणा : एक विश्लेषण पर व्याख्यान	31 जनवरी 2019
	• नृत्य प्रतियोगिता– सोनल मानसिंह क्लब	08 फरवरी 2019
	• बचपन विषय पर साहित्य प्रतियोगिता	20 फरवरी 2019
	• अभिभावक–शिक्षक बैठक	09 मार्च व 06 अप्रैल 2019
	• मंगलभावना समारोह	15 अप्रैल 2019
	• अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम	08 मार्च 2019
	• मतदान जागृति कार्यक्रम	08 मार्च 2019
	• अनुसूचित जाति के सशक्तिकरण में बाबू जगजीवनराम की सहभागिता पर व्याख्यान	30 मार्च 2019
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	• एम.ए. व एम.एस.सी. के योग एवं जीवन विज्ञान विषय के लिए प्रशिक्षण एवं संपर्क कक्षायें	08 दिसम्बर 2018
एन.एस.एस.	• एक दिवसीय कैम्प का आयोजन	10 अप्रैल 2019
	• सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन	1–7 फरवरी 2019
एन.सी.सी.	• सात दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन	26 जन.–1 फर 19
संस्थान के अन्य कार्यक्रम	• चार दिवसीय अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं	

- मुनिश्री जम्बूकुमारजी स्वामी के आगमन व मुनिश्री जयकुमारजी के प्रस्थान पर मंगलभावना समरोह का आयोजन — 26 फरवरी 2019
- प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का ऑडिटोरियम में पर्दे पर सीधा प्रदर्शन — 29 जनवरी 2019
- गणतंत्र दिवस आयोजित — 26 जनवरी 2019
- महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर एकदिवसीय कार्यशाला — 01 अप्रैल 2019
- प्रज्ञा संवर्द्धिनी व्याख्यानमाला में राजस्थान पत्रिका के मुख्य संपादक डॉ. गुलाब कोठारी का व्याख्यान — 09 अप्रैल 2019
- कौशल विकास कार्यक्रम में टैली व स्पोकन इंग्लिश तथा हेयर स्टाईल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन — 5–20 फरवरी तथा 2,4–6 अप्रैल 19
- नव वर्ष समारोह — 01 जनवरी 2019
- विश्व मातृभाषा दिवस समारोह — 21 फरवरी 2019
- 29वां स्थापना दिवस समारोह — 18 मार्च 2019

मातृ संस्था जैन विश्व भारती द्वारा जैन विश्व भारती संस्थान को प्रदत्त सहयोग

❋ मातृ संस्था जैन विश्व भारती द्वारा जैन विश्व भारती संस्थान को रु. 21 लाख का वित्तीय सहयोग अनुदानस्वरूप प्रदान किया गया।

प्रस्तुति
रमेश कुमार मेहता
कुलसचिव, जैन विश्व भारती संस्थान

कृतज्ञता/आभार

जैन विश्व भारती संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी का संस्थान को निरन्तर आध्यात्मिक संरक्षण प्राप्त हो रहा है। आचार्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। संस्थान के आध्यामिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी एवं मुनिश्री विश्रुतकुमारजी संस्थान के विकास के लिए सतत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। अतएव मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। संस्थान की कुलाधिपति श्रीमती सावित्री जिन्दल का समय–समय पर संस्थान को मार्गदर्शन प्राप्त होता है, अतएव उनके प्रति हार्दिक आभार। संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की सेवाओं हेतु हार्दिक साधुवाद। संस्थान के प्रबंध मंडल के समस्त सदस्यों का आभार। संस्थान के विकास में मातृ संस्था जैन विश्व भारती के पदाधिकारियों के सहयोग एवं समन्वय हेतु हार्दिक कृतज्ञता। शैक्षणिक कार्य में विभिन्न समणीवृंद के मार्गदर्शन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। कुलसचिव श्री रमेश कुमार मेहता की सेवाओं हेतु साधुवाद। संस्थान के वित्त सलाहकार श्री प्रमोद बैद की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकों/समणीवृंद की संस्थान की विभिन्न गतिविधियों जैसे– व्याख्यान, पाठ लेखन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, संपर्क कक्षाओं की आयोजना में सक्रिय सहभागिता रही। संस्थान को प्रदत्त अनुदान हेतु सभी सहयोगी महानुभावों एवं परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। संस्थान के प्रबंध मंडल, शिष्ट परिषद् एवं वित्त समिति के सदस्यों की सेवाओं हेतु साधुवाद। सभी प्रशासनिक अधिकारीगण, प्राध्यापकगण एवं गैर–शैक्षणिक कर्मीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद। संस्थान के विभिन्न आयोजनों एवं गतिविधियों में मातृ संस्था जैन विश्व भारती के कर्मीगणों के सहयोग हेतु धन्यवाद।

विमल विद्या विहार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी का निरंतर यह प्रयास एवं प्रेरणा रही कि जैन विश्व भारती में एक ऐसा विद्यालय स्थापित हो जहां विद्यार्थियों के शैक्षणिक ज्ञान के साथ–साथ चारित्रिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाये। आचार्यश्री तुलसी की प्रेरणा से जैन विश्व भारती द्वारा अप्रैल सन् 1989 में विमल विद्या विहार के नाम से अंग्रेजी माध्यम के नगर के प्रथम प्राथमिक विद्यालय का प्रारंभ हुआ। इस विद्यालय में नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण की व्यवस्था है तथा यह लाडनूं व आस–पास के क्षेत्रों का सर्वप्रथम सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त विद्यालय है। विद्यालय तीन उच्च स्तरीय भवनों में संचालित है। वर्तमान में विद्यार्थियों की संख्या 1170 है।

विद्यालय द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर तेरापंथी मेधावी एवं जरुरतमंद विद्यार्थियों विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। तेरापंथी विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों में से लगभग 40 विद्यार्थियों को 20 प्रतिशत, 25 विद्यार्थियों को 25 प्रतिशत छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही है।

विद्यार्थियों के आवागमन हेतु 5 बसों की सुव्यवस्था है। वर्तमान में लाडनूं एवं आसपास की लगभग 30 किलोमीटर की परिधि में विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थी इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं। विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सृजनात्मक शक्ति, भाषा, लेखनी, कला एवं संगीत की विभिन्न कक्षाओं के साथ समय–समय पर विविध कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। विद्यार्थी प्राच्य कलाओं के साथ आधुनिक कार्यशैली में दक्ष एवं निपुण हों, इस उद्देश्य से कम्प्यूटर लैब, लैंग्वेज लैब, भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला की भी समीचीन व्यवस्था है। शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु विविध खेलकूद की समुचित व्यवस्था विद्यालय प्रांगण में है। शैक्षणिक सत्र 2018–19 की विद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियां निम्न प्रकार है–

दो शैक्षणिक सत्रों का तुलनात्मक परीक्षा परिणाम

नर्सरी से कक्षा पांचवी तक

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	प्रतिशत
2017–18	734	734	–	100
2018–19	696	696	–	100

कक्षा 6 से 12 तक

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	प्रतिशत
2017–18	444	434	10	97.74
2018–19	470	464	6	98.70

❋ **उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम :** विद्यालय का सत्र 2018–19 का दसवीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम वाणिज्य संकाय का शत–प्रतिशत एवं विज्ञान संकाय का परिणाम 91 प्रतिशत रहा। उत्कृष्ट परिणामों हेतु विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शिक्षकगणों को साधुवाद। विद्यालय का एक विद्यार्थी सांइस ओलम्पियाड में राज्य स्तर की परीक्षा हेतु चयनित।

❋ **कम्प्यूटर लैब का नवीनीकरण :** विद्यार्थियों के हित एवं विद्युत व्यय को ध्यान रखते हुए विद्यालय की कम्प्यूटर लैब में 25 उच्च स्तरीय नवीन एलसीडी का स्थापन किया गया।

* **जूनियर विंग में खेल खेल में अध्ययन हेतु नवीन खेल सामग्री :** नर्सरी एवं प्ले ग्रुप के बच्चों में शैक्षिक विकास को ध्यान में रखते हुए नवीन खेल सामग्री उपलब्ध करवायी गई।
* **आर.ओ.प्लान्ट का स्थापन :** विमल विद्या विहार की जूनियर विंग में शुद्ध पेयजल व्यवस्था हेतु दो नवीन आर.ओ. प्लान्ट का स्थापन अनुदानदाता के सौजन्य से किया गया।
* **समृद्ध पुस्तकालय :** विद्यार्थियों की रुचि अनुसार एवं उच्च स्तरीय पुस्तकों की ऑनलाइन उपलब्धता हेतु विद्यालय के पुस्तकालय में नवीन कम्प्यूटर सिस्टम का स्थापन जिसमें विद्यार्थी उच्च स्तरीय पुस्तकों का साफ्टवेयर के माध्यम से लाभ प्राप्त कर सकेंगें। इस वर्ष विशेष रुप से पुस्तकालय में उच्च गुणवत्ता वाली संदर्भ पुस्तकें क्रय की गई।
* **विद्यालय में शैक्षणिक स्तर उन्नयन हेतु नवीन बहुप्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति :** विद्यालय में गुणवत्तायुक्त शिक्षण कार्य की दृष्टि से सीनियर एवं जूनियर कक्षाओं हेतु नवीन सत्र में फिजिक्स, सोशल साइंस एवं अंग्रेजी विषय हेतु बहु प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की गई।
* **सीबीएसई द्वारा आयोजित खेल क्लस्टर में प्रतिभागिता :** विमल विद्या विहार स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रथमतः सीबीएसई द्वारा आयोजित क्लस्टर जिसमें फुटबाल, टेबिल टेनिस, कबड्डी, बास्केट बॉल इत्यादि के मैच अजमेर रीजन के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए गए, भाग लिया गया।
* **शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता :** इस वर्ष विशेष रुप से शिक्षकगणों को उनकी क्षमता के विकास हेतु नवीन प्रशिक्षण प्रदान करवाए गए जिसमें सात दिन तक जैन विश्व भारती संस्थान के शिक्षा विभाग के सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं इसके अतिरिक्त क्लासरुम मैनेजमेंट, स्किल डवलपमेंट, मैथ्स की नवीन तकनीकों एवं मोरल वेल्यूज विषयों पर जयपुर, सीकर, झूंझनू, अजमेर इत्यादि स्थानों पर आयोजित कार्यशालाओं में प्रतिभागिता की गई। जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम के शिक्षक प्रशिक्षण योजना का ग्रीष्मावकाश में सप्त दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
* **प्राईमरी सेक्शन एवं जय तुलसी विद्या विहार में रंग रोशन :** जीवन विज्ञान भवन में संचालित प्राईमरी विंग एवं जय तुलसी विद्या विहार के आवश्यक सौन्दर्यकरण एवं रंगरोशन का कार्य करवाया गया।
* **म्यूजिक एवं डांस कक्षाओं का आयोजन :** विद्यालय की सहशैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत चार माह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत डांस एवं म्यूजिक की कक्षाओं का संचालन किया गया।
* **नवीन स्मार्ट कक्षाओं का स्थापन :** पूर्व में स्थापित डिजिटल क्लास रुम के अतिरिक्त इस वर्ष दो नवीन स्मार्ट कक्षाओं का स्थापन किया गया।
* **पौधारोपण अभियान :** पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में चेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से जैन विश्व भारती परिसर में पौधारोपण का एक सुन्दर आयोजन किया गया एवं भिक्षु विहार में विराजित मुनिश्री मुदितकुमार जी के मंगलपाठ से कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया। परिसर में लगभग 450 पौधों का रोपण किया गया।
* **विद्यालय का विशेष प्रचार प्रसार :** आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर विद्यालय की गतिविधियों का समीपवर्ती क्षेत्रों में विशेष प्रचार प्रसार किया गया एवं तेरापंथी विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति प्रदान कर बेहतरीन शिक्षण का अवसर प्रदान किया गया।

कृतज्ञता/आभार

विद्यालयी छात्रवृत्तियों हेतु सहयोगी महानुभावों का हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु साधुवाद। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती वनीता धर द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। डॉ. विजयश्री शर्मा की कुशल देखरेख हेतु साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति :
चांदरतन दुगड़
संयोजक
विमल विद्या विहार

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर

'महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल' का शुभारम्भ दिनांक 06 अप्रैल, 2006 को जैन विश्व भारती की एक इकाई के रूप में किया गया। जयपुर शहर के निर्माण नगर के ज्ञान विहार में स्थित इस विद्यालय की गणना शहर के प्रमुख सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त इंग्लिश माध्यम के विद्यालयों में होती है। यह विद्यालय जहां एक ओर प्रदूषण रहित, सघन हरीतिमा से युक्त परिवेश में बच्चों की छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर कर उन्हें राष्ट्रोपयोगी बनाने के प्रयासों की एक बेहतरीन पहल कर रहा है वहीं दूसरी ओर आधुनिक तकनीकी एवं संसाधनों से युक्त इस विद्यालय को ऑडियो–विजुअल प्रोजेक्टर, सुसज्जित कम्प्यूटर लैब, सेण्डपिट एवं थिमेटिक–टीचिंग आदि आधुनिक व्यवस्थाओं से संपन्न बनाया गया है। विद्यालय में स्कूली शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास व सुसंस्कारित जीवन कौशल की क्रियान्विति पर विशेष बल दिया जा रहा है।

प्रथम सत्र में विद्यालय को प्रारम्भिक कक्षा (प्ले ग्रुप) से कक्षा पांच तक संचालित किया गया जो प्रतिवर्ष क्रमोन्नति के अनुसार कक्षा 12 तक विस्तारीकरण किया गया। वर्तमान में विद्यालय में 30 अध्यापक–अध्यापिका वर्ग एवं नये सत्र में 48 विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ विद्यार्थियों की संख्या 423 है। शैक्षणिक सत्र 2018–19 के उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी निम्नलिखित है–

दो शैक्षणिक सत्रों का तुलनात्मक परीक्षा परिणाम

नर्सरी से कक्षा पांचवी तक

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	प्रतिशत
2017–18	155	155	–	100
2018–19	169	169	–	100

कक्षा 6 से 12 तक

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	प्रतिशत
2017–18	219	209	10	95.43
2018–19	211	205	6	97

* **वार्षिकोत्सव का आयोजन :** 'सृष्टि' नाम से विद्यालय के वार्षिकोत्सव का आयोजन महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम, जयपुर में किया गया, राजस्थान सरकार में मंत्री श्री प्रतापसिंह खाचरियावास विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित। पर्यावरण संरक्षण की पृष्ठभूमि में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकाधिक विद्यार्थियों की सहभागिता एवं उनकी प्रतिभा को उजागर करने की दृष्टि से अधिकांश विद्यार्थियों को कार्यक्रम में प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया गया। विद्यार्थियों के साथ–साथ उनके अभिभावकों में भी इस आयोजन के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया रही। कार्यक्रम अत्यन्त समयबद्ध, सुव्यस्थित और गरिमापूर्ण रहा।
* **उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम :** विद्यालय का सत्र 2018–19 का दसवीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं का वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय का भी शत–प्रतिशत रहा। उत्कृष्ट परिणामों हेतु विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शिक्षकगणों को साधुवाद।
* **नवीन फ्लोर का निर्माण :** विद्यार्थियों की बढती संख्या को ध्यान में रखते हुए विद्यालय के विस्तार की योजना के

अन्तर्गत विद्यालय में द्वितीय तल के निर्माण का कार्य, लगभग 12500 स्केवयर फीट, का प्रारम्भ किया गया है। पांच कक्षाएं, एक किचन एवं ऑडियो विजुवल लैब का निर्माण प्रस्तावित। उदारमना आर्थिक सहयोग हेतु श्री कमलसिंह –रतना देवी, नवीन बैद, जयपुर का विशेष आभार।

- **स्मार्ट कक्षाओं का स्थापन :** आलोच्य अवधि में विद्यालय में कम्प्यूटरीकृत एवं प्रभावी शिक्षण पद्धति के अन्तर्गत छः कक्षाओं में डिजिटल क्लास रुम की स्थापना की गई एवं अत्याधुनित साफ्टवेयर भी उपलब्ध करवाया गया।
- **शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता :** इस वर्ष विशेष रुप से शिक्षकगणों को उनकी क्षमता के विकास हेतु नवीन प्रशिक्षण प्रदान करवाए गए जिसमें क्लासरुम मैनेजमेंट, स्किल डवलपमेंट, मैथ्स की नवीन तकनीकों एवं मोरल वेल्यूज विषयों पर जयपुर, सीकर, झूंझनू, अजमेर इत्यादि स्थानों पर आयोजित कार्यशालाओं में प्रतिभागिता की गई। जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम के शिक्षक प्रशिक्षण योजना का ग्रीष्मावकाश में सप्त दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- **ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन :** विद्यालय द्वारा दिनांक मई माह में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्रिकेट, बास्केट बॉल, वॉलीबॉल, गणित दक्षता एवं मानसिक गणित, कम्प्यूटर, स्पोकन इंग्लिश, संगीत उपकरण आदि का प्रशिक्षण दिया गया। उक्त ग्रीष्मकालीन शिविर में लगभग 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- **सांइस एक्जिबिशन का आयोजन :** विद्यार्थियों की प्रतिभा का मूल्यांकन करने के उद्देश्य विद्यार्थियों द्वारा निर्मित साइंस मॉडल इत्यादि की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसे अभिभावकों द्वारा सराहा गया।
- **बाल मेले का आयोजन :** विद्यालय परिसर में जीवन कौशल के गुणों को सिखाने के लिए बाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार की स्टालें लगाई गई तथा जीवन कौशल व व्यवहारिक जीवन के अनेक प्रकार के हुनरों को सीखा।

आभार

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती नीलिमा गुप्ता को निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

: प्रस्तुति :

गौरव जैन/पन्नालाल पुगलिया

संयुक्त संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर

जैन विश्व भारती के अन्तर्गत परमपूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की जन्मशताब्दी के अवसर पर संपूर्ण देशभर में महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, की श्रृंखला स्थापित किये जाने का लक्ष्य लिया गया है। इसी क्रम में बैंगलोर में देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट के अन्तर्गत संचालित महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर को जैन विश्व भारती के अन्तर्गत संबद्धता प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों से भी निवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें भविष्य में चिंतन कर संस्था द्वारा मूर्त रूप दिया जा सकेगा।

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर

राजस्थान के झुंझनू जिले का छोटा सा कस्बा है– 'टमकोर'। इस कस्बे को विश्वसंत आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। सन् 2006 में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के टमकोर पदार्पण के अवसर पर कस्बे एवं उसके आस–पास के क्षेत्र के शैक्षणिक विकास का चिंतन चला। उसी चिंतन की फलश्रुति के रूप में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 12 जुलाई 2007 को टमकोर में 'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल' का शुभारंभ हुआ। शैक्षणिक सत्र 2010–11 से यह विद्यालय जैन विश्व भारती की इकाई के रूप में संचालित किया जाने लगा। वर्तमान में इस विद्यालय में टमकोर व आस–पास के गांवों के 605 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। अंग्रेजी माध्यम के इस विद्यालय में जीवन विज्ञान तथा अणुव्रत की कक्षाएं भी नियमित चल रही है। विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2018–19 की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी निम्नलिखित हैं–

गत दो शैक्षणिक सत्रों का तुलनात्मक परीक्षा परिणाम

शैक्षणिक सत्र	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	प्रतिशत
2017–18	530	530	–	100
2018–19	575	575	–	100

- **नवीन बालवाहिनी:** टमकोर एवं आस–पास के गांवो से विद्यार्थियों की बढती संख्या को ध्यान में रखते हुए नवीन बालवाहिनी की आवश्यकता महसूस हुई। अनुदानदाता परिवार श्री रणजीतसिंह कोठारी, कोलकाता के सौजन्य से विद्यालय में नवीन बालवाहिनी क्रय की गई, अनुदानदाता परिवार का हार्दिक आभार।
- **वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के अनुसार भूमिगत कुंड का निर्माण :** विद्यालय में जल भंडारण की दृष्टि से अनुदानदाता परिवार स्व. श्री धनराज तीजादेवी चौरड़िया की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा 2.75 लाख लीटर क्षमता की भूमिगत कुंड का निर्माण करवाया गया, अनुदानदाता परिवार के प्रति हार्दिक आभार।
- **उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम :** विद्यालय का सत्र 2018–19 का वार्षिक परीक्षाओं का कुल परिणाम एवं कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत–प्रतिशत रहा। उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शिक्षकगणों के निष्ठापूर्ण श्रम हेतु साधुवाद।
- **पेट्रोन डोनर योजना :** विद्यालय के विकास हेतु पेट्रोन डोनर योजना के अन्तर्गत समाज के उदारमना श्रावकों द्वारा मुक्त हस्त सहयोग की घोषणा की गई। श्री रणजीतसिहं कोठारी, श्री सुरेन्द्र कुमार चौरडिया, श्री सेन कुमार भंसाली, श्री विनय चौरड़िया, श्री भालचंद चौरड़िया, श्री पन्नालाल बैद ने पेट्रोन डोनर हेतु स्वीकृति प्रदान की, अतएव हार्दिक आभार।
- **वार्षिकोत्सव का आयोजन :** दिनांक 27 अप्रैल 2019 को विद्यालय के वार्षिकोत्सव का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रणजीतसिंह कोठारी, श्री पन्नालाल बैद एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री श्री अशोक चिण्डालिया उपस्थित थे। कार्यक्रम में अधिकाधिक विद्यार्थियों को प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों सहित टमकोर के गणमान्यजनों की उपस्थिति रही। आयोजन गरिमापूर्ण रहा।
- **स्मार्ट क्लासरुम का स्थापन :** आलोच्य अवधि में विद्यालय में कम्प्यूटरीकृत एवं प्रभावी शिक्षण पद्धति के अन्तर्गत छः

कक्षाओं में डिजिटल क्लास रुम की स्थापना की गई एवं अत्याधुनिक साफ्टवेयर भी उपलब्ध करवाया गया।

- **सांइस लैब का निर्माण :** केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड की मान्यता हेतु अनिवार्य आवश्यकता के रुप में सांइस लैब का निर्माण कार्य करवाया गया जिसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी लैब का निर्माण करवाया गया।
- **आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन :** मुनिश्री भूपेन्द्र कुमारजी एवं समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी के सान्निध्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी के माध्यम से महाप्रज्ञजी के संदेशो का प्रसार किया गया।
- **खेल युक्त शैक्षणिक वातावरण :** विद्यार्थियों में सहशैक्षणिक गतिविधियों के प्रति प्रेरणा के उद्देश्य से विद्यालय में नवीन खेल सामग्री क्रय की गई एवं विद्यार्थियों हेतु विविध सुविधाओं का सृजन किया गया।
- **परिसर हरितीकरण एवं वृक्षारोपण :** स्वामी विवेकानन्द कॉलेज, मोनक, पंजाब के विद्यार्थियों के एक दल द्वारा विद्यालय में पौधारोपण किया गया एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना हेतु सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई।
- **केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता हेतु आवेदन :** विद्यालय को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अन्तर्गत सम्बद्धता हेतु आवेदन सफल रुप से जमा करवाया गया। आशा है आगामी सेशन से विद्यालय को सीबीएसई के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त हो जाएगी।
- **चिकित्सा शिविरों का आयोजन :** आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर में विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों हेतु निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया एवं उक्त कार्य में श्री सुशील चौरड़िया एवं श्री नवीन पारख।

कृतज्ञता/आभार

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री लोकेश तिवारी द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। सभी अध्यापकगण, अध्यापिकागण एवं कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद। विद्यालय के विकास हेतु अनुदानदाताओं का आभार।

: प्रस्तुति :

टी. अमरचंद लुंकड़
सह-संयोजक
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

रणजीतसिंह कोठारी
संयोजक
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

शिक्षा संपोषण योजना

जैन विश्व भारती के संरक्षण में गतिशील जैन विश्व भारती संस्थान तथा जैन विश्व भारती के अन्तर्गत संचालित शैक्षणिक इकाईयों– विमल विद्या विहार, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर एवं महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर के समुचित विकास की दृष्टि से **'शिक्षा संपोषण योजना'** जारी है। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक अनुदानदाता से **'शिक्षा संपोषक'** के रूप में रु. 1 लाख की अनुदान राशि प्राप्त की जा रही है। प्राप्त अनुदान राशि को विश्वविद्यालय व शैक्षणिक इकाईयों के विकास में यथावश्यकता उपयोग किया जा रहा है।

इस योजना के अनुदानदाता, प्रेरक, सहयोगी एवं ज्ञात–अज्ञात रूप से जुड़े सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार।

महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल परियोजना

महावीर जयंती के पावन अवसर पर आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में जैन विश्व भारती द्वारा अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल के निर्माण का संकल्प व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर आचार्यप्रवर ने पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि " जैन विश्व भारती एक ऐसी संस्था है, जो परमपूज्य गुरुदेव तुलसी की जन्मस्थली लाडनूं में सुशोभित है या जैन विश्व भारती से लाडनूं सुशोभित हो रहा है। जैन विश्व भारती के कार्यकर्ता यहां उपस्थित है। जैन विश्व भारती एक अच्छी और बड़ी संस्था है, उसके द्वारा अनेक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। अभी एक स्कूल की भी योजना सामने आई है। एक ऐसा विद्यालय जो उच्च स्तर का हो और जहां भगवान महावीर का प्रभाव हो। ज्ञान के साथ जीवन कैसे अच्छा बने तथा अहिंसा आदि सिद्धांत उन विद्यार्थियों में कैसे आए, ऐसे उच्च स्तरीय विद्यालय का प्रकल्प सामने है और भी अनेक गतिविधियां है। जैन विश्व भारती खूब अच्छा काम करे।"

पूज्य प्रवर के पावन आशीर्वाद से प्रारम्भ हुए इस प्रकल्प को समाज के सहयोग से पूर्ण करने का लक्ष्य जैन विश्व भारती ने लिया है। उदारमना श्रावक समाज द्वारा मुक्तहस्त सहयोग की घोषणा की गई है, सभी घोषणाकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार।

पूज्यप्रवर के इंगितानुसार दिल्ली एवं आस पास के क्षेत्र का चयन महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल के निर्माण हेतु किया गया है। इस कार्य हेतु जैन विश्व भारती की टीम अथक प्रयास कर रही है। कार्य में विशेष सहयोग प्रदान करने वाले कर्मठ कार्यकताओं का हार्दिक आभार।

जय तुलसी एजुकेशन बोर्ड का गठन – महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल एवं जैन विश्व भारती द्वारा संचालित सभी विद्यालयों के सुव्यवस्थित प्रबंधन एवं संचालन हेतु जय तुलसी एजुकेशन बोर्ड का गठन किया गया है। जिसके अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों में अनुदानदाताओं एवं शिक्षाविदों को जोड़ा जाएगा।

एजुकेशन एडवाईजरी कमेटी– जैन विश्व भारती की शैक्षणिक ईकाईयों के सुचारु संचालन हेतु इस सत्र के लिए एजुकेशन एडवाईजरी कमेटी का गठन किया गया है। श्री चांदरतन दुगड़, मुम्बई के संयोजकत्व में श्री टी. अमरचंद लुंकड़,श्री अशोक चिण्डालिया, श्री पंकज पोरवाल, श्री नवीन पारख को सदस्य के रुप में शामिल किया गया है। उक्त समिति शैक्षणिक इकाईयों के संचालन, नीति निर्धारण इत्यादि के संदर्भ में अपने सुझाव प्रेषित करेगी। समिति के सभी सदस्यों को शुभकामनाए।

> **"जैन विश्व भारती एक ऐसी संस्था है, जो परमपूज्य गुरुदेव तुलसी की जन्मस्थली लाडनूं में सुशोभित है या जैन विश्व भारती से लाडनूं सुशोभित हो रहा है। जैन विश्व भारती के कार्यकर्ता यहां उपस्थित है। जैन विश्व भारती एक अच्छी और बड़ी संस्था है, उसके द्वारा अनेक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। अभी एक स्कूल की भी योजना सामने आई है। एक ऐसा विद्यालय जो उच्च स्तर का हो और जहां भगवान महावीर का प्रभाव हो। ज्ञान के साथ जीवन कैसे अच्छा बने तथा अहिंसा आदि सिद्धांत उन विद्यार्थियों में कैसे आए, ऐसे उच्च स्तरीय विद्यालय का प्रकल्प सामने है और भी अनेक गतिविधियां है। जैन विश्व भारती खूब अच्छा काम करे।"**

समण संस्कृति संकाय

समण संस्कृति संकाय के प्रणेता आचार्यश्री तुलसी के शब्दों में– **"बच्चे का निर्माण परिवार का निर्माण है, समाज का निर्माण है, राष्ट्र का निर्माण है। जिस राष्ट्र के बच्चे अनुशासित और चरित्रनिष्ठ नहीं होते, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न और गौरवशाली नहीं बन सकता।"**

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में केवल बौद्धिक विकास पर बल दिया जा रहा है। बच्चों को अनुशासन और चरित्रनिष्ठा के संस्कारों से भावित करने के लिए उन्हें अध्यात्म के संस्कार भी देने आवश्यक है। हमारी बाल पीढ़ी जैनत्व के संस्कारों से जुड़ी रहे, जैन संस्कृति के अनुरूप उनके आचार–विचार, व्यवहार, और खान–पान की पवित्रता और शुद्धता बनी रहे, इसके लिए समण संस्कृति संकाय द्वारा संचालित जैन विद्या के अध्ययन के द्वारा सुसंस्कारों के निर्माण का महत्त्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। समण संस्कृति संकाय जैन विश्व भारती की विशिष्ट प्रवृत्ति है जो भावी पीढ़ी में सद्संस्कारों का वपन करने, जैनत्व के संस्कारों का संरक्षण एवं उनके उन्नत व सुदृढ़ भविष्य का निर्माण करने के लिए जैन विद्या पाठ्यक्रम की लम्बी श्रृंखला के माध्यम से सन् 1977 से जैन विश्व भारती के एक विभाग के रूप में संचालित है।

जैन विद्या का अध्ययन न केवल आध्यात्मिक क्षेत्र में उपयोगी है अपितु सामाजिक व व्यावहारिक क्षेत्र में भी इसकी उपादेयता है। समण संस्कृति संकाय का पूरा तंत्र विशेष जागरूकता के साथ परीक्षाओं का संचालन करता है। भारत के प्रायः सभी राज्यों में व नेपाल में स्थान–स्थान पर सैंकड़ों केन्द्र स्थापित हैं। अब तक 278 स्थायी केन्द्र हो चुके हैं। जैन विद्या का नववर्षीय पाठ्यक्रम निर्धारित है। इसके माध्यम से प्रतिवर्ष 300–350 केन्द्रों से हजारों की संख्या में प्रतिभागी संस्कार निर्माण की दिशा में अग्रसर होते हैं।

तेरापंथ धर्मसंघ के नवमाधिशास्ता आचार्यश्री तुलसी एवं दशमाधिशास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की पावन अध्यात्म रश्मियों से प्रकाशमान बना जैन विश्व भारती का यह विभाग वर्तमान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन आध्यात्मिक संरक्षण में सतत् विकासशील है।

* **जैन विद्या परीक्षाएं :** समण संस्कृति संकाय द्वारा संचालित सत्र 2018–19 की जैन विद्या परीक्षाएं पूरे भारत, नेपाल व दुबई में दो चरण में आयोजित हुई। प्रथम परीक्षा दिनांक 17–18 नवम्बर 2019 एवं द्वितीय परीक्षा दिनांक 02–03 फरवरी 2019 को 293 केन्द्रों पर आयोजित हुई। इन परीक्षाओं में 10668 आवेदकों में से 6822 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा परिणाम 86.37 प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम समण संस्कृति संकाय की वेबसाईट **https://sss.jvbharati.org** के माध्यम से सबको उपलब्ध करवाया गया। समण संस्कृति संकाय का परीक्षा परिणाम एवं पाठ्यक्रम वेबसाईट पर प्रसारित करवाने हेतु श्री उमेश सेठिया, जलगांव के प्रति हार्दिक आभार। इन परीक्षाओं के व्यवस्थित नियोजन में प्रभारी, आंचलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक एवं निरीक्षकों का विशेष सहयोग रहा। एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार।

गत दो वर्षों की परीक्षाओं का तुलनात्मक विवरण

सत्र	केन्द्र	स्थायी/अस्थायी	आवेदक	परीक्षार्थी	उत्तीर्ण	परिणाम प्रतिशत
2017–18	306	216/90	12447	7699	7102	92.25
2018–19	293	225/68	10668	6822	5892	86.37

* **जैन विद्या दीक्षांत समारोह :** समण संस्कृति संकाय का सबसे महत्वपूर्ण समारोह है–'जैन विद्या दीक्षांत समारोह'। जैन विद्या परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले ज्ञानार्थियों को दीक्षांत–समारोह में संकाय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। जैन विद्या भाग 1–9 की सम्पूर्ण परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लेने पर विद्यार्थी को 'विज्ञ उपाधि' से नवाजा जाता है। इससे जैन विद्या के अध्ययन–अध्यापन का स्वस्थ वातावरण निर्मित होता है।

  संकाय का 21वां दीक्षांत समारोह परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में दिनांक 15 जुलाई 2019 को बैंगलोर में आयोजित किया गया। इस समारोह में विज्ञ उपाधि प्राप्तकर्ता 90, अखिल भारतीय स्तर पर वरीयता प्राप्त 32, जैन विद्या कार्यशाला वरीयता 26, जैन विद्या कार्यशाला परिषद् 6, लेख प्रतियोगिता 16 को एवं अन्य कार्यकर्ताओं सहित कुल 154 संभागियों/संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

  दीक्षांत समारोह में पावन सान्निध्य एवं आशीवर्चन प्रदान करवाने हेतु पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। विभिन्न सत्रों में सान्निध्य एवं पाथेय प्रदान करवाने हेतु चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता। दीक्षान्त समारोह के आयोजन हेतु श्री देवराज मूलचंद नाहर, जाणून्दा– बैंगलौर के प्रायोजकीय सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

* **प्रभारी, आंचलिक संयोजक व केन्द्र व्यवस्थापक कार्यशाला :** जैन विद्या परीक्षाओं से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रभारी, आंचलिक संयोजकों व केन्द्र व्यवस्थापकों के आपसी समन्वय व सहयोग से जैन विद्या के कार्य को और अधिक गति प्रदान करने की दृष्टि से प्रतिवर्ष कार्यशाला आयोजित की जाती है। वर्ष 2019 की कार्यशाला दिनांक 14 जुलाई 2019 को बैंगलोर (कर्नाटक) में आयोजित हुई, जिसमें जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का सान्निध्य एवं पाथेय प्राप्त हुआ। कार्यशाला में लगभग 256 महानुभावों ने सहभागिता की। कार्यशाला में जैन दर्शन एवं जैन विद्या के कार्यों को गति देने हेतु चिंतन–मंथन किया गया। कार्यशाला के उपरान्त पूज्यप्रवर आचार्यश्री महाश्रमणजी एवं साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी का पावन पाथेय प्राप्त हुआ, इस हेतु हार्दिक कृतज्ञता। सान्निध्य एवं दिशाबोध हेतु मुनिवरके प्रति कृतज्ञता।

* **लेख प्रतियोगिता :** इस परीक्षा में सम्मिलित होने वाले व्यक्ति घर बैठे ही अपना बौद्धिक विकास करने में सफल होते हैं। ऐसी प्रतिभाओं हेतु वर्ष 2019 में पूरे भारत, नेपाल व दुबई में लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लेख का विषय 1. जैन विद्या के आकर्षण में कैसे बंधे भावी पीढी। इसका संचालन श्रीमती ललिता कुचेरिया, दिल्ली द्वारा किया जा रहा है, 2. जैन विद्या भारतीय संस्कृति का प्रमुख अंग। इसका संचालन श्रीमती माया दुगड़, दिल्ली कर रही हैं। प्रतियोगिता के प्रचार–प्रसार कार्य हेतु श्री राजकुमार दुधोड़िया के प्रति हार्दिक आभार। आयु के आधार पर 15 से 25 वर्ष एवं 25 से अधिक दो वर्गों में वर्गीकरण किया गया है।

  समण संस्कृति संकाय द्वारा इस वर्ष 'संबोधि' पर आधारित लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

* **जैन विद्या कोष की स्थापना :** समण संस्कृति संकाय के अन्तर्गत जैन विद्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियों व योजनाओं के सुचारू संचालन की दृष्टि से समाज के सहयोग से एक 'जैन विद्या कोष' की स्थापना वर्ष 2015 से की गई, जिसमें चार श्रेणियां रखी गई है–

श्रेणी	श्रेणी का नाम	राशि
प्रथम	जैन विद्या विशिष्ट संपोषक	05 लाख
द्वितीय	जैन विद्या संपोषक	01 लाख
तृतीय	जैन विद्या विशिष्ट सहयोगी	51 हजार
चतुर्थ	जैन विद्या सहयोगी	11 हजार

संपोषक योजना में सहयोगी अनुदानदाता परिवारों के प्रति हार्दिक आभार।

* **सोशल मीडिया एवं वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से प्रचार-प्रसार :** समण संस्कृति संकाय द्वारा अपनी गतिविधियों के प्रचार–प्रसार हेतु प्रभारी, आंचलिक संयोजकों, केन्द्र व्यवस्थापकों, विज्ञ उपाधिधारक, वरीयता विजेताओं एवं कार्यशाला के अनेक ग्रुप बनाए हैं। विभागाध्यक्ष, संयोजक एवं कार्यालय सहयोगियों के अलावा 400 जनों की टीम के विशेष प्रयासों से संकाय जैन विद्या के प्रचार–प्रसार में अग्रसर है। ऑनलाइन स्वाध्याय, प्रश्नोत्तरी

में श्री सुशील बाफना, श्री राजेन्द्र बैगानी, श्री राजेश दुगड़ इत्यादि का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ एवं अन्य सभी सहयोगीगण के प्रति आभार।

- **जैन विद्या विद्य उपाधि धारक निर्देशिका :** समण संस्कृति संकाय के अन्तर्गत विगत लगभग तीन दशकों में जिन महानुभावों को विज्ञ की उपाधियां प्रदान की गई, उनके संपूर्ण परिचय के संकलन हेतु 'जैन विद्या विज्ञ उपाधि धारक निर्देशिका' का निर्माण कार्य द्रुत गति से जारी है। निर्देशिका का विमोचन संभवतः माह सितम्बर 2019 तक पूज्यप्रवर के सान्निध्य में किया जाना सुनिश्चित है। निर्देशिका के कार्य में जुड़े सभी कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार।
- **साहित्य मंथन प्रतियोगिता :** साहित्य स्वाध्याय के प्रति रूचि जागृत करने के उद्देश्य से वर्ष 2017–18 से समण संस्कृति संकाय के अन्तर्गत आगम मंथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2019–20 में आगम मंथन के स्थान पर साहित्य मंथन प्रतियोगिता प्रथम के लिए 'पहचान जैन श्रावक की' पुस्तक का चयन किया गया है। प्रतियोगिता के प्रायोजकीय सहयोग हेतु श्री भंवरलाल रायकंवरीदेवी बच्छावत विद्या विकास निधि कोष, सण्डूर–बैंगलोर एवं संयोजकीय दायित्व हेतु श्री गौतमचंद डागा, चेन्नई के प्रति हार्दिक आभार।
- **सादर श्रद्धांजलि :** सन् 1977 में गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी के इंगितानुसार जैन विश्व भारती के शिक्षा विभाग के रूप में समण संस्कृति संकाय की स्थापना की गयी। जैन विद्वान तैयार करने के महान लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए आचार्यश्री तुलसी के द्वारा संकाय के आध्यात्मिक प्रभारी के रूप में मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' को नियुक्त किया गया। मुनिश्री ने अपनी गहरी सूझबूझ से जैन विद्या पाठ्यक्रम का निर्माण किया। संकाय द्वारा जैन विद्या का विकास कैसे हो, संकाय में अच्छे कार्यकर्ता कैसे तैयार हों, समाज में जैन विद्वान कैसे तैयार हों, यह हमेशा उनके चिंतन में रहता था। आज संकाय इस मुकाम तक पहुंच पाया है, लाखों लोग जैन विद्या से जुड़ पाये हैं, यह मुनिश्री के अथक प्रयासों का ही परिणाम है। मुनिश्री का आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव संकाय के लिए उपलब्ध रहता था। समण संस्कृति संकाय परिवार मुनिश्री के प्रति हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित करता है।
- **आगामी महत्वपूर्ण आयोजन :**

01. दिनांक 05–19 अगस्त 2019	जैन विद्या कार्यशाला 2019
02. दिनांक 11 अगस्त 2019	जैन विद्या परीक्षा प्रमाण पत्र वितरण
03. दिनांक 25 अगस्त 2019	जैन विद्या कार्यशाला
04. 12–13 सितम्बर 2019	आगम मंथन प्रतियोगिता परीक्षा, परिणाम व पुरस्कार समारोह
05. 09–10 नवम्बर 2019	जैन विद्या परीक्षा

कृतज्ञता/आभार

समण संस्कृति संकाय के विकास हेतु 'शासन स्तम्भ' मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' तथा गुरुकुलवास में जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का महनीय मार्गदर्शन व कार्यशालाओं आदि में सान्निध्य समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। अनेक चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद का निरन्तर दिशादर्शन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ उन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। केन्द्र व्यवस्थापकों ने स्थानीय स्तर पर अध्ययन–अध्यापन, परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं आदि का संपूर्ण दायित्व निर्वहन किया, इस हेतु उनके प्रति आभार। जैन विद्या परीक्षाओं के आयोजन में विभिन्न स्थानीय संघीय संस्थाओं, आंचलिक संयोजकों एवं कार्यकर्त्ताओं के सहयोग एवं श्रम हेतु हार्दिक साधुवाद। समण संस्कृति संकाय, लाडनूं कार्यालय की प्रभारी श्रीमती सरिता सुराणा, उनके सहयोगी श्री सम्पतराज खटेड़, श्री गोविंद सिंह एवं श्री राजपाल सिंह के कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

मालंचद बेगानी, विभागाध्यक्ष

समण संस्कृति संकाय

सेवा

शिक्षा के साथ–साथ सेवा सेवा के क्षेत्र में भी जैन विश्व भारती अग्रणी है। जैन विश्व भारती परिसर , लाडनूं में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला', विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र एवं बीदासर में 'श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र'सुचारू रूप से संचालित है।

SEVABHAVI
DEDICATED TO AYURVED

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला

राष्ट्र संत युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी की सद्प्रेरणा से उनके अग्रज सेवाभावी मुनिश्री चम्पालालजी की स्मृति में सन् 1978 में जैन विश्व भारती में सेवा की एक इकाई के रूप में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला' का शुभारम्भ किया गया। जैन विश्व भारती परिसर में इसका संचालन एक न्यास के अन्तर्गत हो रहा है, जिसमें जैन विश्व भारती के अध्यक्ष व मंत्री पदेन न्यासी होते हैं। परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञजी एवं आचार्यश्री महाश्रमणजी के शुभार्शीवाद से सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला विगत लगभग चार दशकों से जन सामान्य की चिकित्सा सेवा में संलग्न है।

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला का मुख्य उद्देश्य शास्त्रीय विधान से प्रामाणिक एवं विश्वसनीय आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण कर जन सामान्य को चिकित्सा सेवा से लाभान्वित करना है। रसायनशाला को राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग से 345 प्रकार की शास्त्रीय तथा 37 प्रकार की प्रोपराइटरी (अनुभूत) औषधियों के निर्माण हेतु ड्रग मेन्यूफेक्चरिंग लाईसेंस नं. 692–डी प्राप्त है। इन औषधियों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की बहुमूल्य औषधियां (स्वर्ण भस्म व चांदी भस्म युक्त), रस, कूपी, पक्व रसायन, पर्पटी भस्म, पिस्टी, वटी, गुग्गुल, आसवारिष्ट, तेल, लौह मण्डूर, अवलेह, क्वाथ, शोधित द्रव्य, सत्त्व एवं क्षार तथा विशिष्ट स्वाम्य औषधियों का निर्माण कुशल वैद्यों के निर्देशन में उच्च स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण पद्धति के साथ किया जाता है। रसायनशाला को राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग से जीएमपी सर्टिफिकेट अर्थात् विशुद्ध औषध निर्माण पद्धति का प्रमाण पत्र प्राप्त है। सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला को कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के लिए ISO 9001 : 2015 सर्टिफिकेट भी प्राप्त है।

रसायनशाला द्वारा निर्मित औषधियों के प्रयोग से अब तक हजारों रोगियों ने विभिन्न प्रकार के जीर्ण एवं जटिल रोग जैसे– कैंसर, पथरी, वात रोग, अस्थमा, पाईल्स, रक्तचाप, अग्निमांद्य तथा शारीरिक कमजोरी आदि रोगों में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया है। अपनी स्थापनाकाल से अब तक जन सामान्य के साथ–साथ अपनी औषधियों के द्वारा साधु–साध्वियों एवं समण–समणीयों की आरोग्य सेवा में योगभूत बन रसायनशाला प्रबंधन अपने आपको सौभाग्यशाली अनुभव करता है। रसायनशाला द्वारा अपने उत्पादों की गुणवत्ता के साथ कभी समझौता नहीं किया गया एवं उत्तम किस्म की औषधियों का निर्माण करना ही इसका मुख्य लक्ष्य रहा है। रसायनशाला की आलोच्य वर्ष की गति–प्रगति की जानकारी इस प्रकार है–

- **निःशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा सेवा** – रसायनशाला के अन्तर्गत ओ.पी.डी. विभाग संचालित है, जिसमें दो वैद्यों की निःशुल्क परामर्श सेवाएं एवं निःशुल्क औषध वितरण सुविधा रोगियों को प्राप्त है। प्रतिदिन लाडनूं एवं आस–पास के क्षेत्रों के रोगी आकर इस सुविधा का लाभ प्राप्त करते हैं। आलोच्य अवधि में 3894 रोगियों ने इस सुविधा के अन्तर्गत आरोग्य सेवा का लाभ प्राप्त किया।
- **वटी बनाने की नई मशीन की स्थापना** – रसायनशाला में निर्मित औषधियों की मांग में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए वटी बनाने की एक नई मशीन स्थापित की गई है। मशीन की स्थापना में श्री देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट, बैंगलोर के आर्थिक सहयोग हेतु हार्दिक आभार। मशीन की स्थापना में श्री आलोक भंसाली, वाराणसी का विशेष सहयोग रहा, एतदर्थ हार्दिक आभार।

* **रसायनशाला के लोगो का ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन** – रसायनशाला के लोगो का भारत सरकार के ट्रेडमार्क रजिस्ट्री कार्यालय से रजिस्ट्रेशन हेतु दिनांक 24 जून 2019 को आवेदन किया गया, जिसके अनुसार अब रसायनशाला के लोगो के साथ ट्रेडमार्क चिन्ह लगाया जा सकता है। इस कार्य में श्री विनोद सुराणा–कोलकाता का विशेष सहयोग रहा, एतदर्थ हार्दिक आभार।

* **राकेश विज्ञान मन्दिर द्वारा रसायनशाला के लिए विशिष्ट अनुभूत औषधियों का निर्माण** – राकेश विज्ञान मन्दिर, चुरामनपुर, वाराणसी (उत्तरप्रदेश) द्वारा रसायनशाला के लिए आर्थोलिन ऑयल, मानस बाम, उदर सुधाकर पिल्स व सेवाभावी वात व्याधि हर योग के नाम से चार विशिष्ट अनुभूत औषधियों का निर्माण किया गया। यह औषधियां जनसामान्य के लिए विक्रय हेतु रसायनशाला द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। इस कार्य में श्री आलोक भंसाली–वाराणसी की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

* **आयुर्वेदिक चिकित्सक की सेवानिवृत्ति एवं नवनियुक्ति** – रसायनशाला में पूर्व में कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्सक श्री संतोशकुमार शर्मा को दिनांक 15 फरवरी 2019 से सेवानिवृत्ति प्रदान की गई। उनकी सेवाओं हेतु हार्दिक साधुवाद। आयुर्वेदिक चिकित्सक श्री विजयकुमार शर्मा, बीदासर को आयुर्वेदिक चिकित्सक सहऔषध निर्माण वैद्य के रूप में दिनांक 01 फरवरी 2019 से अस्थाई नियुक्ति प्रदान की गई।

* **श्री महाकाल एग्रो रिसर्च एण्ड डेवलपर्स प्रा. लि., कोलकाता के साथ अनुबंध** – रसायनशाला की औषधियों के व्यापक प्रचार–प्रसार एवं देश–विदेश में सहज सुलभता की दृष्टि से श्री महाकाल एग्रो रिसर्च एण्ड डेवलपर्स प्रा. लि., कोलकाता के साथ दिनांक 13 मई 2019 को छः वर्ष की अवधि के लिए एक विक्रय अनुबंध किया गया। इस अनुबंध के अन्तर्गत रसायनशाला द्वारा निर्मित समस्त प्रकार की औषधियां श्री महाकाल एग्रो रिसर्च एण्ड डेवलपर्स प्रा. लि. भारत एवं भारत के बाहर अपने स्तर पर प्रचार–प्रसार करते हुए इनका विक्रय करेंगे। इससे रसायनशाला की औषधियां जनसामान्य को देश–विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सुलभ हो सकेगी। इस कार्य को गति प्रदान करने में श्री विनोद सुराणा जुटे हुए हैं, उनके श्रम हेतु साधुवाद।

* **आचार्यश्री महाश्रमणजी के चेन्नई चातुर्मास में नियमित औषधालय का संचालन** – परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के चेन्नई चातुर्मास में सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के नियमित रूप से पूरे चातुर्मासकाल में आगंतुक सेवार्थियों की सुविधार्थ औषधालय का संचालन किया। औषधालय संचालन हेतु स्थान उपलब्ध करवाने के लिए आचार्यश्री महाश्रमण चातुर्मास व्यवस्था समिति, चेन्नई के सहयोग हेतु आभार। औषधालय संचालन में श्री भेरदास स्वामी, श्री मनोज भोजक एवं श्री रोहित भाटी द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद।

* **रसायनशाला के संचालन में सहयोग** – रसायनशाला के नियमित एवं निर्बाध संचालन में श्री देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट, बैंगलोर का अपेक्षानुसार आर्थिक सहयोग प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ ट्रस्ट परिवार के प्रति हार्दिक आभार।

* **निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन** –

  * **सिरियारी :** 216वें आचार्य भिक्षु चरमोत्सव के अवसर पर दिनांक 21–23 सितम्बर 2018 को सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला द्वारा आचार्यश्री भिक्षु समाधि स्थल संस्थान, सिरियारी में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं सहयोगी के रूप में श्री सूर्यप्रकाश शर्मा व श्री रामप्रसाद शर्मा की सेवाएं प्राप्त हुई। शिविर में सैंकड़ों रोगियों ने सेवा का लाभ प्राप्त किया। शिविर के प्रायोजकीय सहयोग हेतु महेश वायर वेल्ड इण्डस्ट्रीज प्रा. लि., ठाणे (श्री निर्मल श्रीश्रीमाल) के प्रति हार्दिक आभार। शिविर हेतु स्थान आदि सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आचार्यश्री भिक्षु समाधि स्थल संस्थान के प्रबंधन के सहयोग हेतु आभार।

  * **गंगाशहर :** आचार्यश्री तुलसी के 22वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर दिनांक 30 जून से 02 जुलाई 2018 को सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला द्वारा आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान, गंगाशहर (बीकानेर) में आयुर्वेदिक

चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं सहयोगी के रूप में श्री भैरदास स्वामी व श्री रामप्रसाद शर्मा की सेवाएं प्राप्त हुई। शिविर में सैंकड़ों रोगियों ने सेवा का लाभ प्राप्त किया। शिविर के प्रायोजकीय सहयोग हेतु श्री महावीर रांका, गंगाशहर के प्रति हार्दिक आभार। शिविर हेतु स्थान आदि सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आचार्यश्री तुलसी शांति प्रतिष्ठान के प्रबंधन के सहयोग हेतु आभार।

आभार

रसायनशाला के विकास हेतु जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं रसायनशाला के पदेन न्यासी श्री अरविंद संचेती तथा जैन विश्व भारती के मंत्री एवं रसायनशाला के पदेन न्यासी श्री गौरव जैन मांडोत के सहयोग एवं समन्वय भाव हेतु हार्दिक आभार। रसायनशाला के न्यासी श्री अभयराज बैंगानी का दैनिक प्रशासनिक कार्यों में निरन्तर मार्गदर्शन, सहयोग एवं सेवाएं प्राप्त हो रही है, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार। अन्य सभी न्यासीगणों श्री रूपचंद दूगड़–मुंबई, श्री सुखराज सेठिया – दिल्ली, श्री बाबूलाल सेखानी – अहमदाबाद, श्री जीवनमल जैन (मालू) – बंगाईगांव एवं श्री गिरीश लूनिया – विराटनगर के समय–समय पर प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु आभार। रसायनशाला के विकास, प्रचार–प्रसार, उत्पादन कार्य आदि में श्री आलोक भंसाली–वाराणसी का उल्लेखनीय मार्गदर्शन, सेवाएं व सहयोग प्राप्त हो रहा है, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक आभार। रसायनशाला की वेबसाईट के निरन्तर अपडेशन एवं औषधियों के ऑनलाईन विक्रय में श्री उमेश सेठिया–जलगांव की सेवाओं हेतु आभार। रसायनशाला के प्रशासक श्री राजेन्द्र खटेड़ द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद। आयुर्वेद के अनुभवी वरिष्ठ चिकित्सक वैद्य श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं वैद्य श्री विजयकुमार शर्मा की सेवाओं हेतु साधुवाद एवं सभी कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

मूलचंद नाहर

मुख्य न्यासी

श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र, बीदासर

प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर एवं फिजियोथेरेपी पद्धति से रोगियों की चिकित्सा हेतु श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र की स्थापना जैन विश्व भारती की एक इकाई के रूप में बीदासर में की गई। यहां आधुनिक उपकरणों द्वारा व्यायाम की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में केन्द्र के अंतर्गत होम्योपैथिक चिकित्सा से रोगियों को स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है, जिसमें केवल बीदासर ही नहीं अपितु आस–पास के अनेक गांवों से प्रतिमाह लगभग 700–800 रोगी आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं। प्रत्येक रविवार को तेरापंथ भवन, बीदासर में शिविर लगाया जाता है, जिसमें चारित्रात्माओं के अलावा गांव के लोग भी स्वास्थ्य लाभ हेतु आते हैं। प्रतिदिन रोगी के हिसाब इस चिकित्सालय से आलोच्य अवधि में 7065 रोगियों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त किया।

चिकित्सा प्रभारी एवं होम्योपेथिक विभाग में सेवारत डॉ. विजेन्द्र कुमार गौड़ को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र

सेवा के क्षेत्र में जैन विश्व भारती द्वारा 'विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा पद्धति' के नाम से उपक्रम संचालित है। जैन विश्व भारती स्थित आरोग्यम चिकित्सालय में संचालित इस चिकित्सा केन्द्र में विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा पद्धति द्वारा विभिन्न जटिल रोग जैसे– लकवा, पोलियो, स्लिप डिस्क, स्पोण्डिलाइटिस, रीढ़ की हड्डी के रोगों के इलाज के साथ दमा, उच्च रक्तचाप आदि का भी सुगम ईलाज किया जा सकता है। जैन विश्व भारती में आवासित लोगों के साथ–साथ स्थानीय सभी जाति एवं वर्ग के लोग स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं तथा दूर–दराज क्षेत्रों से भी चिकित्सा हेतु लोग उपस्थित होते हैं। इस चिकित्सा केन्द्र से आलोच्य अवधि कुल 2132 रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। वर्तमान में चिकित्सक के रूप में डॉ. हिमांशु मालपुरी कार्यरत है। उनको कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

समणी केन्द्र व्यवस्था

प्रारम्भ से ही समण श्रेणी की व्यवस्था का दायित्व निर्वहन कर जैन विश्व भारती अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही है। जैन विश्व भारती परिसर में स्थित गौतम ज्ञानशाला में समणीवृंद का निरन्तर प्रवास रहता है। जैन विश्व भारती की समस्त गतिविधियों में समण श्रेणी की सक्रिय सहभागिता रहती है। विदेश यात्रा से संबंधित पासपोर्ट, वीजा, कानूनी दस्तावेज आदि तैयार करवाने तथा देश–विदेश में यात्रायित समण श्रेणी के विभिन्न वर्गों से बराबर संपर्क एवं अपेक्षित कार्यों की संपूर्ति में जैन विश्व भारती की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। समण श्रेणी की भारत एवं विदेश यात्राओं से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का समन्वय भी जैन विश्व भारती द्वारा किया जाता है।

वर्ष 2019–20 में समण–समणीवृंद की विदेशों में निम्न पर्युषण यात्राएं प्रस्तावित है–

01. समणी अक्षयप्रज्ञा एवं समणी प्रणवप्रज्ञा	:	सेक्रामेंटो
02. समण सन्मतिप्रज्ञा एवं समणी जयन्तप्रज्ञा	:	लॉस एंजिल्स
03. समणी सत्यप्रज्ञा एवं समणी रोहिणीप्रज्ञा	:	सेन्फ्रांसिस्को
04. समणी प्रतिभाप्रज्ञा एवं समणी हिमप्रज्ञा	:	नवनात (लंदन)
05. समणी ऋजुप्रज्ञा एवं समणी श्रेयसप्रज्ञा	:	बर्मिंघम (यू.के.)
06. समणी शीलप्रज्ञा एवं समणी अमृतप्रज्ञा	:	इंडोनेशिया
07. समणी निर्वाणप्रज्ञा एवं समणी मध्यस्थप्रज्ञा	:	आबूधाबी
08. समणी रत्नप्रज्ञा एवं समणी भास्करप्रज्ञा	:	सिंगापुर
09. समणी नियोजिका मल्लिप्रज्ञा, समणी मननप्रज्ञा एवं समणी सम्यक्त्वप्रज्ञा	:	काठमांडू

इनके अतिरिक्त विदेश के केन्द्रों में वर्ष 2018–19 में लगभग स्थायी रूप से निम्नलिखित समणी वर्ग प्रवासित रहे–

1. समणी मलयप्रज्ञा एवं समणी नीतिप्रज्ञा	:	न्यूजर्सी
2. समणी पुण्यप्रज्ञा एवं समणी जिज्ञासाप्रज्ञा	:	ह्यूस्टन
3. समणी जिनप्रज्ञा एवं समणी क्षान्तिप्रज्ञा	:	ओरलैण्डो
4. समणी प्रतिभाप्रज्ञा एवं समणी उन्नतप्रज्ञा	:	लंदन

उपर्युक्त केन्द्रों एवं यात्राओं के दौरान वहां प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण एवं जैन धर्म दर्शन के अनेक विषयों पर समणीवृंद के व्याख्यान, सेमिनार, शिविर एवं कार्यशालाएं आयोजित हुई। समणीवृंद के श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता एवं व्यवस्थाओं में स्थानीय संघीय संस्थाओं व कार्यकर्ताओं के सहयोग हेतु आभार।

साधना

प्रेक्षा फाउण्डेशन

'प्रेक्षा फाउण्डेशन' जैन विश्व भारती का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। यह प्रेक्षाध्यान संबंधी समग्र गतिविधियों की सर्वोच्च नियामक संस्था है। इसका ध्येय है– प्रेक्षाध्यान को विश्वव्यापी बनाकर समस्त मानव जाति की आध्यात्मिक सेवा करना। प्रेक्षा फाउण्डेशन पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी एवं प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के अमूल्य अवदान 'प्रेक्षाध्यान' को वर्तमान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के कुशल आध्यात्मिक नेतृत्व में निष्ठा से संचालित कर रहा है।

- **तुलसी अध्यात्म नीडम् :** प्रकृति के सुरम्य वातावरण में स्थित आचार्य तुलसी के नाम से बना यह केन्द्र साधना का पवित्र स्थान है। यह वह स्थान है जहां युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी और प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी से हजारों लोगों ने प्रेक्षाध्यान के प्रयोग कर अपने जीवन में बदलाव एवं शांति का अनुभव किया है। इस केन्द्र में वातानूकूलित ध्यान कक्ष, वाचनालय, 30 आवासीय कमरे, भोजनालय, कार्यालय आदि अवस्थित हैं।
- **साधक निवास :** प्रेक्षा फाउण्डेशन साधकों के साधना की समुचित व्यवस्था करता है। जो व्यक्ति लम्बे समय तक तुलसी अध्यात्म नीडम् में रहकर साधना करना चाहें, उनके लिए उपयुक्त व्यवस्था उपलब्ध है। समुचित आवास, सात्विक भोजन व पवित्र वातावरण सहज ही साधकों को साधना के मार्ग पर अग्रसर होने में सहायक बनता है। इच्छुक साधक–साधिकाएं व्यवस्थापकों से संपर्क कर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक साधना के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।
- **प्रेक्षाध्यान शिविर एवं कार्यशाला :** जीवन को रूपान्तरित करने का एक सशक्त माध्यम है– प्रेक्षाध्यान शिविर। प्रेक्षा फाउण्डेशन नियमित रूप से प्रेक्षाध्यान शिविरों का आयोजन करता है, जिसमें हजारों लोग संभागी बनकर लाभान्वित हो चुके हैं। प्रेक्षा फाउण्डेशन जैन विश्व भारती, लाडनूं सहित देश के अन्य शहरों में भी प्रेक्षाध्यान शिविरों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करता है। आलोच्य अवधि में आयोजित शिविरों का विवरण निम्नलिखित है–

क्र. सं.	दिनांक	शिविर का नाम	स्थान
01	21–28 सितम्बर 2018	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
02.	21–28 अक्टूबर 2018	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
03.	21–28 दिसम्बर 2018	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
04.	21–28 फरवरी 2019	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
05.	11–18 मार्च 2019	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
06.	21–28 अप्रैल 2019	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
07.	11–18 जुलाई 2019	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
08.	11–18 अगस्त 2019	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम
09.	11–18 सितम्बर 2019	प्रेक्षाध्यान शिविर	तुलसी अध्यात्म नीडम (प्रस्तावित)

उक्त शिविरों में सैंकड़ों शिविरार्थियों ने सहभागिता कर प्रेक्षाध्यान का लाभ उठाया। शिविर के दौरान समणी ऋजुप्रज्ञाजी, समणी विनीतप्रज्ञाजी, समणी मधुरप्रज्ञाजी, समणी नियोजिका मल्लीप्रज्ञाजी, समणी मंजुलप्रज्ञाजी, समणी

रोहिणीप्रज्ञाजी, समणी सुलभप्रभाजी, समणी श्रेयसप्रज्ञाजी, समणी अमलप्रज्ञाजी, समणी मृदुप्रज्ञाजी आदि का सान्निध्य, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण सहयोग प्राप्त हुआ, तदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रेक्षा फाउण्डेशन के संयोजक श्री राजेन्द्र मोदी एवं प्रेक्षाध्यान शिविरों में सेवाएं प्रदान करने वाले प्रशिक्षक श्री गौतम गादिया, श्री मदन दुधोड़िया, श्री विमल गुनेचा, श्री लाजपतराय जैन, श्री बंशीलाल बंजारा एवं प्रशिक्षक श्री महावीर प्रजापत की सेवाओं हेतु साधुवाद।

* **देश व्यापी योग दिवस का आयोजन :** परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन प्रेरणा से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देश व्यापी योग दिवस का आयोजन किया गया। समस्त देशभर में एकरुपता से प्रेक्षावाहिनीयों एवं प्रेक्षा प्रशिक्षकों के विशेष सहयोग से योग दिवस के आयोजन का यह प्रथम कार्यक्रम था। समस्त प्रेक्षावाहिनीयों, समस्त प्रेक्षा प्रशिक्षकों के सहयोग से यह आयोजन एक विशेष कार्यक्रम का रुप प्राप्त कर सका। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री राजेन्द्र मोदी, श्री अमित जैन, श्रीमती उषा धारेवा, श्रीमती चंदा जैन का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

* **प्रेक्षाध्यान कार्यशाला :** आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर सम्पूर्ण देशभर में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा एवं विभिन्न स्थानों पर प्रेक्षा प्रशिक्षकों के सहयोग से कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। इसके अन्तर्गत बैंगलौर, जोधपुर, पीलीबंगा, चेन्नई एवं भुज में कार्यशालाएं आयोजित की गई है। कार्यशालाओं के सफल आयोजन में श्री रमेश सूतरिया, श्री राजेन्द्र मोदी, श्री मनोज सुराणा, श्री डालम कुमार सेठिया, श्री मूलचंद रांका एवं श्रीमती उषा धारेवा का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है, सभी को साधुवाद।

* **प्रेक्षा प्रशिक्षक योजना :** प्रेक्षा प्रशिक्षकों के निर्माण हेतु प्रेक्षा फाउण्डेशन के अन्तर्गत 'प्रेक्षा प्रशिक्षक योजना' जारी है। इसके अंतर्गत प्रेक्षाध्यान का एक समग्र नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाओं का क्रम रखा गया है। यह परीक्षाएं उत्तीर्ण कर व्यक्ति प्रेक्षाध्यान का सम्यक् प्रशिक्षण प्राप्त कर कुशल प्रशिक्षक बनकर दीपक की तरह स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों के जीवन को भी प्रकाशित कर सकता है। प्रेक्षा फाउण्डेशन प्रशिक्षकों के निर्माण, उनसे नियमित संपर्क एवं प्रशिक्षण विधि की एकरूपता के लिए कटिबद्ध है। आलोच्य अवधि में 'प्रेक्षा प्रशिक्षक परीक्षाएं' मुम्बई, सूरत, कोलकाता एवं प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की नियमित कक्षाएं कोलकाता, नागपुर, सूरत, बैंगलोर, मुम्बई में आयोजित की गई। इन कक्षाओं में सैंकड़ों भाई–बहिनों ने प्रेक्षाध्यान का प्रशिक्षण लिया। वर्तमान में कुल 625 प्रेक्षा प्रशिक्षक, देशभर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आगामी माह दिनांक 21–25 सितम्बर 2019 को आचार्य महाश्रमण प्रवास स्थल, बैंगलौर में प्रेक्षा ट्रेनर कैम्प (रिफ्रेशर कोर्स) के आयोजन का लक्ष्य रखा गया है। आलोच्य अवधि में निम्नलिखित स्थानों पर प्रेक्षा प्रशिक्षक शिविर आयोजित हुए–

प्रेक्षा प्रशिक्षक शिविर

क्र. सं.	दिनांक	शिविर का नाम	स्थान
01	06 जनवरी 2019	प्रेक्षा प्रशिक्षक लेवल 1	कोलकाता
02	03 फरवरी 2019	प्रेक्षा प्रशिक्षक लेवल 2	मुम्बई
03	10 फरवरी 2019	प्रेक्षा प्रशिक्षक लेवल 1	मुम्बई
04	23 जून 2019	प्रेक्षा प्रशिक्षक लेवल 1	सूरत

प्रेक्षा प्रशिक्षण परीक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम आदि तैयार करने तथा प्रेक्षा प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न गतिविधियों में मार्गदर्शन,सहयोग व सेवाओं हेतु श्री एन.सी.जैन–नवी मुम्बई, श्री राजेन्द्र मोदी–इन्दौर, श्री आंनदमल सेठिया–नागपुर एवं श्री गौतम गादिया–सूरत का विशेष सहयोग रहा, सभी के प्रति हार्दिक आभार। आलोच्य अवधि में समस्त प्रेक्षा प्रशिक्षकों की डिटेल को वेबसाइट पर अपडेट किया गया।

* **प्रेक्षाध्यान केन्द्रों को संबद्धता :** सम्पूर्ण देश भर में संचालित विभिन्न प्रेक्षाध्यान केन्द्रों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को एकरुपता प्रदान करने की दृष्टि से प्रेक्षा फाउंडेशन के बैनर के अन्तर्गत संबद्धता प्रदान करने का कार्य किया

गया। आलोच्य अवधि में तेरापंथ भवन, कांदीवली एवं सूरत इत्यादि स्थानों पर संचालित प्रेक्षाध्यान केन्द्रों को प्रेक्षा फाउण्डेशन से संबद्धता प्रदान की गयी है। वर्तमान में देशभर में कुल 24 केन्द्र सम्बद्धता प्राप्त है। इस वर्ष विशेष रुप से प्रेक्षाध्यान सम्बद्धता केन्द्रों की संख्या में वृद्धि का लक्ष्य लिया गया है।

* **प्रेक्षावाहिनी :** प्रेक्षाध्यान में रूचि रखने वाले साधकों के समूह का नाम है– प्रेक्षावाहिनी। साधकों में परस्पर संपर्क एवं संवाद बना रहे, इस दृष्टि से स्थानीय स्तर पर अनेक स्थानों पर प्रेक्षावाहिनी गठित हो चुकी है। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को प्रेक्षावाहिनी द्वारा प्रेक्षाध्यान की एक घण्टे की एक ध्यान गोष्ठी आयोजित की जाती है। इस क्रम में अभी तक कुल 144 प्रेक्षावाहिनियां गठित हुई है एवं 30 प्रेक्षावाहिनीयां प्रस्तावित है। आलोच्य अवधि में कुल 44नवीन प्रेक्षावाहिनीयों का गठन किया गया जो कि राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, गुजरात इत्यादि राज्यों में गठित की गयी। नवीन प्रेक्षावाहिनीयों के माध्यम से विभिन्न राज्यों के सैकड़ो व्यक्ति प्रेक्षाध्यान विधा से जुड़ चुके हैं। वर्तमान में प्रेक्षावाहिनी के अन्तर्गत साधकों की संख्या 3933 है। प्रेक्षावाहिनी के संवाहक, सह संवाहक, सदस्य प्रेक्षाध्यान के प्रचार–प्रसार करने के लिए कटिबद्ध है तथा जागरूकता के साथ स्वयं साधना के पथ पर अग्रेसित हैं एवं दूसरों को साधना के मार्ग पर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सभी के प्रति हार्दिक साधुवाद।

  प्रेक्षावाहिनी के निदेशक मण्डल की सेवाओं व सहयोग हेतु हार्दिक आभार। इस वर्ष प्रेक्षा फाउण्डेशन के विशेष प्रयासों से अनेक स्थानों पर नवीन प्रेक्षावाहिनियों का गठन हुआ और विभिन्न क्षेत्रों में सैंकड़ों भाई–बहिन इस महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति से लाभान्वित हो रहे हैं। इस कार्य में श्रीमती उषा धारेवा, कोलकाता, श्रीमती अल्का सांखला, सूरत एवं श्रीमती सीमा गर्ग, जगराओ का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ इनके एवं अन्य सभी सहयोगीगण के प्रति हार्दिक आभार।

* **प्रेक्षा कार्ड योजना :** आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र से अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो सकें, इस दृष्टि से प्रेक्षा फाउण्डेशन, जैन विश्व भारती द्वारा 'प्रेक्षा कार्ड योजना' जारी है। इस योजना के अन्तर्गत चार तरह की श्रेणियां निर्धारित है– 1. प्रेक्षा एमरल्ड् कार्ड (सहयोग राशि रु. 5 लाख) 2. प्रेक्षा प्लेटिनम कार्ड (सहयोग राशि रु. 1 लाख),3. प्रेक्षा गोल्डन कार्ड (सहयोग राशि रु. 50 हजार) एवं 4.प्रेक्षा सिल्वर कार्ड (सहयोग राशि रु. 25 हजार) । कोई भी व्यक्ति निर्धारित सहयोग राशि प्रदान कर श्रेणी अनुसार योजना की निर्धारित सुविधाओं के अन्तर्गत उक्त केन्द्र में आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में सहभागिता कर लाभान्वित हो सकता है। आलोच्य अवधि में एक प्रेक्षा गोल्डन कार्ड, दो प्रेक्षा सिल्वर कार्ड की सदस्यता प्रदान की गई। सभी नए सदस्यों का प्रेक्षा फाउण्डेशन परिवार से जुड़ने पर हार्दिक स्वागत।

* **'आनन्द निलय' अतिथि गृह का निर्माण :** आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर के परिपार्श्व में आगन्तुक शिविरार्थियों की समुचित आवास व्यवस्था की सुविधार्थ **'आनन्द निलय'** अतिथि गृह का निर्माण कार्य जारी है। लगभग 18,000 स्केवयर फीट का सिविल कार्य जिसमें टाइल्स फिटिंग, पीओपी, वाल पुट्टी का कार्य शामिल है, पूर्ण हो चुका है तथा विद्युत फिटिंग, प्लम्बिंग संबंधी समस्त कार्य पूर्ण हो चुका है। इस परियोजना के आर्थिक सहयोगी श्री दिलीप–आनंद सुराणा, माइक्रो लैब, बैंगलौर का हार्दिक आभार। इस कार्य में पर्यवेक्षण एवं निर्देशन हेतु प्रदान की जा रही सेवाओं के लिए जैन विश्व भारती के पंचमंडल सदस्य श्री मूलचंद नाहर एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री श्री जीवनमल जैन के प्रति हार्दिक आभार।

* **'प्रेक्षाध्यान' मासिक पत्रिका :** अध्यात्म, योग और अन्य जीवनोपयोगी विषयों पर आधारित मासिक पत्रिका 'प्रेक्षाध्यान' का विगत 39 वर्षों से जैन विश्व भारती के अन्तर्गत प्रेक्षा फाउण्डेशन द्वारा प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका की वर्तमान सदस्य संख्या 2973 है। आलोच्य अवधि में विशेष रुप से प्रेक्षाध्यान पत्रिका का प्रेषण राजस्थान की 101 जेलों में किया गया एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम से जुड़ें बुद्धिजीवी वर्ग को भी इस अवधि में प्रेक्षाध्यान पत्रिका का प्रेषण किया गया। महनीय कार्य में सहयोगी महानुभाव के प्रति हार्दिक आभार।

प्रेक्षाध्यान पत्रिका के संपादक के रुप में श्री लूणकरण छाजेड़, गंगाशहर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। श्री छाजेड़ भी कुशल लेखनी के धनी हैं तथा पत्रकारिता से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं। श्री लूणकरण छाजेड़ की सेवाओं हेतु आभार एवं उनके सफल संपादकीय कार्यकाल की मंगलकामना। सभी विज्ञापनदाताओं तथा पत्रिका के सदस्यता अभियान में सहयोगी व्यक्तियों एवं संस्थाओं के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

* **प्रेक्षा ई बुक एवं आचार्य श्रीमहाप्रज्ञ जी के प्रेक्षाध्यान संबंधी वीडियो का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारण :** एक नवीन प्रयास के द्वारा प्रेक्षाध्यान संबंधित विविध साहित्य का पीडीएफ फाईल के माध्यम से सोशल मीडिया के जरिए घर घर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। एक छोटी क्लिप के माध्यम से प्रति दिन प्रेक्षाध्यान के संदेश प्रसारित किए जा रहे है। प्रति सप्ताह तीन ऑडियो एवं वीडियो प्रसारित किये जा रहे हैं। संवाद प्रेषण के कार्य में संयोजक श्री विमल घीया, अहमदाबाद एवं संघ संवाद का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक आभार।

* **नवकार मंत्र पर विशेष प्रस्तुति :** आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष के आयोजन के दूसरे दिन दिनांक 30 जून 2019 को परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में बैंगलौर कन्या मंडल एवं किशोर मंडल द्वारा मंत्र प्रेक्षा आधारित नवकार मंत्र की विशेष प्रस्तुति दी गई।

  उक्त कार्यक्रम को प्रेक्षा प्रशिक्षकों के निर्देशन में किया गया जिसमें डा. धारिणी जैन, पूनम दुगड़ का विशेष सहयोग रहा।

* **NACH खाता :** प्रेक्षा फाउण्डेशन की आर्थिक सुदृढ़ता हेतु आई.सी.आई.सी.आई. बैंक में NACH खाता खोला गया। इस खाते से संबंधी योजना प्रारम्भ की जा चुकी है।

कृतज्ञता/आभार

प्रेक्षाध्यान प्रवृत्ति के विकास हेतु आदरास्पद मुनिश्री कुमारश्रमणजी व प्रेक्षाध्यान के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक आदरास्पद मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है साथ ही गुरुकुलवास में आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों/कार्यशालाओं आदि में मुनिप्रवर का सान्निध्य व पाथेय प्राप्त होता है, इस हेतु मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समय–समय पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होने वाले प्रेक्षाध्यान शिविरों व कार्यशालाओं में सान्निध्य एवं प्रशिक्षण प्रदान करवाने हेतु चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समणी विनीत प्रज्ञाजी एवं श्रेयस प्रज्ञाजी द्वारा लाडनूं में आयोजित शिविर संचालन व्यवस्था में कुशल मार्गदर्शन प्रदान किया, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रेक्षा फाउण्डेशन के सह–संयोजक श्री विमल घीया– अहमदाबाद एवं श्री अशोक चिंडालिया–मुंबई का समय–समय पर अपेक्षित सहयोग एवं मार्गदर्शन हुआ, एतदर्थ हार्दिक आभार। प्रेक्षा प्रशिक्षकों, प्रेक्षावाहिनी संवाहकों आदि की सेवाओं व सहयोग हेतु आभार। प्रेक्षा फाउण्डेशन की व्यवस्थाओं के सुनियोजन में डॉ. विजयश्री शर्मा की सेवाओं हेतु धन्यवाद। तुलसी अध्यात्म नीडम् में कार्यरत प्रशिक्षक श्री महावीर प्रजापत द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

: प्रस्तुति :

अरविन्द गोठी

विभागाध्यक्ष

प्रेक्षा फांउडेशन

साहित्य

साहित्य प्रकाशन जैन विश्व भारती की महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। आगम, जैन विद्या, जीवन विज्ञान से संबंधित साहित्य के साथ पूज्यवरों, चारित्रात्माओं, समण–समणीवृंद तथा शोधार्थियों द्वारा लिखित/संपादित साहित्य का प्रकाशन विगत 49 वर्षों से किया जा रहा है। आलोच्य अवधि में 30 शीर्षकों से नवीन पुस्तकों की 52640 प्रतियां तथा 33 शीर्षकों से पुर्नमुद्रित पुस्तकों की 90715 प्रतियां प्रकाशित की गई। आलोच्य अवधि में प्रकाशित पुस्तकों की सूची निम्नलिखित है–

नवीन साहित्य

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/वाचना प्रमुख	प्रतियां
01.	जय तिथि पत्रक 2076	'शासन स्तंभ' मंत्री मुनि सुमेरमल	15000
02.	साध्वी सुन्दरजी जीवन वृत	साध्वी भीखांजी एवं साध्वी डॉ. ललितरेखा	540
03.	धम्म जागरणा	संकलन	3000
04.	अनुभव पथ	शासन गौरव साध्वी राजीमती	2000
05.	स्वर मंजरी	मुनि स्वस्तिक	1000
06.	स्वाध्याय	आचार्य महाप्रज्ञ	500
07.	कालू कौमुदी	मुनि चौथमल	500
08.	अर्हत वंदना	आचार्य तुलसी	3000
09.	भक्ताम्बर स्रोत (अंग्रेजी)	आचार्य महाप्रज्ञ	3000
10.	वीणा के स्वर	'शासनश्री' साध्वी रमाकुमारी 'नोहर'	500
11.	मौन साधक की आत्मकथा	साध्वीश्री राजकुमारी 'नोहर'	500
12.	जैन दर्शन मनन और मीमांसा : ज्ञान मीमांसा	आचार्य महाप्रज्ञ	500
13.	जैन दर्शन मनन और मीमांसा : आचार मीमांसा	आचार्य महाप्रज्ञ	500
14.	Who is a Jain Shrawak	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
15.	जीवन की पोथी (कन्नड़)	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
16.	अपना दर्पण अपना बिम्ब (कन्नड़)	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
17.	सुखी बनो (कन्नड़)	आचार्य महाश्रमण	1000
18.	दुःख मुक्ति का मार्ग (कन्नड़)	आचार्य महाश्रमण	1000
19.	क्या कहता है जैन वांग्मय (कन्नड़)	आचार्य महाश्रमण	1000
20.	रोज की एक सलाह (कन्नड़)	आचार्य महाश्रमण	1000
21.	अमृत का झरना	साध्वी अणिमाश्री	1000
22.	अमृत कलश भाग–1	साध्वी जिनप्रभा	1000
23.	अमृत कलश भाग–2	साध्वी जिनप्रभा	1000
24.	अमृत कलश भाग–3	साध्वी जिनप्रभा	1000
25.	आदर्श नारियां भाग–1	साध्वी निर्वाणश्री	1000
26.	आदर्श नारियां भाग–2	साध्वी निर्वाणश्री	1000
27.	मृदुता की साधिका	साध्वी संकल्पश्री	500
28.	हर कदम आगे	साध्वी उज्ज्वलप्रभा	500
29.	अन्नपूर्वी	संकलन	3000
30.	भक्ताम्बर	संकलन	5000

पुर्नमुद्रण

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/वाचना प्रमुख	प्रतियां
01.	संबोधि	आचार्य महाप्रज्ञ	21000
02.	पहचान जैन श्रावक की	आचार्य महाप्रज्ञ	2500
03.	प्रेक्षाध्यान : दर्शन और प्रयोग	आचार्य महाप्रज्ञ	580
04.	कंठस्थ	संकलन	3035
05.	मेरी प्रिय कथाएं	मुनि दुलहराज	1000
06.	वैर का अनुबंध	मुनि दुलहराज	1000
07.	जैन विद्या भाग–2	मुनि सुमेरमल 'सुदर्शन'	1000
08.	महाप्रज्ञ प्रबोध (बड़ा)	मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभा	3000
09.	महाप्रज्ञ प्रबोध (छोटा)	मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभा	3000
10.	An Introduction to Preksha Meditation	मुख्यनियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभा	1000
11.	निरूक्त कोष	आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ एवं आचार्य महाश्रमण	500
12.	वनस्पति कोष	आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ एवं आचार्य महाश्रमण	500
13.	जीवन की उजली भोर	साध्वी अणिमा श्री	500
14.	जैन विद्या भाग–2	मुनि सुमेरमल सुदर्शन	1000
15.	श्रमण महावीर	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
04.	एन एडवाइस फोर इच डे	आचार्य महाश्रमण	1000
06.	अठारह पाप	आचार्य महाश्रमण	4000
07.	आओ हम जीना सीखें	आचार्य महाश्रमण	6000
08.	दुःख मुक्ति का मार्ग	आचार्य महाश्रमण	1000
09.	जीव–अजीव	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
10.	रोज की एक सलाह (तमिल)	आचार्य महाश्रमण	1000
11.	अर्हत् वंदना	साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा	3000
13.	तेरापंथ प्रबोध	आचार्य तुलसी	5000
14.	सुखी बनो	आचार्य महाश्रमण	1000
15.	सम्पन्न बनो	आचार्य महाश्रमण	1000
16.	विजय बनो	आचार्य महाश्रमण	1000
17.	अंतिम मनोरथ अनशन	आचार्य महाश्रमण	1000
18.	ज्ञान किरण	साध्वी राजीमती	5000
19.	जीएं चित्त समाधि में	साध्वी राजीमती	1000
20.	जैन विद्या भाग–4	मुनि सुमेरमल 'सुदर्शन'	1000
21.	सचित्र श्रावक प्रतिक्रमण	आचार्य तुलसी	5000
22.	Let us learn to live	आचार्य महाश्रमण	1000
23.	जो सहता है वही रहता है	आचार्य महाश्रमण	1000
24.	परमसुख का पथ	आचार्य महाश्रमण	1000
25.	क्या कहता जैन वांड्मय	आचार्य महाश्रमण	1000
26.	परिवार के साथ कैसे रहे	आचार्य महाप्रज्ञ	1100
27.	क्या कहता है जैन वांगमय	आचार्य महाश्रमण	1000
28.	सोया मन जग जाए	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
29.	महाप्रज्ञ कथाएं भाग 1–3	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
30.	कथा कल्पतरु भाग 1–3	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
31.	पर्युषण साधना	आचार्य महाप्रज्ञ	1000
32.	जैन धर्म के प्रभावक आचार्य	साध्वी संघमित्रा	1000
33.	जो सहता है वही रहता है	आचार्य महाश्रमण	1000

अन्य उल्लेखनीय कार्य

* **साहित्य संपोषण योजना :** जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित साहित्य के संपोषण, संवर्द्धन एवं व्यापक प्रचार–प्रसार की दृष्टि से जैन विश्व भारती के अन्तर्गत **'साहित्य संपोषण योजना'** जारी है। इस योजना में समाज के अनेक उदारमना महानुभावों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। सभी सहयोगी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार।
* **संबोधि ई/स्पीको लाईब्रेरी :** पर्यावरण संरक्षण एवं कर्म निर्जरा की दृष्टि से इस प्रोजेक्ट की संकल्पना की गई। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति मोबाइल, कम्प्यूटर इत्यादि का उपयोग करता है। आधुनिक युग को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा एप तैयार किया जा रहा है जहां पुस्तक को न केवल ई–बुक के रुप में पढा जा सके अपितु उस पुस्तक को स्पीको बुक के रुप में सुना भी जा सकेगा। जैनिज्म पर आधारित पुस्तकों की संभवतः यह प्रथम स्पीको लाइब्रेरी होगी एवं ऐसे फीचर्स से युक्त है जो मोबाइल में कम जगह का उपयोग करे तथा शब्दकोष प्रत्येक पुस्तक के साथ जुड़ा रहेगा।

  जैन विश्व भारती अपनी इस महत्वाकांक्षी योजना के अन्तिम चरण में है तथा शीघ्र ही यह एप पूज्य गुरुदेव के पावन आशीर्वाद के साथ विमोचित किया जाएगा। इस योजना के प्रथम चरण में 350 पुस्तकों को तैयार करवाया गया है। योजना की आवश्यकता एवं गुणवत्ता को देखते हुए यह पूर्ण विश्वास है कि सुधी पाठकों विशेष रुप से युवा पीढी एवं विदेशों में निवास करने वाले श्रावक समाज के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। इस मोबाइल एप को तैयार करने में संचालिका समिति सदस्य श्री उमेश सेठिया एवं श्री विजयराज आंचलिया का विशेष सहयोग रहा, अतएव उनके प्रति हार्दिक आभार।

* **जैन विश्व भारती चल साहित्य विक्रय केन्द्र हेतु नवीन वाहन :** अहिंसा यात्रा में सतत् गतिमान जैन विश्व भारती के चल साहित्य विक्रय केन्द्र हेतु नवीन साहित्य वाहिनी तैयार करवाई गई है। साहित्य वाहिनी हेतु बैंगलौर निवासी श्री प्रकाशचंद लोढा परिवार का विशेष अर्थ सौजन्य प्राप्त हुआ, अनुदानदाता परिवार के प्रति हार्दिक आभार।

  परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन आशीर्वाद के साथ अनुदानदाता परिवार द्वारा साहित्य वाहिनी सुपुर्द की गई।

* **जैन विश्व भारती के साहित्य का प्रचार-प्रसार :** आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान, बीकानेर में गणाधिपति तुलसी की पुण्यतिथि के अवसर पर द्विदिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत साहित्य स्टॉल लगाई गई एवं इसी प्रकार आचार्य महाप्रज्ञ समाधि स्थल, सरदारशहर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में साहित्य स्टॉल लगाई गई। हनुमानगढ क्षेत्र की क्षेत्रीय कार्यशाला के व्यापक कार्यक्रम के अन्तर्गत साहित्य स्टॉल लगाया गया।

* **साहित्य के वेब पोर्टल पर साहित्य की उपलब्धता :** साहित्य के वेब पोर्टल पर वर्तमान में 1049 पुस्तकें ऑनलाइन विक्रय हेतु उपलब्ध है एवं इसके अतिरिक्त सुधी पाठकों हेतु 350 पुस्तकें ऑनलाइन अध्ययन हेतु भी उपलब्ध है। उक्त समस्त पुस्तकें जैन विश्व भारती के साहित्य वेब पोर्टल पर अपलोड की गई है। उक्त वेबपोर्टल के माध्यम से साहित्य क्रय करना अत्यन्त आसान हो गया है।

* **'Amazon' पर जैन विश्व भारती का साहित्य विक्रय हेतु उपलब्ध :** साहित्य की घर बैठे सहज सुलभता की दृष्टि से Online Shopping Store "Amazon" पर जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित कुछ चुनिंदा पुस्तकें विक्रय हेतु उपलब्ध कराई गई है। अनेक लोग घर बैठे ही जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित पुस्तकें प्राप्त कर इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

* **विविध भाषाओं में साहित्य का अनुवाद :** आचार्यश्री महाश्रमणजी की कृतियों का विविध भाषाओं में अनुवाद करवाकर पुस्तकों का प्रकाशन कराया गया, जिससे आचार्यश्री महाश्रमणजी की देश के विभिन्न राज्यों में गतिमान अहिंसा यात्रा में विभिन्न प्रदेशवासियों को अपनी मातृ भाषा में पूज्यप्रवर की पावन लेखनी से लाभान्वित होने का अवसरप्राप्त हो सका। चेन्नई यात्रा के दौरान तमिल भाषा में विविध पुस्तकों का अनुवाद करवाया गया एवं इस कार्य में श्री विजयराज आंचलिया का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इसी प्रकार कर्नाटक क्षेत्र की यात्रा में आचार्य महाप्रज्ञजी एवं आचार्य महाश्रमणजी की छः पुस्तकों का कन्नड़ भाषा में अनुवाद किया गया है एवं जैन विश्व भारती के अन्तर्गत आचार्य महाप्रज्ञजी की पुस्तकों का अनुवाद और प्रकाशन भी करवाया गया। इसमें श्री मूलचंद नाहर तथा सभी सहयोगी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार।

* **साहित्य के कार्यालय का सौन्दर्यकरण एवं वातानूकूलीनकरण :** इस वर्ष साहित्य के कार्यालय में पुस्तकों के डिस्पले हेतु सौन्दर्यकरण करवाया गया एवं कार्यालय में एयरकंडीशन मशीन लगवाई गई।

* **बारकोडिंग का कार्य :** जैन विश्व भारती प्रकाशन के अन्तर्गत प्रकाशित समस्त पुस्तकों की बारकोडिंग विशेष प्रक्रिया के अन्तर्गत की गई है। इससे पुस्तकों की विक्रय प्रक्रिया सुविधाजनक हो गई है। इस हेतु कार्यालय में बार कोड रीडर की भी उपलब्धता करवाई गई है। आचार्यश्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा में गतिमान चल साहित्य विक्रय केन्द्र पर भी इसी प्रकार की व्यवस्था उपलब्ध करवाई जा रही है।

* **साहित्य संरक्षण योजना :** जैन विश्व भारती की संचालिका समिति की प्रथम बैठक में **बुक्स रिसायकल योजना** की संकल्पना को प्रस्तुत किया गया एवं स्वीकृत किया गया । इस योजना के अन्तर्गत श्रावक समाज के घरों में संरक्षित अनुपयोगी साहित्य को पुनः उपयोग में लिया जाएगा। अहिंसा, कर्म निर्जरा एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस योजना की क्रियान्विति का संकल्प लिया गया है। इस कार्य में सहयोगी संस्था के रुप में कार्य किए जाने हेतु जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा को निवेदन किया गया है। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के विशेष सहयोग से इस योजना के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा एवं श्रावक समाज को निवेदन किया जाएगा कि घर के अतिरिक्त साहित्य को समर्पित कर सुधी पाठकों को स्वाध्याय का अवसर प्रदान करें।

कृतज्ञता/आभार

आगम संपादन, साहित्य लेखन व सृजन कार्य में परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का समय-समय पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त होता है, एतदर्थ पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आचार्यप्रवर के निर्देशन में आगम संपादन एवं साहित्य संपादन के कार्य में 'आगम मनीषी' प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी, मुनिश्री कीर्तिकुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी, मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी, साध्वीश्री जिनप्रभाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी, साध्वीश्री विमलप्रज्ञाजी, साध्वीश्री शुभ्रयशाजी, साध्वीश्री सुमतिप्रभाजी, प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञाजी आदि चारित्रात्माओं/समणीवृंद का श्रम मुखर होता है, तदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। साहित्य संबंधी कार्यों में संलग्न सभी चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता। सभी विद्वान् लेखकगण के प्रति हार्दिक आभार।

साहित्य मुद्रण संबंध कार्य में पायोराईट प्रिंट मीडिया प्रा. लि., उदयपुर के श्री संजय कोठारी, सांखला प्रिन्टर्स बीकानेर के श्री दीपचंद सांखला, वर्द्धमान प्रेस दिल्ली के श्री संजीव जैन , उपहार प्रिंट दिल्ली के श्री श्रील लूंकड़, जयपुर पब्लिसिटी सेन्टर के श्री सुबोध भण्डारी, प्रिंट मैजिक, उदयपुर के श्री गिरिराज सिंह सांखला एवं श्री रमेश खटेड़, चेन्नई के सहयोग हेतु हार्दिक साधुवाद। जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित साहित्य की वितरण व्यवस्था में श्री दिलीप दूगड़-तेजपुर, श्री रमेश कोठारी, प्रज्ञा पुस्तकालय, श्री सुखराज पितलिया-सिरियारी, श्री भरतभाई शाह-सूरत, श्री अशोक पारख-सिलीगुड़ी, श्री तुलसी जैन-तुसरा, श्री पुखराज बडोला-चेन्नई, श्री बजरंग कुमार सेठिया-सिलीगुड़ी, तुलसी महाप्रज्ञ फाउण्डेशन-मुंबई (कांदिवली), साहित्य सरिता-अहमदाबाद, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान-गंगाशहर, जय साहित्य संस्थान-चेन्नई, तेरापंथी सभा-सूरत, तेरापंथी सभा-दक्षिण दिल्ली, तेरापंथी सभा-शाहदरा, तेरापंथी सभा-सिलीगुडी, तेरापंथ युवक परिषद्-सूरत, तेरापंथ युवक परिषद्-उधना, तेरापंथ युवक परिषद-जयपुर आदि के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। साहित्य के प्रचार-प्रसार में स्थानीय संघीय संस्थाओं व कार्यकर्ताओं के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। साहित्य के ऑनलाइन विक्रय प्रक्रिया में वेबसाइट को अपडेट बनाए रखने में श्री उमेश सेठिया, जलगांव का विशेष सहयोग प्राप्त होता है, अतएव हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती साहित्य विभाग के प्रभारी श्री पंकज महर्षि, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री बृजमोहन शर्मा एवं आचार्यप्रवर के साथ यात्रा में संचालित साहित्य विक्रय केन्द्र के प्रभारी श्री नंदराम सिमार एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

प्रस्तुति :

धरमचंद लुंकड़,विभागाध्यक्ष

आदर्श साहित्य विभाग

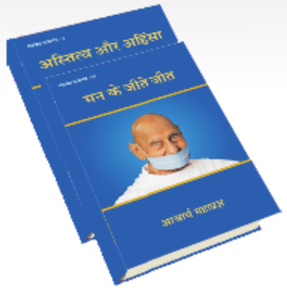

महाप्रज्ञ वांङ्मय

"पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की जन्म शताब्दी के सुअवसर पर श्रद्धेय आचार्य महाश्रमणजी के निर्देशानुसार दिनांक 25 अक्टूबर 2016 को चातुर्मास काल में गुवाहाटी में निर्णय लिया गया कि आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्धारा रचित सम्पूर्ण साहित्य का समग्र संकलन किया जाये एवं महाप्रज्ञ वांङ्मय के रूप में पुर्नप्रकाशन किया जाये। इस हेतु आदर्श आधार तुलसी वांङमय का रहे। जैन विश्व भारती के लिए यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के समग्र साहित्य के महाप्रज्ञ वांङ्मय के रूप में प्रकाशन का कार्य दायित्व प्राप्त हुआ।"

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी की दृष्टि के अनुसार जैन विश्व भारती को प्रदत्त आचार्य महाप्रज्ञ के साहित्य के संदर्भ में आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य प्रबंधन समिति के अन्तर्गत महाप्रज्ञ वांङ्मय का कार्य सुचारू गतिमान है। समणीवृंद के द्वारा जैन विश्व भारती की इस परियोजना हेतु महत्त्वपूर्ण श्रम किया जा रहा है। इस परियोजना में जैन विश्व भारती द्वारा 121 पुस्तकों के प्रकाशन का दायित्व लिया गया है। इन पुस्तकों के अतिरिक्त आचार्य महाप्रज्ञजी द्वारा लिखित अन्य 25 पुस्तकों का प्रकाशन भी किया जाएगा। वर्तमान में वांङ्मय के अन्तर्गत समस्त पुस्तकों के कम्पोजिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं प्रेस द्वारा मुद्रण प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। महाप्रज्ञ वांङ्मय के विमोचन का लक्ष्य हुबली मर्यादा महोत्सव के दौरान का रखा गया है। सभी पुस्तकों का विमोचन एक साथ किए जाने का लक्ष्य लिया गया है।

महाप्रज्ञ वांङ्मय के अन्तर्गत प्रकाशित होने वाली 25 अन्य पुस्तकों में से दो अंग्रेजी पुस्तकों का प्रकाशन जैन विश्व भारती द्वारा प्रतिष्ठित प्रेस प्रगति प्रकाशन एवं थाम्पसन प्रेस के माध्यम से करवाया गया। प्रथम पुस्तक भक्ताम्बर (अंग्रेजी) का विमोचन नववर्ष के अवसर पर एवं who is Jain Shravak पुस्तक का विमोचन आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष समारोह के प्रारम्भ के अवसर पर किया गया।

जैन विश्व भारती की इस महत्त्वपूर्ण योजना हेतु 121 महानुभावों से अनुदान की घोषणा की गई है, समस्त घोषणाकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार। परियोजना के सुचारु संचालन हेतु समय समय पर साहित्य प्रबंधन समिति की बैठकें आयोजित की गई एवं महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। 'महाप्रज्ञ वांङ्मय' के कार्य हेतु परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन आशीर्वाद एवं पथदर्शन प्राप्त हो रहा है, आचार्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आचार्यप्रवर के इंगितानुसार 'महाप्रज्ञ वांङ्मय' का कार्य मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी के निर्देशन में संचालित है। मुख्य नियोजिकाजी के मार्गदर्शन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। इस कार्य में अनेक साध्वियों एवं समणीवृन्द का समय व श्रम नियोजन हो रहा है, उन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। मुख्य रूप से कार्य की देखरेख हेतु मुमुक्षु डॉ. शांता जैन एवं सुश्री वीणा जैन की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य प्रबंधन समिति के संयोजक श्री सुरेन्द्र चोरड़िया एवं समिति सदस्यों श्री मनोज लूनिया, श्री संजय धारीवाल एवं श्री राकेश कठोतिया के सहयोग हेतु आभार।

शोध

आगम-संपादन

जैन विश्व भारती की स्थापना के मूलभूत उद्देश्यों में शोध का स्थान सर्वोपरि रहा है। प्रारंभ से ही गणाधिपति गुरुदेवश्री तुलसी ने इसे जैन धर्म, दर्शन, अध्यात्म आदि के एक उच्चस्तरीय शोध–संस्थान के रूप में परिकल्पित किया था। आगम संपादन, अनुवाद, भाष्य (या टिप्पण) आदि का कार्य इसी शोध–प्रवृत्ति के अंतर्गत जारी है। यह कार्य पूर्व में वाचना–प्रमुख आचार्य तुलसी एवं मुख्य संपादक विवेचक आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के निर्देशन में चला। वर्तमान में मूलतः समग्र आगम कार्य का प्रधान संपादन आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत आगमों के अनुवाद, टिप्पण, विभिन्न प्रकार के कोश निर्माण आदि की योजनाएं चल रही हैं। इसके प्रबंधन, मुद्रण, प्रचार–प्रसार आदि का सारा दायित्व जैन विश्व भारती द्वारा निर्वहन किया जा रहा है।

01. 'पन्नवणा' के अनुवाद आदि का कार्य मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी एवं साध्वीश्री मुदितयशाजी द्वारा गतिमान है।
02. 'आगम मनीषी' प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी द्वारा 'भगवई' (भाष्य सहित) 6वें खण्ड का कार्य चल रहा है। इसमें शतक 21, 22, 23 का भाष्य लिखा जा रहा है। इसमें वनस्पति विज्ञान के संबंध में विस्तृत भाष्य है। 24वें शतक का कार्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा पहले ही संपन्न किया जा चुका है।
03. साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी द्वारा अनुदित एवं साध्वी जिनप्रभाजी द्वारा संपादित आगमग्रंथ ''रायपसेणियं'' का प्रकाशन हो चुका है।
04. मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी द्वारा 'अंतकृतदशा' एवं 'जीवाजीवाभिगम' आगम ग्रंथ का कार्य गतिमान है।
05. मुनिश्री जयकुमारजी द्वारा 'अनुत्तरौपपातिकदशा' आगम ग्रंथ का कार्य गतिमान है।
06. डॉ. मुनिश्री अभिजितकुमारजी एवं मुनिश्री सिद्धकुमारजी द्वारा भगवई भाष्य के तीसरे खण्ड के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य रोमनलिपि के साथ किया जा रहा।
07. साध्वीश्री मुदितयशाजी द्वारा 'निरयावलिका' आदि पांच उपांगों का कार्य प्रगति पर है।
08. साध्वीश्री राजुलप्रभाजी 'ज्ञाताधर्म कथा' के संस्कृत रूपान्तरण के कार्य में संलग्न है।
09. निरुक्त कोष, जैन वनस्पति कोष, वृहतकल्पभाष्य खण्ड 1–2–4 आदि के पुनर्मुद्रण कार्य हो चुका है।
10. **'उत्तरज्झयणाणि'** एवं **'ठाणं'** आगम ग्रंथों का पुर्नमुद्रण का कार्य प्रगति पर है।
11. मुनिश्री विमलकुमारजी एवं मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी द्वारा उवासगदस्साओ की संस्कृत छाया सहित आगमग्रंथ का कार्य प्रगतिमान है।
12. मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी द्वारा सूर्यप्रज्ञप्ति एवं चन्द्रप्रज्ञप्ति आगमग्रंथ का कार्य गतिमान है।

आगम–संपादन संबंधी जैन शासन की प्रभावना का विशिष्ट कार्य परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के मुख्य निर्देशन में हो रहा है, इस हेतु हार्दिक कृतज्ञता। इस कार्य में संलग्न उक्त उल्लेखित समस्त चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रेरणास्पद श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता।

कम्प्यूटर संबंधी कार्य में कार्यालय में कार्यरत श्री निमाई चरण त्रिपाठी, श्री प्रमोद कुर्मी, श्रीमती कुसुम जैन आदि द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति :
मदनचंद दुगड़ 'जौहरी'
संयोजक, शोध विभाग

समन्वय

पुरस्कार एवं सम्मान

जैन विश्व भारती द्वारा कुल 9 पुरस्कारों का संचालन विभिन्न प्रायोजकों के सहयोग से किया जा रहा है।

आचार्य तुलसी अनेकांत सम्मान

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,51,000/– प्रतिवर्ष

आचार्य महाप्रज्ञ अहिंसा सम्मान

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,51,000/– प्रतिवर्ष
पुरस्कार प्राप्तकर्ता	:	श्री डा. वीरेन्द्र हेगड़े, धर्मस्थला

महादेवलाल सरावगी जैन आगम मनीषा पुरस्कार

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,00,000/– प्रतिवर्ष

गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,00,000/– प्रतिवर्ष

जय तुलसी विद्या पुरस्कार

प्रायोजक	:	चौथमल कन्हैयालाल सेठिया चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत
पुरस्कार राशि	:	2,00,000/– प्रतिवर्ष

संघ सेवा पुरस्कार

प्रायोजक	:	नेमचंद जेसराज सेखानी चेरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,25,000/– प्रतिवर्ष
पुरस्कार प्राप्तकर्ता (2018)	:	श्री चंपक के. मेहता, सूरत

आचार्य तुलसी प्राकृत पुरस्कार

प्रायोजक	:	के. बी. डी. फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,00,000/– प्रतिवर्ष

आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य पुरस्कार

प्रायोजक	:	सूरजमल सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी
पुरस्कार राशि	:	1,00,000/– प्रतिवर्ष

प्रज्ञा पुरस्कार

प्रायोजक	:	श्री उम्मेदसिंह, विनोदसिंह, दिलीप दूगड़, तुरा–हैदराबाद–गुवाहाटी
पुरस्कार राशि	:	1,00,000/– प्रतिवर्ष
पुरस्कार प्राप्तकर्ता (2018)	:	पद्मविभूषण डॉ. शिव कुमार सरीन, दिल्ली

सभी पुरस्कार प्रायोजक परिवारों/ट्रस्टों के प्रति हार्दिक आभार एवं पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं के प्रति मंगलकामना।

विदेशों में केन्द्र

जैन विश्व भारती, ऑरलैण्डो

01. **Annual Spiritual Camp का आयोजन :** समणी सन्मतिप्रज्ञाजी एवं समणी मलयप्रज्ञाजी के पावन सान्निध्य में 23वें Annual Spiritual Camp का आयोजन किया गया, जिसमें प्रेक्षाध्यान, योग एवं संस्कृति से जुड़े विभिन्न सेशन रखे गए।
02. **अभिवंदना :** दिनांक 14 अप्रैल 2019 को समणी जिनप्रज्ञाजी एवं समणी क्षांतिप्रज्ञाजी के आगमन पर अभिवंदना कार्यक्रम आयोजित किया गया।
03. महावीर जयंती का कार्यक्रम दिनांक 17 अप्रैल 2019 को वृहद् स्तर पर आयोजित किया गया।
04. टैम्पा में दिनांक 05 मार्च 2019 को 'Understanding Joy and Sorrow' विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।
05. **अक्षय तृतीया एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन :** दिनांक 12 मई 2019 को समणीवृंद के सान्निध्य में अक्षय तृतीया एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।
06. **'तथास्तु विजडम' कार्यक्रम :** बालकों हेतु एकदिवसीय कार्यशाला का विशेष रूप से आयोजन किया गया, जिसमें समणीवृंद द्वारा बालकों के जीवन के लक्ष्यों को तय करने संबंधी विषयों पर प्रवचन प्रदान किये गए।
07. **आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष समारोह :** समणीजी के पावन सान्निध्य में दिनांक 30 जून 2019 को आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री की पुस्तकों के बारे में विशेष जानकारी दी गई।

Jain Vishva Bharati, USA (Orlando)
7819 Lillwill Avenue, Orlando, FI 32809 (USA)
Tel. : 407-852-8694

जैन विश्व भारती, न्यूजर्सी

01. **प्रार्थना पुस्तक का विमोचन :** समणी सन्मतिप्रज्ञा जी एवं समणी जयंतप्रज्ञाजी के सान्निध्य में जैन आगमों पर आधारित पुस्तक प्रार्थना का विमोचन किया गया।
02. **Mindfulness विषय पर कार्यशाला का आयोजन :** समणीवृन्द के सान्निध्य में मांइडफुलनेस विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।
03. **अभिवंदना :** समणी मलयप्रज्ञाजी एवं समणी नीतिप्रज्ञाजी के आगमन पर अभिवंदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं समणीजी के शुभप्रवास की मंगलकामना की गई।
04. **Annual Spiritual Camp का आयोजन :** समणीवृंद के पावन सान्निध्य में Annual Spiritual Camp का आयोजन किया गया, जिसमें प्रेक्षाध्यान, योग एवं संस्कृति से जुड़े विभिन्न सेशन रखे गए। इसमें 150 व्यक्तियों ने प्रतिभागिता की।
05. **महावीर जयंती एवं अक्षय तृतीया का आयोजन :** नवकार मंत्र के विशेष जाप के साथ अक्षय तृतीया के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञानशाला के विद्यार्थियों द्वारा भगवान ऋषभदेव के जीवन वृत्त को प्रस्तुत किया गया।
06. **ज्ञानोत्सव का आयोजन :** दिनांक 1 जून 2019 को समणीवृंद के सान्निध्य में ज्ञानोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें ज्ञानशाला के विद्यार्थियों ने 'कौन पहुंचेगा सिद्धलोक' के कार्यक्रम के माध्यम ज्ञानवर्धक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई।

Jain Vishva Bharati, NA (New Jersey)
151 Middle Sex Avenue
Iseline, NJ-08830 USA
Tel. : 0732-404-1430

जैन विश्व भारती, ह्यूस्टन

01. **वार्षिकोत्सव का आयोजन :** समणी कंचनप्रज्ञाजी एवं समणी प्रणवप्रज्ञाजी के सान्निध्य में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।
02. **दीपावली पर्व पर जाप एवं अनुष्ठान :** समणीवृंद के सान्निध्य में दीपावली के अवसर पर दिनांक 7 नवम्बर 2018 को विशेष जाप एवं अनुष्ठान का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
03. **समणीवृंद का आगमन :** जैन विश्व भारती, हास्टून सेंटर पर समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी व समणी उन्नतप्रज्ञाजी के आगमन के अवसर पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया एवं दिनांक 9–11 नवम्बर को प्रेक्षाध्यान शिविर का आयोजन किया गया।
04. **प्रेक्षाध्यान कार्यशाला :** आस्टिन में समणी प्रणवप्रज्ञाजी एवं समणी कंचनप्रज्ञाजी के सान्निध्य में द्विदिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 70 लोगों ने प्रतिभागिता की।
05. **नववर्ष का स्वागत :** अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर समणीजी के सान्निध्य मे जाप एवं अनुष्ठान का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
06. समणी पुण्यप्रज्ञाजी एवं समणी जिज्ञासाप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की पुस्तकों की विशेष प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

Jain Vishva Bharati, Houston
1712 Hwy 6 South Houston
Texas 77077 (USA)
Tel. : 281-596-9642, 281-495-973

उपर्युक्त केन्द्रों में प्रवासित समणीवृंद के सान्निध्य में संस्कार निर्माण एवं जैन विद्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित है। विदेशों में प्रवासित अनेक जैन परिवारों से समय–समय पर जैन विश्व भारती की गतिविधियों हेतु सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सहयोगी परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। केन्द्रों के पदाधिकारीगण एवं सक्रिय रूप से जुड़े कार्यकर्तागण के सहयोग एवं सेवाओं हेतु आभार। सह संयोजक के रुप में श्री सुरेन्द्र दुगड़, लंदन, श्री स्वतंत्र जैन एवं श्री कमलेशजी शाह का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रथमतः जैन विश्व भारती के इंटरनेशनल सेल का गठन किया गया है। पावन पाथेय एवं मार्गदर्शन हेतु समस्त चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं जैन विश्व भारती के प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार।

सुरेन्द्र कांकरिया, न्यूजर्सी
संयोजक
जैन विश्व भारती इंटरनेशनल सेल

संस्कृति

तुलसी कला दीर्घा

गणाधिपति पूज्य गुरुदेवश्री तुलसी की पुण्य स्मृति में जैन विश्व भारती में स्थापित तुलसी कला दीर्घा (आर्ट गैलरी) आने वाले हर वर्ग के दर्शक को प्रभावित करती हैं कला केन्द्र में जैन धर्म को दर्शाने वाली प्राचीन एवं अर्वाचीन चित्रों एवं हस्तकलाओं की प्रचुर सामग्री का संग्रह किया गया है। दुर्लभ, कलापूर्ण, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की प्रदर्शन योग्य सामग्री के साथ तेरापंथ के आचार्यों को सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से संबंधित प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति पत्र तथा अन्य सामग्री को यहां पर शो विंडो में कलापूर्ण ढ़ंग से सुसज्जित किया गया है। मूल दीर्घा में ऐतिहासिक दस्तावेज, चित्र, रेखांकन तथा हस्तलेखों का विशाल संग्रह 40 टेबल शो केसों में प्रदर्शित किया गया है। नारियल, काष्ठ, तुम्बा और कागज की लुग्दी एवं जीर्ण–शीर्ण कपड़े से बनी अद्भुत कलापूर्ण सामग्री यहां प्रदर्शित है।

आलोच्य अवधि में देश–विदेश के सैंकड़ों दर्शनार्थियों ने कला प्रेक्षा का अवलोकन किया। तुलसी कला दीर्घा के विकास हेतु जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का भी समय–समय पर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता।

हस्तलिखित भण्डार

जैन विश्व भारती में अनेक प्राचीन एवं दुर्लभ जैन हस्तलिखित ग्रंथ उपलब्ध हैं। जिनकी सुरक्षा एवं संरक्षण जैन विश्व भारती के हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपि विभाग के अन्तर्गत किया जा रहा है। इनकी सुरक्षा एवं संरक्षण की दृष्टि से विशेषज्ञ टीमों ने समय–समय पर दौरा कर अमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए हैं और उनके निर्देशानुसार हस्तलिखित पाण्डुलिपियों को उनकी सुरक्षा की दृष्टि से निर्मित विशेष प्रकार की लकड़ी की बनी पेटियों में रखा गया है। वर्तमान में इन पाण्डुलिपियों की संख्या 3122 है, जो 364 पेटियों में संरक्षित है। इन पाण्डुलिपियों को धर्मसंघ के आचार्यों, साध्वियों एवं मुनिवृंद द्वारा लिपिबद्ध किया गया है। इन लिपियों में ऐसे रहस्य हैं, जो वर्तमान में प्रायः लुप्त हो चुके हैं। यह दुर्लभ पाण्डुलिपियां शोधार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इन पाण्डुलिपियों में 18वीं शताब्दी के ताड़पत्र पर कन्नड़ भाषा में लिखी गई भगवद् गीता, कृष्ण–गोपी लीला आदि संग्रहित है।

: प्रस्तुति :
महेन्द्र कुमार जैन
संयोजक, संस्कृति विभाग

अन्य उल्लेखनीय कार्य

* **आचार्य महाप्रज्ञ स्मृति ग्रंथ का प्रकाशन :** आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ स्मृति ग्रंथ के प्रकाशन का दायित्व परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की दृष्टि अनुसार जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ। स्मृतिग्रंथ हेतु आदरास्पद मुनिश्री जयकुमारजी एवं मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का आध्यात्मिक दिशा–निर्देशन प्राप्त हो रहा है, मुनिवृन्द के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

  संपादक मंडल के सदस्यों के रुप में प्रो.बच्छराज दुगड़,लाडनूं, श्री नौरतनमल दुगड़, जयपुर, प्रो.नलिन के. शास्त्री, बोधगया, श्री ललित गर्ग, दिल्ली एवं श्री महेन्द्र जैन, जयपुर की सेवाएं प्राप्त हो रही है, संपादक मंडल का हार्दिक आभार। आचार्य महाप्रज्ञ स्मृति ग्रंथ के लोकार्पण हेतु मर्यादा महोत्सव 2020 का लक्ष्य लिया गया है। ग्रंथ की अनुमानित पृष्ठ संख्या 500–550 रहेगी।

* **जैन विश्व भारती की नवनिर्वाचित टीम का अभिनंदन :** दिनांक 26 सितम्बर 2019 को जैन विश्व भारती के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अरविन्द संचेती एवं उनकी टीम का स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन आचार्य महाश्रमण आडिटोरियम, जैन विश्व भारती संस्थान में आयोजित किया गया। माल्यार्पण–शाल्यार्पण के साथ एवं जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा प्रतीक चिह्न प्रदान कर समागत पदाधिकारीगण व न्यासीगण का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जैन विश्व भारती व जैन विश्व भारती संस्थान के समस्त अधिकारीगण, कर्मचारीगण, लाडनूं नगर के प्रशासनिक अधिकारीगण, नगर की विभिन्न संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण आदि उपस्थित रहे एवं नवनिर्वाचित टीम के सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

* **मुनिश्री देवेन्द्र कुमारजी एवं सहवर्ती मुनिवृंद का जैन विश्व भारती सेवा केन्द्र में मंगल प्रवेश :** दिनांक 8 मार्च 2019 को मुनिश्री देवेन्द्रकुमारजी एवं सहवर्ती मुनिवृंद का चाकरी हेतु जैन विश्व भारती सेवा केन्द्र में प्रवेश हुआ। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के पदाधिकारीगणों ने मुनिवृंद की अभिवंदना कर उनका स्वागत किया तथा मुनिश्री ने चाकरी का औपचारिक दायित्व ग्रहण किया।

* **मुनिश्री जयकुमारजी एवं सहवर्ती मुनिवृंद का जैन विश्व भारती सेवा केन्द्र से मंगल विहार :** मुनिश्री जयकुमारजी एवं सहवर्ती मुनिवृन्द का दिनांक 28 मार्च 2019 को जैन विश्व भारती सेवा केन्द्र से सरदारशहर की ओर मंगल विहार हुआ। इससे पूर्व दिनांक 27 मार्च को जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान परिवार के संयुक्त आयोजकत्व में मुनिश्री का मंगलभावना समारोह आयोजित किया गया जिसमें जैन विश्व भारती, जैन विश्व भारती संस्थान एवं विमल विद्या विहार परिवार की उपस्थिति रही।

* **भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि :** चाड़वास निवासी सण्डूर–बैंगलोर प्रवासी श्री नवरत्नमल–कुमुद बच्छावत द्वारा वर्ष 2009 में अपनी माताजी की 75वें जन्मदिवस पर जैन विश्व भारती को जैन विद्या के विकास हेतु रु. 75 लाख की राशि अनुदान स्वरूप प्रदान की गई थी। यह राशि जैन विश्व भारती के अन्तर्गत 'भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि' के नाम से गठित एक विशेष कोष में जमा है, जिससे प्रति वर्ष उपार्जित ब्याज की आय को जैन विद्या के विकास संबंधी कार्यों में खर्च किया जाता है। अनुदानदाता परिवार के उदार सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

* **जैन विश्व भारती परिसर में वाई-फाई सुविधायुक्त कैमरों का स्थापन :** जैन विश्व भारती परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीकों से युक्त एवं वाई–फाई प्रणाली से लैस 64 कैमरों का स्थापना सम्पूर्ण परिसर में किया गया। इन कैमरों को कार्यालयों, अतिथिगृहों, मुख्य द्वारों, मुख्य मार्गों पर सम्पूर्ण सुरक्षा की दृष्टि से लगाया गया है।

* **गुरुकुलवास में जैन विश्व भारती शिविर कार्यालय का शुभारम्भ :** जैन विश्व भारती की गतिविधियों से संबंधित केन्द्र से उचित मार्गदर्शन की दृष्टि से शिविर कार्यालय का प्रारंभ किया गया। साहित्य, समण संस्कृति संकाय, प्रेक्षाध्यान आदि गतिविधियों से जुड़े देशभर के कार्यकर्ता इस कार्यालय से अपना निवेदन पूज्यप्रवर अथवा आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिवर तक स्थापित कर पाते हैं। वर्तमान में उक्त कार्यालय का मुख्य दायित्व श्री नंदराम सिमार को सौंपा गया है, उनके कुशल कार्य दायित्व के प्रति साधुवाद।

* **कोलकाता कार्यालय से संचालन समाप्त :** जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के भवन में संचालित जैन विश्व भारती के कोलकाता शाखा कार्यालय को अधिक उपयोग में न आने की दृष्टि से दिनांक 31 मार्च 2019 से संचालन समाप्त कर दिया गया एवं समस्त सामग्री इत्यादि को लाडनूं कार्यालय में प्रेषित करवा दिया गया। कार्यालय स्थल को महासभा को सुपुर्द कर दिया गया।

जैन विश्व भारती परिसर में जय कुंजर का स्थापन प्रस्तावित

पूज्यप्रवर द्वारा प्रदान की गयी जय कुंजर की उपमा को चिरस्थायी बनाये जाने हेतु जय कुंजर के प्रतिरुप के निर्माण का लक्ष्य ।

: प्रस्तावित प्रतिरुप :

* प्रतिरुप की ऊँचाई 12 फुट
* रंग : मूल रंग
* मस्तक स्वर्ण मंडित
* पैर : चार (पैर में सोने की बेड़ह युक्त)
* दांत : दो (दांत पर सोने के कड़े)
* आंख : दो
* कुम्भस्थल : दो
* सूंड : मूवेंट में सेंसरयुक्त (यदि कोई व्यक्ति सामने आए तो चिंघाड़े)
* घंटा : दो बड़े
* महावत : अंकुश युक्त
* ध्वनि : गंभीर ध्वनि
* महाझूल : पीठ पर डाला जाने वाला कपड़ा (कशीदायुक्त लाल रंग)

श्रद्धाप्रणति

जैन विश्व भारती की प्रत्येक गतिविधि के सशक्त आधार हैं हमारे पूज्यवर आचार्यश्री महाश्रमणजी। पूज्यश्री द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन और संप्रेषित ऊर्जा ही हमें निरन्तर विकासोन्मुख रखती है। पूज्यप्रवर के असीम अनुग्रह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए हर शब्द अल्प है। हम पूज्यप्रवर के श्रीचरणों में अपनी अनंत–अनंत श्रद्धा समर्पित करते हैं। महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के पावन पथ प्रदर्शन एवं कृपादृष्टि हेतु हार्दिक कृतज्ञता। आदरास्पद 'मुख्य नियोजिका' साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, आदरणीय 'मुख्य मुनि' मुनिश्री महावीरकुमारजी एवं आदरणीय 'साध्वीवर्या' साध्वीश्री संबुद्धयशाजी के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं।

जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक आदरास्पद मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का विभिन्न गतिविधियों के विकास हेतु सम्यक् चिंतन एवं प्रेरक मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है, इस हेतु मुनिप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती की आध्यात्मिक गतिविधियों के सम्यक् संचालन व इसको गतिमान रखने के लिए 'शासनश्री' मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन', 'प्रेक्षा प्राध्यापक' प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, 'शासनश्री' मुनिश्री किशनलालजी, 'शासनश्री' मुनिश्री धर्मरूचिजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी, मुनिश्री मननकुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी आदि मुनिवृंद एवं साध्वीश्री जिनप्रभाजी, 'शासनगौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी, 'शासन गौरव' साध्वीश्री राजीमतीजी, साध्वीश्री कनकश्रीजी, साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी आदि साध्वीवृंद का हमेशा मौलिक चिंतन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ सभी चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र में वर्तमान में प्रवासित सेवाकेन्द्र व्यवस्थापक मुनिश्री देवेन्द्रकुमारजी तथा पूर्व चाकरी में प्रवासित मुनिश्री जयकुमारजी एवं मुनिश्री रोहितकुमारजी आदि मुनिवृंद का संस्था की विभिन्न प्रवृत्तियों में मार्गदर्शन तथा कार्यक्रमों में सान्निध्य प्राप्त हुआ, इस हेतु सभी मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समणी नियोजिका मल्लीप्रज्ञाजी, पूर्व समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी, समणी कुसुमप्रज्ञाजी, समणी अक्षयप्रज्ञाजी, समणी मधुरप्रज्ञाजी आदि समणीवृंद का विशेष दिशा–निर्देशन समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ कृतज्ञता। इनके अतिरिक्त समस्त चारित्रात्माओं एवं समण–समणीवृंद के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता।

विनम्र श्रद्धांजलि

''महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी के दीक्षा प्रदाता शासन स्तम्भ ''मंत्री'' मुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी को जैन विश्व भारती परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं। गणाधिपति गुरुदेव तुलसी से दीक्षित मुनिश्री सुमेरमलजी का तेरापंथ धर्मसंघ को विभिन्न रुपों में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की। बहुश्रुत परिषद के सदस्य के रुप में आपका एक विशेष स्थान रहा। वर्ष 2016 से बहुश्रुत परिषद के संयोजक पद का दायित्व मुनिश्री सुमेरमलजी को प्राप्त हुआ। तेरापंथ के महान् तत्वज्ञ शासन स्तम्भ मुनिश्री घासीरामजी के सान्निध्य में तेरापंथ दर्शन, आगमों का तलस्पर्शी अध्ययन किया एवं तेरांपथ दिग्दर्शन की रचना की। जैन विश्व भारती के द्वारा विगत 41 वर्षों से मर्यादा महोत्सव के पावन अवसर पर जय तिथि पत्रक का प्रकाशन भी निरंतर किया जाता है। शासन स्तंभ मंत्री मुनि श्री सुमेरमलजी ने जय तिथि पत्रक के संपादन के गुरुतर दायित्व का सम्यक निर्वहन करते हुए एक महनीय कार्य का बीड़ा उठाए रखा। जैन विश्व भारती की अमूल्य साहित्य संपदा को समृद्ध करने में मुनिश्री का श्रम सदैव मुखर रहा। बाल साहित्य के सृजन एवं जैन दर्शन साहित्य हेतु मुनिश्री का विशेष योगदान रहा। मुनिश्री का आध्यात्मिक मार्गदर्शन जैन विश्व भारती की गतिविधियों के लिए सदैव उपलब्ध रहता था। जैन विश्व भारती योगी संत मुनिश्री सुमेरमलजी के प्रति हार्दिक भावांजलि अभिव्यक्त करती है।''

''सन् 1977 में गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी के इंगितानुसार जैन विश्व भारती के शिक्षा विभाग के रूप में समण संस्कृति संकाय की स्थापना की गयी। जैन विद्वान तैयार करने के महान लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए गणाधिपति तुलसी के द्वारा संकाय के आध्यात्मिक प्रभारी के रूप में 'शासन स्तंभ' 'मंत्री मुनि' मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुदर्शन' को नियुक्त किया गया। मुनिश्री ने अपनी गहरी सूझबूझ से जैन विद्या पाठ्यक्रम का निर्माण किया। मुनिश्री का आध्यात्मिक मार्गदर्शन सदैव संकाय के लिए उपलब्ध रहता था। जैन विश्व भारती परिवार मुनिश्री के प्रति हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित करता है।''

आलोच्य वर्ष में अनेक चारित्रात्माओं ने अपनी संयम यात्रा संपन्न कर पंडित मरण को प्राप्त किया है। मैं सभी दिवंगत चारित्रात्माओं को जैन विश्व भारती परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए उनके उतरोत्तर आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना करता हूं।

आलोच्य वर्ष के दौरान दिवंगत हुए जैन विश्व भारती के संस्थापक सदस्यों में से एक श्री सूरजमल गोठी को एवं अन्य सदस्यगण को सादर श्रद्धांजलि समर्पित करता हूं।

आभार ज्ञापन

जैन विश्व भारती का वार्षिक प्रतिवेदन संपन्न करने के साथ मैं उन सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने अपना अमूल्य समय और श्रम देकर संस्था की प्रवृत्तियों को उत्तरोत्तर उन्नत बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया।

मैं सर्वप्रथम जैन विश्व भारती के ऊर्जाशील, कर्मठ अध्यक्ष श्री अरविन्द संचेती के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। जिनके कुशल मार्गदर्शन में संस्था का विकास कार्य निरन्तर गतिमान रहा और गतिविधियों को विकास का नया आयाम मिला। मुख्य न्यासी श्री मनोज लूनिया के उल्लेखनीय सहयोग हेतु हार्दिक आभार। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री दिलीप सुराणा, उपाध्यक्ष श्री मदनचंद दुगड़, श्री सुरेन्द्र कांकरिया, श्री रतन दुगड़, श्री अरुण संचेती एवं संयुक्त मंत्री श्री जीवनमल जैन (मालू), श्री अशोक चिंडालिया हमारी विभिन्न प्रवृत्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे, सभी के प्रति हार्दिक आभार। कोषाध्यक्ष श्री प्रमोद बैद का लेखा संबंधी एवं विभिन्न कार्यों हेतु निरन्तर सहयोग मिलता रहा, एतदर्थ आभार। न्यासी श्री चांदरतन दुगड़, श्री जोधराज बैद, श्री रमेशचंद गोयल, श्री बाबूलाल बोथरा, श्री महेन्द्रकुमार जैन, श्री कैलाश डागा, श्री इन्द्राजमल भूतोड़िया एवं श्री कमलकिशोर ललवानी के समय–समय पर प्राप्त सहयोग व सहभागिता हेतु हार्दिक आभार। पंचमण्डल के सदस्यों श्री मूलचंद नाहर, श्री रमेशकुमार धाकड़, श्री रुपचंद दुगड़ के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती के वित्त सलाहकार श्री संजय धारीवाल, श्री राजेश कोठारी के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

परामर्शक मण्डल के सदस्यों के समय–समय पर प्रदत्त मार्गदर्शन हेतु हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती की संचालिका समिति के सभी सदस्यों के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

विमल विद्या विहार के संयोजक श्री चांदरतन दुगड़ महाप्रज्ञ इंटरनेशन स्कूल टमकोर के संयोजक श्री रणजीतसिंह कोठारी, एवं सह संयोजक श्री टी.अमरचंद लुंकड़, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल जयपुर प्रबंधन समिति के संयुक्त संयोजक श्री पन्नालाल पुगलिया, समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष श्री मालचंद बेगानी, संयोजक श्री गौतम डागा, श्री सुशील बाफना, श्री राजेश दुगड़ प्रेक्षा फाउण्डेशन के विभागाध्यक्ष श्री अरविंद गोठी, संयोजक श्री विमल घीया, श्री राजेन्द्र मोदी, साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़, शोध विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मदनचंद दुगड़, परिसर निर्माण एवं देख रेख कार्य समिति के संयुक्त संयोजक श्री जोधराज बैद, श्री जीवनमल जैन, कानूनी सलाहकार समिति के संयुक्त संयोजक श्री अशोक कुमार जे. डागा, मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग के संयोजक श्री अरुण संचेती, सह–संयोजक श्री लोकेश दुधोड़िया, स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह समिति एवं समन्वय विभाग के संयोजक श्री रतन दुगड़, तुलसी कला दीर्घा संस्कृति समिति के संयोजक श्री महेन्द्र कुमार जैन, ई–बुक्स समिति के संयुक्त संयोजक श्री विजयराज आंचलिया, श्री उमेश सेठिया, जैन विश्व भारती इंटरनेशनल सेल के संयोजक श्री सुरेन्द्र कांकरिया, जैन विश्व भारती एजुकेशनल एडवाइजरी समिति के सदस्य श्री टी.अमरचंद लुंकड, श्री अशोक चिंडालिया, श्री पंकज पोरवाल, श्री नवीन पारख आदि ने जैन विश्व भारती की गतिविधियों को अपने श्रम, सहयोग एवं सहभागिता से गति प्रदान की है, एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार।

तेरापंथ विकास परिषद् के संयोजक आदरणीय श्री कन्हैयालाल छाजेड़, जैन विश्व भारती के निवर्तमान अध्यक्ष श्री बी.रमेशचंद बोहरा आदि का समय–समय पर बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ हार्दिक आभार। सभी केन्द्रीय एवं स्थानीय संघीय संस्थाओं से प्राप्त सहयोग के लिए हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों, इकाईयों, आयोजनों आदि में समाज के उदारमना महानुभावों ने मुक्तहस्त सहयोग प्रदान कर संस्था की विकास यात्रा को गति प्रदान की है। उन सभी अनुदानदाताओं के प्रति बहुत–बहुत आभार–धन्यवाद जिनके उल्लेखनीय सहयोग से संस्था ने विकास के नये पायदान पर आरोहण किया।

जैन विश्व भारती के अंकेक्षक के रूप में एन. के. बोरड़ एण्ड कंपनी, जयपुर की सेवाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद।

राजस्थान सरकार, नागौर जिला प्रशासन, नगरपालिका मण्डल, लाडनूं, स्थानीय प्रशासन, रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटी, लाडनूं के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों, लाडनूं की सभी संघीय एवं सामाजिक संस्थाओं एवं स्थानीय व्यक्तियों

के सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद। वर्तमान विधायक श्रीमान मुकेश भाकर, तत्कालीन केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं नागौर सांसद श्री सी. आर. चौधरी तथा तत्कालीन लाडनूं विधायक ठाकुर मनोहरसिंहजी के सहयोग हेतु विशेष रूप से आभार। जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) परिवार के सहयोग हेतु आभार।

जैन विश्व भारती की कार्यालय सचिव डॉ. विजयश्री शर्मा का विभिन्न प्रवृत्तियों एवं व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। लेखा संबंधी कार्य में लेखा विभाग के प्रमुख श्री दिनेश सोनी, श्री जयप्रकाश सांखला एवं कार्यालय सहायक एवं कैशियर के रूप में श्री संजय बोथरा, कम्प्यूटर संबंधी कार्यों में श्री मनीष भोजक, परिसर की व्यवस्थाओं में श्री सुशील मिश्रा, श्री संपतराज खटेड़, श्री भूराराम देवासी, भोजनशाला संबंधी व्यवस्थाओं में श्री चंदनमल भोजक, भण्डार संबंधी कार्यों में श्री जोगेन्द्र सिंह सांखला, बिजली–पानी संबंधी व्यवस्थाओं में श्री भवानीशंकर एवं सुरक्षा प्रभारी श्री जगवीर सिंह आदि ने निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया है। सभी कर्मीगण प्रदत्त दायित्व का निष्ठाभाव से निर्वहन करते हैं, जिनसे संस्था की गतिविधियों को गति प्राप्त होती है। सभी कर्मीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

केन्द्र के साथ संवादों के संप्रेषण में श्री हेमन्त बैद, श्री आकाश सैन एवं श्री बबलू का भी निरन्तर सहयोग मिलता रहा, इस हेतु आभार। जैन विश्व भारती की सूचनाओं एवं समाचारों के संप्रेषण व्यवस्थित और नियमित रूप से करने हेतु स्थानीय सभी दैनिक समाचार पत्रों एवं अखिल भारतीय तेरापंथ टाईम्स, विज्ञप्ति, अणुव्रत आदि सभी संघीय एवं सामाजिक पत्र–पत्रिकाओं के प्रति आभार। संस्कार चैनल व पारस चैनल पर सूचनाओं व कार्यक्रमों के प्रसारण में सहयोग हेतु अमृतवाणी के प्रति आभार। जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों की जानकारी सोशल मीडिया नेटवर्क संघ संवाद एवं JTN (जैन तेरांपथ समाचार 'जैतस') के माध्यम से वृहद् रूप में प्रसारित करने हेतु दोनों टीमों को सहयोग हेतु आभार।

जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र में विराजित मुनिवृंद की अपेक्षानुसार चिकित्सा में डॉ. विजयसिंह घोड़ावत पूर्ण जागरूकता के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ. घोड़ावत की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। मंगलम चिकित्सालय के पूरे प्रबंधन एवं डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की पूरी टीम के सहयोग एवं सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

मैं उपर्युक्त सभी तथा ज्ञात–अज्ञात रूप से अनेक रूपों में सहयोगी समस्त महानुभावों एवं संपूर्ण श्रावक–श्राविका समाज को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं एवं आशा करता हूं कि जैन विश्व भारती को आप सबका सक्रिय सहयोग, सद्भावना एवं मार्गदर्शन निरन्तर मिलता रहेगा।

आप सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ–

ओम अर्हम्

गौरव जैन (मांडोत)

मंत्री

जैन विश्व भारती

स्वर्ण जयंती वर्ष
1970 – 2019

जैन विश्व भारती

पोस्ट : लाडनूं – 341306, जिला : नागौर (राजस्थान)
फोन : +91 1581 226080 / 224671
E-mail : jainvishvabharati@yahoo.com | contact@ jvbharati.org
www.jvbharati.org

आय-व्यय विवरण

2018-2019

जैन विश्व भारती

(मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्था)

विज्जा चरणं पमोक्खो
जैन विश्व भारती लाडनूं
स्वर्ण जयंती वर्ष
1970 - 2019
विज्जा चरणं पमोक्खो
जैन विश्व भारती लाडनूं
स्वर्ण जयंती वर्ष
1970 - 2019

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To the Members of Jain Vishva Bharati

Opinion

We have audited the financial statements of Jain Vishva Bharati, which comprise the Balance Sheet at March 31, 2019, and the Income and Expenditure Account, for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies.

In our opinion, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the entity as at March 31, 2019, and of its financial performance for the year then ended in accordance with the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the entity in accordance with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Responsibilities of Management and those charged with governance for the Financial Statements

Management is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the aforesaid Accounting Standards, and for such internal control as management determines is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the entity's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Those charged with governance are responsible for overseeing the entity's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

For N.K. Borar & Co.
Chartered Accountants
FRN : 004844C

Place: Jaipur
Dated:13/08/2019

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. 073411

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

Figures of previous Year (Rs)	Liabilities	Schedule	(Rs)	Figures of current year (Rs)	Figures of previous year (Rs)	Assets	Schedule	(Rs)	Figures of current year (Rs)
	Trust Funds					**Fixed assets**			
	(A) General Fund				318337492.74	JVB, Ladnun	B-1	306572483.74	
106118530.24	As per last balance sheet		108188311.78		22074237.87	VVV, Ladnun	B-2	20801875.87	
200000.00	Add: Special membership fees received		2700000.00		115142525.41	MIS, Jaipur	B-3	114211344.41	
441000.00	Add: Life membership fees received		252000.00		47827020.00	MIS, Tamkor	B-4	46120887.00	487706591.02
106759530.24			**111140311.78**						
1428781.54	Add : Excess of Income over Expenditureas per				151860613.00	Investments	C		159961608.00
	annexed Income and Expenditure Account		5720089.63						
108188311.78			**116860401.41**			**Current Assets, Loans**			
						and Advances	D		
156189673.00	**(B) Corpus Funds/Specific Funds**	A	165413465.00		24473236.23	Current Assets		34352947.76	
					9114576.45	Loans & Advances		8303830.14	42656777.90
	(C) Building Fund								
131016585.00	As per last Balance Sheet	132016585.00							
1000000.00	Amount received during the year	7300000.00	139316585.00						
	(D) Revaluation Reserve								
	(On revaluation of Land & Building)								
280664381.69	As per last Balance Sheet	271101009.69							
(9563372.00)	Less: Depreciation for the year	9085204.00	262015805.69	683606257.10					
9883175.00	**Staff Security Fund (Net of Loans)**		8953082.00						
(9812542.00)	Less : Investment of Fund in Fixed Deposits	C-1	8812542.00	140540.00					
	Current Liabilities								
6260026.23	For Suppliers & Expenses		1350219.82						
1415906.00	For Others		1542167.00						
306258.00	Advances for Electricity, Water & Maintinance		225267.00						
174410.00	Advance against Sale of Literature		203503.00						
12850000.00	Advance Against Sale of Property at Rajnandgaon		3100000.00						
256889.00	Statutory Dues Payable		157023.00	6578179.82					
688829701.70	**Total**			**690324976.92**	**688829701.70**	**Total**			**690324976.92**

NOTES ON ACCOUNTS : SCHEDULE 'M'

\- -

FOR JAIN VISHVA BHARATI

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE
For N K BORAR & COMPANY
Chartered Accountants

Place : Jaipur
Date : 13/08/2019

(Arvind Sancheti) President | (Gaurav Jain) Secretary | (Pramod Baid) Treasurer | (Surendra Shah) Proprietor

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Figures of previous year (Rs)	Expenditure	Sch.	Figures of current year (Rs)	Figures of previous year (Rs)	Income	Sch.	Figures of current year (Rs)
6891094.00	To Depreciation	'B'	6755733.00	60409225.78	By Donations & Subscriptions		25607041.12
21684978.51	To Office & Administrative Expenses	'E'	20246395.73	9100256.36	By Income from Investments		8989234.87
419736.38	To Social Science Department Expenses	'G'	981795.39	111636.00	By Rent Received		111636.00
660935.00	To Deficit of Vimal Vidya Vihar School	'H'	0.00	1628764.38	By Miscellaneous Receipts		1076972.20
605525.00	To Deficit of Shrimad Acharya Shri Tulsi			1981782.51	By Surplus of Saman Sanskriti Department	'F'	1387657.81
	Mahapragya Manav Kalyan Kendra, Bidasar	'I'	670714.00	0.00	By Surplus of Vimal Vidya Vihar School	'H'	853274.00
37796200.00	To Land Conversion & Registration Expenses		0.00	1535297.95	By Surplus of Mahapragya International School, Jaipur	'J'	1405115.45
3372347.00	To Deficit of Mahapragya International School, Tamkor	'K'	2827026.03	0.00	By Surplus of Sahitya Prakashan Department	'L'	850822.33
104036.94	To Deficit of Sahitya Prakashan Department	'L'	0.00				
85934.00	To Interest Paid		0.00				
1717394.61	To Contribution to Various Institutions		3080000.00				
1428781.54	To Excess of income over expenditure						
	transferred to general fund		5720089.63				
74766962.98	**Total**		**40281753.78**	**74766962.98**	**Total**		**40281753.78**

NOTES ON ACCOUNTS : SCHEDULE 'M'

FOR JAIN VISHVA BHARATI

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE
For N K BORAR & COMPANY
Chartered Accountants

Place : Jaipur
Date : 13/08/2019

(Arvind Sancheti) President | (Gaurav Jain) Secretary | (Pramod Baid) Treasurer | (Surendra Shah) Proprietor

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'A' OF CORPUS FUNDS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

S.No.	Particulars	Balance as on 01.04.2018 (Rs)	Additions during the year (Rs)	Deduction during the year (Rs)	Balance as on 31.03.2019 (Rs)
	Corpus / Specific Funds				
1	**JVB Akshay Nidhi Kosh**				
	J.V.B.A.N. Corpus Fund	2500000.00	2500000.00	0.00	5000000.00
		2500000.00	**2500000.00**	**0.00**	**5000000.00**
2	**Sahitya Akshay Nidhi Kosh**				
	S.A.N. Corpus Funds	5500000.00	0.00	0.00	5500000.00
		5500000.00	**0.00**	**0.00**	**5500000.00**
3	**Preksha Dhyan Akshay Nidhi Kosh**				
	P.D.A.N. (Tulsi Adhyatma Needam) Corpus Fund	3170000.00	150000.00	0.00	3320000.00
	Prekshadhyan Life Membership Fees Fund	3658837.00	37000.00	0.00	3695837.00
	Prekshadhyan Sanrakshak Fees Fund	282954.00	0.00	0.00	282954.00
		7111791.00	**187000.00**	**0.00**	**7298791.00**
4	**Jeevan Vigyan Akshay Nidhi Kosh**				
	J.V.A.N. Corpus Funds	**2500000.00**	**0.00**	**2500000.00**	**0.00**
5	**Saman Sanskriti Sankay Akshay Nidhi Kosh**				
	S.S.S.A.N. Corpus Funds	4000000.00	0.00	0.00	4000000.00
	S.S.S. Samposak Fund	0.00	200000.00	0.00	200000.00
		4000000.00	**200000.00**	**0.00**	**4200000.00**
6	**Shiksha Akshay Nidhi Kosh**				
	Indira Devi Sethia Scholarship Fund	50000.00	0.00	0.00	50000.00
	Jugal Kishor Saraogi Student Welafre Fund	51000.00	0.00	0.00	51000.00
	Kailashwati Bharat Singh Jain Student Scholarship	51000.00	0.00	0.00	51000.00
	Mahadev Lal Saraogi Student Welfare Fund	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Rajendra Kumar Suneharidevi Scholarship Fund	200000.00	0.00	0.00	200000.00
	Siksha Akshay Nidhi Corpus Funds	4987704.00	0.00	0.00	4987704.00
	Scholarship Funds	2978000.00	0.00	0.00	2978000.00
	Vimal Vidhya Vihar Corpus Fund	2146100.00	0.00	0.00	2146100.00
	MIS Tamkore Corpus Fund	5050600.00	0.00	0.00	5050600.00
		15614404.00	**0.00**	**0.00**	**15614404.00**
7	**Other Kosh**				
	Akashya Kosh Fund	7803000.00	0.00	0.00	7803000.00
	Acharya Tulsi Akshay Nidhi Kosh **(as per sch. A-1)**	73061522.00	0.00	0.00	73061522.00
	Amar Visarjan Fund	3300572.00	0.00	0.00	3300572.00
	Bhanwarlal Rankawari Devi Jain Vidhya Vikas Nidhi	7511000.00	0.00	0.00	7511000.00
	Bidasar Shodh Nidhi Fund	314337.00	0.00	0.00	314337.00
	Bhanwarlal Pugalia Foundation Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Bheemraj Khemchand Sethia Charitable Trust	200000.00	0.00	0.00	200000.00
	Deepchand Manakchand Bhura Memorial Fund	121000.00	0.00	0.00	121000.00
	Development Fund	5000000.00	0.00	0.00	5000000.00
	Girish Bhagwat P.	50000.00	0.00	0.00	50000.00
	Gangashahar Residents Fund (For Yoga Lab.)	217303.00	0.00	0.00	217303.00
	Jan Seva Fund	51000.00	0.00	0.00	51000.00
	Kothari Seva Sadan Corpus Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	M.G. Sarogai Corpus Fund	5100000.00	0.00	0.00	5100000.00
	Pragya Puruskar Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Preksha Health (9 Research Granth) Fund	550000.00	0.00	0.00	550000.00
	Sita Sarogi Seva Sansthan	300000.00	0.00	0.00	300000.00
	Sahitya & Shodh Fund	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Surajmal Surana Charitable Trust Fund	700000.00	0.00	0.00	700000.00
	Shiksha Samposhan Corpus (For JVBI) (Donation in Kind)	6411000.00	3136792.00	0.00	9547792.00
	Sh. T Okchand & Sons	75000.00	0.00	0.00	75000.00
	Kesari Chand Jaisukhlal Sethia Charitable Trust	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Other Corpus Funds	3366644.00	5700000.00	0.00	9066644.00
	P. B. Distributors Fund	100000.00	0.00	0.00	100000.00
	Rajasthan Patrika Fund	500000.00	0.00	0.00	500000.00
	Sangh Sampada Samvardhan Corpus Fund	1800000.00	0.00	0.00	1800000.00
	Santosh Industries	30100.00	0.00	0.00	30100.00
	Tola Ram Bhatudevi Dugar Fund	701000.00	0.00	0.00	701000.00
		118963478.00	**8836792.00**	**0.00**	**127800270.00**
	Total	**156189673.00**	**11723792.00**	**2500000.00**	**165413465.00**
	Figures of Previous year	**146433651.00**	**9756022.00**	**0.00**	**156189673.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'A-1' OF ACHARYA TULSI AKSHAYA NIDHI KOSH ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

S.No.	Name of Donor	Prerana	Balance as on 01.04.2018 (Rs)	Amount received during the year (Rs)	Balance as on 31.03.2019 (Rs)
1	Anandmal Bhutoria Charitable Trust	Shri Padamchand Parasmal Bhutoria	1100000.00	0.00	1100000.00
2	Askaran Choraria Charitble Trust	Shri Gulab Chand Choraria	1100000.00	0.00	1100000.00
3	Bhanwarlal Baid Charitble Trust	Shri Bhanwarlal Sharad Kumar Baid	1100000.00	0.00	1100000.00
4	Shri Bijay Karan Anchalia, Gunjan Tie-Up Private Limited, Sohan Lal Banthia & Rajkumar Banthia Charitable Trust	Shri Bijay Karan Anchalia	1100000.00	0.00	1100000.00
5	Dharamchand Bhikhamchand Pugalia charitable Trust	Shri Bhikhamchand Pugalia	1100000.00	0.00	1100000.00
6	Harsha Chand Padmabati Suchanti Charitable Trust	Shri Pokarmal Chimanlal Bucha	1100000.00	0.00	1100000.00
7	Harsha Chand Padmabati Suchanti Charitable Trust	Shri Malchand Manik Chand Kochar	1100000.00	0.00	1100000.00
8	Jiwraj Keshar Devi Pugalia Charitable Trust	Shri Jatan Lal Pugalia	1100000.00	0.00	1100000.00
9	Lalwani Ferro Alloys Ltd	Shri Kamal Kishore Lalwani	1100000.00	0.00	1100000.00
10	Mangal Charitable Trust	Shri Roop Chand Dugar	1100000.00	0.00	1100000.00
11	Modern Rice Mills	Shri Manoj Lunia	1100000.00	0.00	1100000.00
12	Mohanlal Ranjeetsingh Baid Jan Seva Kosh	Shri Prakash Pramod Baid	1100000.00	0.00	1100000.00
13	MRT Signals Limited	Mrs. Kiran Devi Mahendra Kumar Anchalia	1100000.00	0.00	1100000.00
14	Shri Nagraj Tater & Kanak Memorial Foundation	Shri Nagraj Tater	1100000.00	0.00	1100000.00
15	Nauratanmal Kanchan Devi Doshi Foundation	Shri Nauratanmal Sunilkumar Doshi	1100000.00	0.00	1100000.00
16	Shakuntala Devi Charitable Trust	Shri Pyarelal Pitalia	100000.00	0.00	100000.00
17	S. S. Jewellery, Shilpa Jewellers, Swarnmala Jewellers	Shri Madanlal Tater	1100000.00	0.00	1100000.00
18	Sandeep Baid	Shri Khemchand Rampuria	1100000.00	0.00	1100000.00
19	Seth Sagarmal Raijada Charitable Trust	Shri Chandanmal Raijada	1100000.00	0.00	1100000.00
20	Shri Shreechand Chopra	Shri Shreechand Sanjay Chopra	1100000.00	0.00	1100000.00
21	Sohan Lal Hulasidevi Choraria Charitable Trust	Shri Vinay Kumar Choraria	1100000.00	0.00	1100000.00
22	Sumermal Jatandevi Daga Charitable Trust	Shri Sumermal Daga	1100000.00	0.00	1100000.00
23	Tarachand Noratanmall Surana Charitable Trust	Shri Noratanmal Surana	1100000.00	0.00	1100000.00
24	Tarachand Pradeep kumar (HUF)	Shri Tarachand Jatanlal Parasmal Rampuria	1100000.00	0.00	1100000.00
25	Royal Diam	Shri Hanumanmal Madanchand Dugar (Johari)	1100000.00	0.00	1100000.00
	Total carried forward		**26500000.00**	**0.00**	**26500000.00**

Contd...2

(2)

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'A-1' OF ACHARYA TULSI AKSHAYA NIDHI KOSH ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

S.No.	Name of Donor	Prerana	Balance as on 01.04.2018 (Rs)	Amount received during the year (Rs)	Balance as on 31.03.2019 (Rs)
	Total brought forward		**26500000.00**	**0.00**	**26500000.00**
26	Devendra Kumar Dugar, Chetan Dugar, Ceco Electronics Pvt. Ltd., Rishu Tradelinks Pvt. Ltd.	Shri Devendra Kumar Chetan Dugar	1100000.00	0.00	1100000.00
27	Bothra Janlkalyan Trust	Shri Babulal Bothra	1100000.00	0.00	1100000.00
28	Ramlal Punam Chand Dakalia Charitable Trust	Shri Nirmal Kumar Dakalia	1100000.00	0.00	1100000.00
29	Jhumarmal Dugar Chraitable Trust	Shri Santosh Kumar Surendra Kumar Dugar	1100000.00	0.00	1100000.00
30	Harsha Chand Padmabati Suchanti Charitable Trust	Shri Manak Chand Nahata	1100000.00	0.00	1100000.00
31	Sachin Water Supply Co. Pvt. Ltd.	Shri Champa Lal, Amit Kumar Chopra	1100000.00	0.00	1100000.00
32	Surana Public Charitable Trust	Shri Babulal Sanjay Surana	1100000.00	0.00	1100000.00
33	Smt. Sobha Devi Dugar, Dhanpat Singh Dugar	Shri Dhanpat Singh Dugar	1100000.00	0.00	1100000.00
34	Ginza Industries Ltd.	Shri Amolak Chand Sethia	1100000.00	0.00	1100000.00
35	Raman Trust, Shree Niwas Trust	Shri Punam Chand Jasraj Maloo	1100000.00	0.00	1100000.00
36	Kothari Seva Founadation, Prakash Chand Maloo, Hansraj Ranjit Singh Kothari Charitable Trust	Shri Prakash Chand Maloo	1100000.00	0.00	1100000.00
37	Kundalia Foundaion, Deeplok Securities Limited	Shri Omprakash Jalan	1100000.00	0.00	1100000.00
38	Woodside Fashion Limited	Shri Ajay, Sanjay, Deepak Surana	1100000.00	0.00	1100000.00
39	Seth Manak Chand Bardia Foundation	Shri Ramesh Chandra Bardia	1100000.00	0.00	1100000.00
40	Madan Chand Tolamal Gouti Charitable Trust	Shri Sumati Chand Gothi	1100000.00	0.00	1100000.00
41	Jain Vishva Bharti, North America (NJ)		1100000.00	0.00	1100000.00
42	Virgina Cabinets Pvt. Ltd.	Shri Hukam Chand Choraria	1100000.00	0.00	1100000.00
43	UTC Marketing Pvt. Ltd., Essee Networks Pvt. Ltd.	Shri Shrichand Dilip Kumar Sanjay Kumar Bhutoria	1100000.00	0.00	1100000.00
44	Prakash Chand Kothari (Donation in Kind: Land & Building)	Shri Prakash Chand Kothari & Smt. Pushpa Kothari	15761522.00	0.00	15761522.00
	Total carried forward		**62061522.00**	**0.00**	**62061522.00**

Contd....3

(3)

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'A-1' OF ACHARYA TULSI AKSHAYA NIDHI KOSH ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

S.No.	Name of Donor	Prerana	Balance as on 01.04.2018 (Rs)	Amount received during the year (Rs)	Balance as on 31.03.2019 (Rs)
	Total brought forward		**62061522.00**	**0.00**	**62061522.00**
45	D Manju Bai	Shri Tara Chand, Dharam Chand Lunked	500000.00	0.00	500000.00
46	Ganadhipati Tulsi Jain Engineering College	Shri Pyare Lal Pitalia	1000000.00	0.00	1000000.00
47	Hind Charity Trust	Rajendra Kumar Dabriwala	1100000.00	0.00	1100000.00
48	Kundalia Foundation	Kharag Singh Kanhaiya Lal Dudheria	500000.00	0.00	500000.00
49	Mataji Agency Pvt. Ltd.	Jiwanmal Jain (Malu)	1100000.00	0.00	1100000.00
50	Vimla Birla Foundation	Shri Prakash Chand Kothari & Smt. Pushpa Kothari	2000000.00	0.00	2000000.00
51	Arindam Traders Pvt. Ltd.	Shri Prakash Chand Kothari & Smt. Pushpa Kothari	2100000.00	0.00	2100000.00
52	Bindal Mercantile Pvt. Ltd.	Shri Prakash Chand Kothari & Smt. Pushpa Kothari	2100000.00	0.00	2100000.00
53	Seth Chhaganmal Hiralal Dugar	Dhramchand Lunked	600000.00	0.00	600000.00
	Total		**73061522.00**	**0.00**	**73061522.00**
	Figures of Previous year		**68750000.00**	**4311522.00**	**73061522.00**

Note : The Institution has received Land & Building as Donation in the year 2013-14 and as per direction of the Donor, same was shown as Corpus Donation by taking the value of Land & Building as assessed by Sub Registrar. Part of the Land & Building was sold during the year and Surplus received over value reduced in books has also been treated as Corpus Donation in accordance with specific direction of Donor in Sale Deed.

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-1' OF FIXED ASSETS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

S. No.	Particulars	GROSS BLOCK				DEPRECIATION					NET BLOCK	
		As on 01.04.2018 (Rs.)	Additions during the year (Rs)	Transfer/ adjustment during the year (Rs)	Total cost As on 31.03.2019 (Rs)	Charged To P&L Upto 31.03.2018 (Rs)	For the year (Rs)	Deduction (Rs)	Total Upto 31.03.2019 (Rs)	Charged To Revaluation Reserve	As on 31.03.2019 (Rs)	As on 31.03.2018 (Rs)
1	Land	19863596.81	-	-	19863596.81	-	-	-	-	-	19863596.81	19863596.81
2	Roads	3551476.21	-	-	3551476.21	1638683.81	95640.00	-	1734323.81	-	1817152.40	1912792.40
3	Electric Pole	379121.00	-	-	379121.00	194233.00	9244.00	-	203477.00	-	175644.00	184888.00
4	Sollar Light With Pillar	600000.00	-	-	600000.00	98,436.00	25078.00	-	123514.00	-	476486.00	501564.00
5	Land & Building	10378600.00	-	6863208.00	3515392.00	-	-	-	-	-	3515392.00	10378600.00
6	**Buildings**											
6.1	General	442626527.40	-	-	442626527.40	179490201.29	4921967.00	-	184412168.29	8234849.00	249979510.11	263136326.11
7	**Furniture & Fixtures**											
7.1	General	10269602.21	260500.00	-	10530102.21	6855910.79	358319.00	-	7214229.79	-	3315872.42	3413691.42
7.2	Social science,philosophy & research department	60221.50	-	-	60221.50	57990.50	223.00	-	58213.50	-	2008.00	2231.00
8	**Office Equipments**											
8.1	General	6103494.32	937080.00	-	7040574.32	4289804.81	391523.00	-	4681327.81	-	2359246.51	1813689.51
8.2	Social science, philosophy & research department	386210.29	-	-	386210.29	385713.79	74.00	-	385787.79	-	422.50	496.50
8.3	Light water fittings	303086.23	-	-	303086.23	239508.73	9537.00	-	249045.73	-	54040.50	63577.50
8.4	Vehicles	5037131.78	1498937.00	-	6536068.78	3289932.78	605037.00	-	3894969.78	-	2641099.00	1747199.00
8.5	Tools & Machinery	1871800.96	-	-	1871800.96	1148714.96	108463.00	-	1257177.96	-	614623.00	723086.00
8.6	Cart & live stock	2110.87	-	-	2110.87	-	-	-	-	-	2110.87	2110.87
8.7	Audio visual equipments	485329.00	31000.00	-	516329.00	275301.75	33830.00	-	309131.75	-	207197.25	210027.25
8.8	Tubewell	1028711.00	119799.00	-	1148510.00	527378.75	29661.00	-	557039.75	-	591470.25	501332.25
8.9	Generator set	2211542.00	79480.00	-	2291022.00	1366971.00	132647.00	-	1499618.00	-	791404.00	844571.00
8.10	Elevator	500000.00	-	-	500000.00	278147.00	33278.00	-	311425.00	-	188575.00	221853.00
8.11	Social science laboratory equipment	131075.00	-	-	131075.00	129899.25	176.00	-	130075.25	-	999.75	1175.75
8.12	Tulsi Mahapragya Manav Kalyan Kendra, Bidasar medical equipments	338580.89	-	-	338580.89	331673.52	1036.00	-	332709.52	-	5871.37	6907.37
8.13	Manuscripts	160277.00	-	-	160277.00	101749.00	-	-	101749.00	-	58528.00	58528.00
9	**Capital Work in Progress**											
9.1	Meditation Hall (Anand Nilay)	12749249.00	7161985.00	-	19911234.00	-	-	-	-	-	19911234.00	12749249.00
	Total	**519037743.47**	**10088781.00**	**6863208.00**	**522263316.47**	**200700250.73**	**6755733.00**	**-**	**207455983.73**	**8234849.00**	**306572483.74**	**318337492.74**
	Previous Year Figures	**517803465.47**	**10022756.00**	**8788478.00**	**519037743.47**	**185140894.73**	**6891094.00**	**-**	**192031988.73**	**8668262.00**	**318337492.74**	**332662570.74**

Note : 1. Land includes a sum of Rs. 11000/- being cost of land purchased in earlier years, pending execution of documents.
2. Cost of office equipments acquired till 31st March 89 remain included in cost of furniture and fixtures.
3. Land and building of Rs. 10378600/- represent gift of land and building situated at Rajandgaon (C.G.) received in earlier years and No Depreciation has been provided on this Land & Building as it was not put to use. Out of which Land & Building of Rs. 6863208.00 sold during the year for a consideration of Rs. 10000000.00 and profit of Rs. 3136792.00 credited in Corpus Donation as per Instruction of Donor. The sale of balance part of Land & Building is complete except for registration work.

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-2' OF FIXED ASSETS OF VIMAL VIDYA VIHAR LADNUN, ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

S. No.	Particulars	GROSS BLOCK				DEPRECIATION					NET BLOCK	
		As on 01.04.2018 (Rs)	Additions during the year (Rs)	Transfer/ adjustment during the year (Rs)	Total cost As on 31.03.2019 (Rs)	Charged To P&L Upto 31.03.2018 (Rs)	For the year (Rs)	Deduction (Rs)	Total Upto 31.03.2019 (Rs)	Charged To Revaluation Reserve	As on 31.03.2019 (Rs)	As on 31.03.2018 (Rs)
1	**Buildings**											
1.1	General	29241601.00	160000.00	-	29401601.00	10556316.00	389129.00	-	10945445.00	553135.00	17903021.00	18685285.00
2	**Furniture & Fixtures**											
2.1	General	3559229.13	-	-	3559229.13	1956420.26	160281.00	-	2116701.26	-	1442527.87	1602808.87
3	**Office Equipments**											
3.1	Computer	610830.00	-	-	610830.00	604830.00	2400.00	-	607230.00	-	3600.00	6000.00
3.2	Computer Software	25000.00	-	-	25000.00	24939.00	24.00	-	24963.00	-	37.00	61.00
3.3	Play Group Toys	81580.00	31000.00	-	112580.00	53119.00	6594.00	-	59713.00	-	52867.00	28461.00
3.4	Cooler	34700.00	-	-	34700.00	28215.00	973.00	-	29188.00	-	5512.00	6485.00
3.5	EPBX	43650.00	-	-	43650.00	23655.00	2999.00	-	26654.00	-	16996.00	19995.00
3.6	Battery	12800.00	-	-	12800.00	11571.00	492.00	-	12063.00	-	737.00	1229.00
3.7	U.P.S	12125.00	-	-	12125.00	11461.00	265.00	-	11726.00	-	399.00	664.00
3.8	Off Line U.P.S	23500.00	-	-	23500.00	23498.00	1.00	-	23499.00	-	1.00	2.00
3.9	Photo Copy Machine (Printer)	11800.00	-	-	11800.00	9825.00	296.00	-	10121.00	-	1679.00	1975.00
3.10	Risograph Machine	191286.00	-	-	191286.00	149682.00	6241.00	-	155923.00	-	35363.00	41604.00
3.11	Laboratory equipments	180525.00	-	-	180525.00	101549.00	11846.00	-	113395.00	-	67130.00	78976.00
3.12	Water Purifier	182000.00	-	-	182000.00	158112.00	3583.00	-	161695.00	-	20305.00	23888.00
3.13	Water Cooler	293200.00	-	-	293200.00	132929.00	24041.00	-	156970.00	-	136230.00	160271.00
3.14	Electrex Blower	1100.00	-	-	1100.00	775.00	49.00	-	824.00	-	276.00	325.00
3.15	Air Conditioner	23750.00	-	-	23750.00	19075.00	701.00	-	19776.00	-	3974.00	4675.00
3.16	Polycon Water Tank	116930.00	-	-	116930.00	58878.00	8708.00	-	67586.00	-	49344.00	58052.00
3.17	CCTV Camera	347448.00	-	-	347448.00	153057.00	29159.00	-	182216.00	-	165232.00	194391.00
3.18	Fan	66690.00	5100.00	-	71790.00	22229.00	7434.00	-	29663.00	-	42127.00	44461.00
3.19	Samsung LED	69575.00	-	-	69575.00	24415.00	6774.00	-	31189.00	-	38386.00	45160.00
3.20	Sport Equipments	117592.00	19500.00	-	137092.00	47908.00	13378.00	-	61286.00	-	75806.00	69684.00
3.21	Water Pump	28200.00	-	-	28200.00	8445.00	2963.00	-	11408.00	-	16792.00	19755.00
3.22	Mobile Phone	3200.00	-	-	3200.00	1235.00	295.00	-	1530.00	-	1670.00	1965.00
4	**Tool & Machinery**											
4.1	Machiney	29678.65	-	-	29678.65	28504.65	176.00	-	28680.65	-	998.00	1174.00
4.2	Water Treatment Plant	87750.00	-	-	87750.00	63839.00	3587.00	-	67426.00	-	20324.00	23911.00
4.3	Cutter Machine	2444.00	-	-	2444.00	1963.00	72.00	-	2035.00	-	409.00	481.00
4.4	Sharp Projector	46600.00	-	-	46600.00	37426.00	1376.00	-	38802.00	-	7798.00	9174.00
5	**Vehicles**											
5.1	Bus	4898370.00	-	-	4898370.00	3982769.00	274680.00	-	4257449.00	-	640921.00	915601.00
6	**Library books**											
6.1	Library books	53899.00	12567.00	-	66466.00	46638.00	5418.00	-	52056.00	-	14410.00	7261.00
7	**Audios Visual Equipments**											
7.1	Musical Instruments	13500.00	-	-	13500.00	9639.00	579.00	-	10218.00	-	3282.00	3861.00
7.2	D.V.D/C.D Player	3100.00	-	-	3100.00	2519.00	87.00	-	2606.00	-	494.00	581.00
7.3	Audio Visual Equipments	12900.00	-	-	12900.00	12387.00	77.00	-	12464.00	-	436.00	513.00
7.4	Sound System	63660.00	21200.00	-	84860.00	48152.00	3916.00	-	52068.00	-	32792.00	15508.00
	Total	**40490212.78**	**249367.00**	**-**	**40739579.78**	**18415974.91**	**968594.00**	**-**	**19384568.91**	**553135.00**	**20801875.87**	**22074237.87**
	Previous Year Figures	**39451017.78**	**1039195.00**	**-**	**40490212.78**	**16705017.91**	**1128710.00**	**-**	**17833727.91**	**582247.00**	**22074237.87**	**22745999.87**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-3' OF FIXED ASSETS OF MAHAPRAGYA INTERNATIONAL SCHOOL JAIPUR, ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

		GROSS BLOCK				DEPRECIATION					NET BLOCK	
S.	Particulars	As on	Additions	Transfer/	Total cost	Charged To P&L						
No.		01.04.2018	during the	adjustment	As on	Upto	For the	Deduction	Total Upto	Charged To	As on	As on
			year	during the year	31.03.2019	31.03.2018	year		31.03.2019	Revaluation Reserve	31.03.2019	31.03.2018
		(Rs.)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)		(Rs)	(Rs)
1	Land	91914567.00	-	-	91914567.00	-	-	-	-	-	91914567.00	91914567.00
2	**Buildings**											
2.1	General	29228725.00	-	-	29228725.00	8400467.60	744194.00	-	9144661.60	297220.00	19786843.40	20828257.40
3	**Furniture & Fixtures**											
3.1	General	1956988.27	247100.00	-	2204088.27	992061.27	121203.00	-	1113264.27	-	1090824.00	964927.00
4	**Office Equipments**											
4.1	Air Conditioner	355313.00	115700.00	-	471013.00	181403.00	43442.00	-	224845.00	-	246168.00	173910.00
4.2	Computer	1169520.00	34102.00	-	1203622.00	871353.00	132908.00	-	1004261.00	-	199361.00	298167.00
4.3	Software	88000.00	98980.00	-	186980.00	86029.00	40381.00	-	126410.00	-	60570.00	1971.00
4.4	Cooler	12065.00	-	-	12065.00	10349.00	257.00	-	10606.00	-	1459.00	1716.00
4.5	Water Cooler	92950.00	-	-	92950.00	58509.00	5166.00	-	63675.00	-	29275.00	34441.00
4.6	TV,DVD Player & Projector	246260.00	-	-	246260.00	210393.00	5380.00	-	215773.00	-	30487.00	35867.00
4.7	Water Purifier	24950.00	-	-	24950.00	12324.00	1894.00	-	14218.00	-	10732.00	12626.00
4.8	Emergency Light	1150.00	-	-	1150.00	749.00	60.00	-	809.00	-	341.00	401.00
4.9	Electric Equipment	23465.00	-	-	23465.00	10321.00	1972.00	-	12293.00	-	11172.00	13144.00
4.10	Fire Extinguisher	6534.00	-	-	6534.00	4355.00	327.00	-	4682.00	-	1852.00	2179.00
4.11	Fan	55455.00	21250.00	-	76705.00	28370.99	7250.00	-	35620.99	-	41084.01	27084.01
4.12	Lab Equipments	224977.00	-	-	224977.00	84796.00	21027.00	-	105823.00	-	119154.00	140181.00
4.13	Musical Instruments	48732.00	15900.00	-	64632.00	25836.00	5819.00	-	31655.00	-	32977.00	22896.00
4.14	Online Finger Print Machine	17400.00	-	-	17400.00	7918.00	1422.00	-	9340.00	-	8060.00	9482.00
4.15	Sports Equipment	68075.00	7646.00	-	75721.00	26048.00	7343.00	-	33391.00	-	42330.00	42027.00
4.16	Security System	212058.00	-	-	212058.00	116349.00	14356.00	-	130705.00	-	81353.00	95709.00
4.17	Photo State Machine	36750.00	-	-	36750.00	19005.00	2662.00	-	21667.00	-	15083.00	17745.00
4.18	Toys	116383.00	-	-	116383.00	47028.00	10403.00	-	57431.00	-	58952.00	69355.00
4.19	Water Sensor	7662.00	-	-	7662.00	6440.00	183.00	-	6623.00	-	1039.00	1222.00
4.20	Water Tank	53466.00	-	-	53466.00	8982.00	4448.00	-	13430.00	-	40036.00	44484.00
4.21	Smart Class Room	363040.00	-	-	363040.00	328188.00	13941.00	-	342129.00	-	20911.00	34,852.00
4.22	Boring Machine	27000.00	-	-	27000.00	5771.00	3184.00	-	8955.00	-	18045.00	21,229.00
4.23	Camera	64000.00	74500.00	-	138500.00	9600.00	19335.00	-	28935.00	-	109565.00	54,400.00
4.24	Fire Fighting Equipement	245745.00	-	-	245745.00	36862.00	31332.00	-	68194.00	-	177551.00	208,883.00
4.25	Grass Cutter	-	3000.00	-	3000.00	-	450.00	-	450.00	-	2550.00	-
4.26	Telephone	-	1600.00	-	1600.00	-	120.00	-	120.00	-	1480.00	-
5	**Vehicle**											
5.1	Vehicle	593903.00	-	-	593903.00	573532.00	6112.00	-	579644.00	-	14259.00	20371.00
6	**Books**											
6.1	Books	198265.00	16991.00	-	215256.00	147833.00	24159.00	-	171992.00	-	43264.00	50432.00
	Total	**127453398.27**	**636769.00**	**-**	**128090167.27**	**12310872.86**	**1270730.00**	**-**	**13581602.86**	**297220.00**	**114211344.41**	**115142525.41**
	Previous year Figures	**124867209.27**	**2586189.00**	**-**	**127453398.27**	**10722414.86**	**1275595.00**	**-**	**11998009.86**	**312863.00**	**115142525.41**	**114144794.41**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE "B-4' OF FIXED ASSETS OF MAHAPRAGYA INTERNATIONAL SCHOOL TAMKOR, ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

		GROSS BLOCK					DEPRECIATION					NET BLOCK	
S.	Particulars	As on	Additions	Additions	Transfer/	Total cost	Charged To P&L						
No.		01.04.2018	Before	After	adjustment	As on	Upto	For the	Deduction	Total Upto		As on	As on
			02.10.2018	02.10.2018	during the year	31.03.2019	31.03.2018	year		31.03.2019		31.03.2019	31.03.2018
		(Rs.)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)	(Rs)		(Rs)	(Rs)
1	Furniture General	785593.00	-	-	-	785593.00	218677.00	56692.00	-	275369.00		510224.00	566916.00
2	Computer	140060.00	-	-	-	140060.00	139329.00	292.00	-	139621.00		439.00	731.00
3	Computer Software	33000.00	-	-	-	33000.00	32113.00	355.00	-	32468.00		532.00	887.00
4	Cooler	7500.00	-	-	-	7500.00	5095.00	361.00	-	5456.00		2044.00	2405.00
5	Bartan Kharid	2100.00	-	-	-	2100.00	569.00	153.00	-	722.00		1378.00	1531.00
6	School Bus	3325720.00	-	1379436.00	-	4705156.00	1357472.00	797390.00	-	2154862.00		2550294.00	1968248.00
7	CCTV Camera	64036.00	-	-	-	64036.00	19,584.00	6668.00	-	26252.00		37784.00	44452.00
8	Fan	18750.00	-	-	-	18750.00	4984.00	2065.00	-	7049.00		11701.00	13766.00
9	Other Assets (Equipments)	21500.00	-	-	-	21500.00	12376.00	1369.00	-	13745.00		7755.00	9124.00
10	Sports Equipment	13813.00	-	-	-	13813.00	6789.00	1054.00	-	7843.00		5970.00	7024.00
11	Library Books	15170.00	350.00	700.00	-	16220.00	11476.00	1758.00	-	13234.00		2986.00	3694.00
12	Building	56593686.00	-	103410.00	-	56697096.00	12072364.00	2228651.00	-	14301015.00		42396081.00	44521322.00
13	VAN	368600.00	-	-	-	368600.00	205051.00	24532.00	-	229583.00		139017.00	163549.00
14	Motor Cycle	52900.00	-	-	-	52900.00	11308.00	6239.00	-	17547.00		35353.00	41592.00
15	Invertor	180400.00	-	-	-	180400.00	86230.00	14126.00	-	100356.00		80044.00	94170.00
16	Water Motor	49175.00	6000.00	-	-	55175.00	16073.00	5865.00	-	21938.00		33237.00	33102.00
17	Projector	19600.00	-	-	-	19600.00	9369.00	1535.00	-	10904.00		8696.00	10231.00
18	Air Conditioner	166800.00	-	-	-	166800.00	46287.00	18077.00	-	64364.00		102436.00	120513.00
19	RO Plant	256439.00	-	-	-	256439.00	54814.00	30244.00	-	85058.00		171381.00	201625.00
20	Cycle	3500.00	-	-	-	3500.00	971.00	379.00	-	1350.00		2150.00	2529.00
21	Grass Cutting Machine	25200.00	-	-	-	25200.00	5591.00	2941.00	-	8532.00		16668.00	19609.00
22	Fire Extinguisher	-	-	5100.00	-	5100.00	-	383.00	-	383.00		4717.00	-
	Total	**62143542.00**	**6350.00**	**1488646.00**	**-**	**63638538.00**	**14316522.00**	**3201129.00**	**-**	**17517651.00**		**46120887.00**	**47827020.00**
	Previous year Figures	**62097167.00**	**2346375.00**	**-**	**2300000.00**	**62143542.00**	**10928288.00**	**3388234.00**	**-**	**14316522.00**		**47827020.00**	**51168879.00**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE 'C' OF INVESTMENTS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2019

			AS ON 31st MARCH 2019								
Previous Year figures	Particulars	Maturity Dates	For Sahitya (Rs)	For Preksha Foundation (Rs)	For Saman Sanskriti Sankay (Rs)	For Jeevan Vigyan (Rs)	For Other Corpus / Specific Fund (Rs)	For Mahapragya International School, Jaipur (Rs)	For Mahapragya International School, Tamkor (Rs)	For Vimal Vidhya Vihar School (Rs)	Total (Rs)
	A) Fixed Deposit With Companies / Post Office										
1000000.00	HDFC Limited (9.45%)	5-Jan-20	-	-	-	-	1000000.00	-	-	-	1000000.00
2100000.00	HDFC Limited (9.55%)	28-Jul-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2000000.00	HDFC Limited (9.55%)	08-Aug-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
100000.00	HDFC Limited (9.45%)	10-Jan-20	-	-	-	-	100000.00	-	-	-	100000.00
1000000.00	PNB Housing Finance Ltd. (8.95%)	3-Jun-20	-	-	-	-	1000000.00	-	-	-	1000000.00
9900000.00	PNB Housing Finance Ltd. (9.25%)	17-Apr-19	-	-	-	-	9900000.00	-	-	-	9900000.00
2000000.00	LIC Housing Finance Limited (9.50%)	5-Aug-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	5-Oct-20	-	-	-	-	1100000.00	-	-	-	1100000.00
250000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	7-Oct-20	-	-	-	-	250000.00	-	-	-	250,000.00
1000000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	7-Sep-20	-	-	-	-	1000000.00	-	-	-	1000000.00
1000000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	5-Oct-20	-	-	-	-	1000000.00	-	-	-	1000000.00
1500000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	5-Oct-20	-	-	-	-	1500000.00	-	-	-	1500000.00
2100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.40%)	7-Feb-20	-	-	-	-	2100000.00	-	-	-	2100000.00
2100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.40%)	11-Feb-20	-	-	-	-	2100000.00	-	-	-	2100000.00
17580000.00	LIC Housing Finance Limited (9.40%)	30-Mar-20	-	-	-	-	17580000.00	-	-	-	17580000.00
10650000.00	LIC Housing Finance Limited (9.40%)	30-Mar-20	-	-	-	-	10650000.00	-	-	-	10650000.00
1100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.60%)	27-Feb-19	-	-	-	-	-	-	-	-	-
600000.00	LIC Housing Finance Limited (9.60%)	6-Mar-19	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.50%)	5-Aug-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.60%)	6-Mar-19	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1600000.00	LIC Housing Finance Limited (9.50%)	29-Aug-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2700000.00	LIC Housing Finance Limited (9.50%)	26-Sep-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1100000.00	LIC Housing Finance Limited (9.60%)	27-Feb-19	-	-	-	-	-	-	-	-	-
64680000.00	Sub Total A		-	-	-	-	49280000.00	-	-	-	49280000.00
	B) Fixed Deposits/Bonds with Scheduled Banks										
500000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	10-Feb-20	500000.00	-	-	-	-	-	-	-	500000.00
2000000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	9-Mar-20	2000000.00	-	-	-	-	-	-	-	2000000.00
2500000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	11-Jul-23	2500000.00	-	-	-	-	-	-	-	2500000.00
500000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.85%)	12-Apr-19	500000.00	-	-	-	-	-	-	-	500000.00
-	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.50%)	29-Jun-19	1000000.00	-	-	-	-	-	-	-	1000000.00
500000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	27-Feb-20	-	500000.00	-	-	-	-	-	-	500000.00
2000000.00	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	9-Mar-20	-	2000000.00	-	-	-	-	-	-	2000000.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	22-Oct-19	-	500000.00	-	-	-	-	-	-	500000.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.85%)	12-Apr-19	-	500000.00	-	-	-	-	-	-	500000.00
1000000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	3-Mar-20	-	1000000.00	-	-	-	-	-	-	1000000.00
-	Oriental Bank of Commerce, Ladnun (6.50%)	29-Jun-19	-	150000.00	-	-	-	-	-	-	150000.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	10-Feb-20	-	-	500000.00	-	-	-	-	-	500000.00
2000000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	9-Mar-20	-	-	2000000.00	-	-	-	-	-	2000000.00
1000000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.85%)	17-Apr-19	-	-	1000000.00	-	-	-	-	-	1000000.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	22-Oct-19	-	-	500000.00	-	-	-	-	-	500000.00
-	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.50%)	29-Jun-19	-	-	1000000.00	-	-	-	-	-	1000000.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	18-Oct-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2000000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	18-Oct-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
58542.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	7-Jan-20	-	-	-	-	62749.00	-	-	-	62749.00
1700000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	29-Nov-19	-	-	-	-	1700000.00	-	-	-	1700000.00
600000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	1-Apr-20	-	-	-	-	600000.00	-	-	-	600000.00

800000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	9-Mar-20	-	-	-	-	800000.00	-	-	-	800000.00
8400000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (7.00%)	9-Nov-20	-	-	-	-	9900000.00	-	-	-	9900000.00
6000000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (4.00%)	7-Apr-18	-	-	-	-	-	-	-	-	-
900000.00	Oreintal Bank of Commerce, Kolkata (6.75%)	20-Apr-20	-	-	900000.00	-	-	-	-	-	900000.00
300000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (7.00%)	28-Jan-21	-	-	-	-	-	-	-	300000.00	300000.00
401967.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	28-Oct-20	-	-	-	-	-	-	-	402754.00	402754.00
375001.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	17-Aug-20	-	-	-	-	-	-	-	375001.00	375001.00
330845.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	13-Aug-20	-	-	-	-	-	-	-	330845.00	330845.00
100000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (7.75%)	1-Jul-19	-	-	-	-	-	-	-	100000.00	100000.00
250000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	4-May-20	-	-	-	-	-	-	-	250000.00	250000.00
700000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	17-Sep-20	-	-	-	-	-	-	-	700000.00	700000.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	18-Feb-20	-	-	-	-	-	-	-	500000.00	500000.00
462261.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	3-Aug-19	-	-	-	-	-	-	-	462261.00	462261.00
397044.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	3-Aug-19	-	-	-	-	-	-	-	397044.00	397044.00
33652.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (8.50%)	22-Mar-21	-	-	-	-	-	-	-	37667.00	37667.00
1106895.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	10-Mar-20	-	-	-	-	-	-	-	1106895.00	1106895.00
1133657.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	27-Mar-20	-	-	-	-	-	-	-	1133657.00	1133657.00
500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	27-Mar-20	-	-	-	-	-	-	-	500000.00	500000.00
872935.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	9-Feb-20	-	-	-	-	-	-	-	872935.00	872935.00
2100000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (7.00%)	26-Oct-20	-	-	-	-	-	-	-	2100000.00	2100000.00
2500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	18-Jul-19	-	-	-	-	-	-	-	2500000.00	2500000.00
1000000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	20-Apr-20	-	-	-	-	-	-	-	1000000.00	1000000.00
-	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	14-Jun-23	-	-	-	-	1200000.00	-	-	-	1200000.00
-	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	25-Jun-19					2500000.00				2500000.00
-	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.50%)	29-Jun-19					3500000.00				3500000.00
104333.00	Karur Vysya Bank (7.00%)	4-Feb-21	-	-	-	-	-	104333.00	-	-	104333.00
-	State Bank of India (6.65%)	7-Jul-19	-	-	-	-	-	500000.00	-	-	500000.00
-	State Bank of India (6.65%)	7-Jul-19	-	-	-	-	-	500000.00	-	-	500000.00
-	State Bank of India (6.65%)	7-Jul-19	-	-	-	-	-	500000.00	-	-	500000.00
-	State Bank of India (6.70%)	14-Aug-19	-	-	-	-	-	500000.00	-	-	500000.00
345814.00	Bank of Baroda (6.60%)	27-Apr-19	-	-	-	-	-	-	370300.00	-	370300.00
1000000.00	Bank of Baroda (6.70%)	30-Mar-20	-	-	-	-	-	-	1000000.00	-	1000000.00
1100000.00	Bank of Baroda (6.65%)	20-Sep-20	-	-	-	-	-	-	1100000.00	-	1100000.00
-	Bank of Baroda (6.60%)	3-Apr-21	-	-	-	-	-	-	700000.00	-	700000.00
5000000.00	HDFC Bank (6.75%)	7-Mar-20	-	-	-	-	5000000.00	-	-	-	5000000.00
-	HDFC Bank (6.85%)	27-Apr-19	-	-	-	-	5000000.00	-	-	-	5000000.00
7500000.00	State Bank of India (9.25%)	1-Feb-22	-	-	-	-	7500000.00	-	-	-	7500000.00
725767.00	State Bank of India (6.40%)	28-Sep-19	-	-	-	-	725767.00	-	-	-	725767.00
1005500.00	State Bank of India (9.05%)	27-Mar-20	-	-	1005500.00	-	-	-	-	-	1005500.00
3057000.00	IFCI (9.90%)	1-Dec-21	-	3057000.00	-	-	-	-	-	-	3057000.00
4124000.00	IFCI (9.90%)	1-Dec-24	-	-	-	-	4124000.00	-	-	-	4124000.00
3063000.00	IFCI (9.75%)	16-Jul-30	-	-	-	-	3063000.00	-	-	-	3063000.00
-	Union Bank of India Bond (9.10%)	30-Mar-22	-	-	-	-	4872500.00	-	-	-	4872500.00
-	HDFC Bond (8.85%)	12-May-22	-	-	-	-	8545000.00	-	-	-	8545000.00
2750000.00	Vijaya Bank (10.40%)	27-Mar-20	-	-	-	-	2750000.00	-	-	-	2750000.00
5170000.00	Vijaya Bank (10.49%)	17-Jan-22	-	-	-	-	5170000.00	-	-	-	5170000.00
4212400.00	Vijaya Bank (10.49%)	17-Jan-22	-	-	-	-	4212400.00	-	-	-	4212400.00
87180613.00	Sub Total B		6500000.00	7707000.00	6905500.00	-	71225416.00	2104333.00	3170300.00	13069059.00	110681608.00
151860613.00	Grand total (A+B)		6500000.00	7707000.00	6905500.00	-	120505416.00	2104333.00	3170300.00	13069059.00	159961608.00

Note : 1. Investments against various funds have been segregated on the basis of records maintained by the institution.

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE 'C' (1) OF INVESTMENTS ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2019

Previous Year figures	Particulars	AS ON 31st MARCH 2019: Maturity Dates	For Staff Security Fund (Rs)	Total (Rs)
	A) Fixed Deposit With Companies / Post Office			
3520000.00	LIC Housing Finance Limited (9.40%)	30-Mar-20	3520000.00	3520000.00
1000000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	7-Sep-20	1000000.00	1000000.00
750000.00	LIC Housing Finance Limited (9.00%)	7-Oct-20	750000.00	750000.00
500000.00	LIC Housing Finance Limited (9.50%)	5-Aug-18	0.00	0.00
5770000.00	**Sub Total A**		**5270000.00**	**5270000.00**
	B) Fixed Deposits/Bonds with Scheduled Banks/Bond			
26395.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	27-Jan-20	26395.00	26395.00
22000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	24-May-23	22000.00	22000.00
800000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.60%)	29-Nov-19	800000.00	800000.00
29147.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	14-May-23	29147.00	29147.00
1500000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.85%)	9-Feb-19	0.00	0.00
415000.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.75%)	20-Apr-20	415000.00	415000.00
0.00	Oreintal Bank of Commerce, Ladnun (6.50%)	29-Jun-19	500000.00	500000.00
0.00	HDFC Bond (8.85%)	12-May-22	500000.00	500000.00
1250000.00	Vijaya Bank (10.40%)	27-Mar-20	1250000.00	1250000.00
4042542.00	**Sub Total B**		**3542542.00**	**3542542.00**
9812542.00	**Grand total (A+B)**		**8812542.00**	**8812542.00**

Note : 1. Investments against various funds have been segregated on the basis of records maintained by the ins tiution.

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

SCHEDULE 'D' OF CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars			Current year figures (Rs)
	Current Assets, Loans & Advances			
	(A) Current Assets :			
	(1) Stocks :			
	(As taken, valued & certified by the Management)			
532169.64	I) Building Materials		449981.64	
13856134.00	II) Sahitya Stock		15043304.00	
13680.00	III) Gas Cylinder Stock		7975.00	
54907.00	IV) MMKK Homeo Medicines		53861.00	15555121.64
14456890.64				
	2) Cash & Bank Balances			
633337.89	Cash in Hand		1381443.89	
	Balances with Banks :			
8309819.57	I) In Saving Accounts	15950182.57		
1073188.13	II) In Current Accounts	1466199.66	17416382.23	18797826.12
24473236.23			**Total A**	**34352947.76**
	B) Loans & Advances :			
	(Recoverable in cash or in kind or for value to be received/adjusted)			
	Advances :			
201533.00	To Staff		61601.00	
99500.00	To Staff for Expenses		95698.00	
1683669.00	To Suppliers & Others		1196874.85	1354173.85
	Accrued Income			
1269636.78	Interest on Investments		2639251.02	
2232.00	Royalty Receivable		2232.00	2641483.02
	Receivables			
3467290.00	Sahitya Sale		2091650.00	
987822.00	Electricity & Water		902931.00	2994581.00
	Security Deposit With :			
190701.75	Government Departments		239701.75	
563450.00	Others		563450.00	803151.75
47792.00	Advance Against Registration of Property At Rajnandgaon			47792.00
600949.52	Income Tax Refundable			462648.12
9114576.05			**Total B**	**8303829.74**
33587812.28			**Grand Total (A+B)**	**42656777.50**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

SCHEDULE 'E' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Office & Administrative Expenses :	
73467.00	Audit, Taxation Fees & Expenses	54655.00
42240.51	Bank Commission	7613.73
3786381.00	Electricity Expenses (Net)	2991168.00
1346330.00	Function, Publicity and Award Expenses	469337.00
1614657.00	Garden & Campus Maintenance Expenses	1167116.00
267309.00	Gautam Gyanshala Expenses	289891.00
417248.00	Generator Expenses	437460.00
48720.00	Insurance Charges	15637.00
42481.00	Internet Telephone & Website Expenses	54529.00
11800.00	ISO Expenses	2720.00
96210.00	Legal & Professional Fees	551939.00
297864.00	Miscellaneous Expenses	303880.00
351243.00	Motor Car Running & Maintenance Expenses	473885.00
15359.00	Books & Periodicals	13233.00
231393.00	Postage, Courier & Telephone Expenses	143154.00
175918.00	Printing & Stationery	376543.00
2058245.00	Repairs, Maintenance & Renovation of Building & Other Assets	1441437.00
7246801.00	Salary, Wages & Contribution to Staff Security Fund	6455217.00
789558.00	Security Expenses (Net)	1676738.00
0.00	Sundry Balance w/off	28222.00
195201.00	Staff Welfare Expenses	204703.00
557466.00	Travelling Expenses (Including Foreign Travelling)	832452.00
923882.00	Tube Well Expenses (Net)	984403.00
52933.00	Shubham Bhojnalaya Expenses	53875.00
1042272.00	Varsha Sanjay Mess Expenses	1216588.00
21684978.51	**Total**	**20246395.73**

जैन विश्व भारती

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

SCHEDULE 'F' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Saman-Sanskriti Department	
	A) Expenses	
0.00	Agam Competition Expenses	298808.00
584136.00	Salary	637049.00
67500.00	Gratuity Paid	92077.00
1260.00	P.F. Administrative Charges	1706.00
30240.00	Employer P.F. Contribution	37129.00
7570.00	Employer ESI Contribution	11700.00
116488.00	Postage	91345.00
4565.00	Printing & Stationery	26375.00
1370.00	Miscellaneous Expenses	455.00
26161.00	Travelling Expenses	45820.00
20145.00	Computer Expenses	6550.00
21886.00	Telephone Expenses	12521.00
8269.49	Bank Commission	560.29
176960.00	Ayojan Expenses	146022.00
271556.00	Jai Tithi Patrika Printing Expenses	333400.00
243525.00	Examination Expenses	184771.00
1581631.49	**Total (A)**	**1926288.29**
	B) Income	
674000.00	Smarika Sahyog	0.00
1200000.00	Donations & Subscription	1581000.00
273164.00	Income from Investments	439158.00
1416250.00	Examination & Other Fees Realised	1293788.10
3563414.00	**Total (B)**	**3313946.10**
1981782.51	**Excess of income over expenditure (B-A)**	**1387657.81**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

SCHEDULE 'G' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 31ST MARCH, 2019

Previous year Figures (Rs)	Particulars			Current year Figures (Rs)
	Preksha Dhyan Department Expenses (Education & Training)			
1478235.00	Printing & Publication Expenses	1178867.00		
307.00	Travelling Expenses	9259.00		
4290.00	Telephone Expenses	3042.00		
65646.00	Postage	57362.00		
0.00	Computer Expenses	750.00		
0.00	Commission Expenses	472.00		
158206.00	Salary	236873.00		
759.00	P.F. Administrative Charges	1136.00		
18131.00	Employer P.F. Contribution	27145.00		
4534.00	Employer ESI Contribution	9400.00		
3492.38	Bank Commission	2216.39		
	Total		1526522.39	
(110940.00)	Realised from subscription (membership)	84460.00		
(730000.00)	Advertisement in Preksha Dhyan patrika	200000.00		
(258834.00)	Income from Investments	624013.00		
	Total		908473.00	618049.39
	Preksha Camp Expenses			
94308.00	Mess Expenses Incurred	117168.00		
480.00	Printing & Stationery	0.00		
1450.00	Computer Expenses	1225.00		
143487.00	Camp Expenses	575860.00		
26267.00	Postage & Telephone Expenses	12142.00		
0.00	Salary Expenses	38305.00		
0.00	Repair & Maintenance Expenses	52032.00		
2250.00	Travelling Expenses	0.00		
4317.00	Miscellaneous Expenses	3244.00		
535909.00	Preksha Foundation Expenses	200070.00		
	Total		1000046.00	
(468100.00)	Sadhana Shivir Fees	999031.00		
(35000.00)	Donations & Subscription	425000.00		
(174118.00)	Preksha Foundation receipts	210634.00		
	Total		1634665.00	(634619.00)
	Jeevan Vigyan Department Expenses (Social Science & Academy)			
0.00	Ayojan Expenses	11200.00		
2450.00	Computer Expenses	0.00		
134690.00	Jeevan Vigyan & Agam Research Expenses	216038.00		
2398.00	Postage Expenses	0.00		
439421.00	Salary	110784.00		
960.00	P.F. Administrative Charges	192.00		
22860.00	Employer P.F. Contribution	4572.00		
5720.00	Employer ESI Contribution	1144.00		
0.00	Gratuity Expenses	540577.00		
1037.00	Bank Commission	51.00		
6259.00	Telephone Expenses	1815.00		
40270.00	Travelling Expenses	6355.00		
39800.00	Sanskar Nirman Competition Expenses	2100.00		
1345100.00	PAN India Competition Expenses	200000.00		
228.00	Zerox & Misc exp.	0.00		
	Total		1094828.00	
(2000.00)	Miscellaneous Receipts	0.00		
(100000.00)	Donations & Subscription	0.00		
(193702.00)	Income from Investments	78588.00		
(2044931.00)	Relised for PAN India Competition	17875.00		
(45900.00)	Realised for Sanskar Nirman Competition	0.00		
	Total		96463.00	998365.00
419736.38		**Grand Total**		**981795.39**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

SCHEDULE 'H'ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Vimal Vidya Vihar School	
	A) Expenses	
8259670.00	Salaries , Wages & Allowances	9083374.00
122436.00	Printing & Stationery	157650.00
98570.00	Staff Welfare Expenses	41822.00
6264.00	News Paper & Periodicals	5521.00
0.00	Teacher Training Expenses	40140.00
1085400.00	Repairs & Maintenance Expenses	355324.00
5060.00	Examination Expenses	0.00
24719.00	Postage, Telegram & Telephone Expenses	11892.00
53672.00	Guest & Function Expenses	18353.00
15000.00	Legal & Professional Fees	8100.00
13046.00	Advertisement Expenses	25560.00
7421.00	Bank Commission	1584.00
161236.00	Travelling & Conveyance Expenses	37242.00
122460.00	Light & Water Expenses	137270.00
23451.00	Miscellaneous Expenses	17199.00
1471850.00	Vehicle Running & Maintenance Expenses	1438709.00
0.00	NCC Expenses	6333.00
1128710.00	Depreciation	968594.00
140149.00	Games Expenses	92017.00
10000.00	CBSE Sports Expenses	47750.00
64891.00	Security Expenses	0.00
12814005.00	**Total A**	**12494434.00**
	B) Income	
10646643.00	Fees & Other Charges Realised from Students	12080922.00
984007.00	Interest Received from Banks	1013023.00
134200.00	Amount Received from State Govt. (For RTE Students)	90134.00
33220.00	Miscellaneous Income	17,629.00
355000.00	Donation Received	146000.00
12153070.00	**Total B**	**13347708.00**
660935.00	**Excess of Income over Expenditure (B-A)**	**853274.00**
	(Previous Year Excess of Expenditure over Income)	

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

SCHEDULE 'I' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars		Current year figures (Rs)
	Shrimad Acharya Shri Tulsi Mahapragya Manav Kalyan Kendra, Bidasar		
	A) Expenses		
85527.00	Water & Light Expenses		95132.00
1540.00	Printing & Stationery		2091.00
491119.00	Salary & Allowances		546688.00
6596.00	Postage & Telegram Expenses		4719.00
3900.00	Travelling Expenses		4460.00
21433.00	Repairs, Maintenance & Cleaning Expenses		14168.00
3100.00	Books & Periodicals		3135.00
1405.00	Miscellaneous Expenses		1014.00
	Purchases & Opening Stock of		
101570.00	**Medicines**	100445.00	
(54907.00)	Less :- Closing Stock	53861.00	46584.00
661283.00	**Total (A)**		**717991.00**
	B) Income		
55758.00	Fess Realised from Patients		47277.00
55758.00	**Total (B)**		**47277.00**
605525.00	**Excess of expenditure over income (A-B)**		**670714.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

SCHEDULE 'J'ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Mahapragya International School, Jaipur	
	A) Expenses	
100715.00	Advertisement Expenses	172370.00
0.00	Bank Charges	5972.30
35945.00	Travelling & Conveyance Expenses	49460.00
1275595.00	Depreciation	1270730.00
282796.00	Electricity Expenses	276314.00
166853.00	Function Expenses	280655.00
1380.00	Freight and Cartage	0.00
4828.00	Insurance Expenses	0.00
10305.00	Housekeeping Expenses	0.00
54248.00	Smart Class Expenses	27124.00
12404.00	School Running Expenses	50586.00
54386.75	Miscellaneous Expenses	292753.00
9812.00	News Paper & Peroidicals	5819.00
97314.00	Office Expenses	3797.00
111319.00	Printing & Stationery	69442.00
74777.00	Repairs & Maintenance Expenses	294218.00
7500.00	Legal and Professional Expenses	18000.00
13582.00	Rates and Taxes	0.00
4642033.00	Salary	5276445.00
30445.00	Sport Fee & Expenses	10878.00
95840.00	Staff Welfare Expenses	87882.00
24146.23	Telephone & Postage Expenses	22237.74
12007.00	Website Expenses	7552.00
22446.00	Exam Expenses	0.00
7140676.98	**Total A**	**8222235.04**
	B) Income	
8382534.00	Fees & Other Charges Realised from Students	9052195.00
76448.93	Interest Received from Banks	70817.04
216992.00	Miscellaneous Receipts	504338.45
8675974.93	**Total B**	**9627350.49**
1535297.95	**Excess of income over expenditure (B-A)**	**1405115.45**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN
SCHEDULE 'K'ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars	Current year figures (Rs)
	Mahapragya International School, Tamkor	
	A) Expenses	
21370.00	Advertisement Expenses	112453.00
111559.00	Affiliation Fees & Expenses	201357.00
1108.00	Bank Commission	1108.00
225735.00	Bhojnalaya Expenses	206444.03
190.00	Game & Sports Expenses	1020.00
3388234.00	Depreciation	3201129.00
127181.00	Guest & Function Expenses	20490.00
15033.00	Miscellaneous Expenses	12616.00
1483.00	News Paper & Peroidicals	1427.00
860.00	Parisar Expenses	16565.00
3325.00	Exam Fees	3648.00
31360.00	Printing & Stationery	24744.00
61032.00	Repairs & Maintenance Expenses	86608.00
3399052.00	Salary & Allowances	4065251.00
26160.00	Staff Welfare Expenses	44133.00
22188.00	Postage, Telegram & Telephone Expenses	11196.00
0.00	Legal Expenses	12500.00
17164.00	Travelling And Conveyence Expenses	11960.00
492825.00	Vehicle Running & Maintenance Expenses	740878.00
173496.00	Water & Electricity Expenses	187725.00
8119355.00	**Total A**	**8963252.03**
	B) Income	
3526850.00	Fees & other charges realised from students	3800900.00
181458.00	Bank Interest	227266.00
122750.00	Amount Received from State Govt. for RTE Students	153939.00
915950.00	Donation Received	1954121.00
4747008.00	**Total B**	**6136226.00**
3372347.00	**Excess of Expenditure Over Income (A-B)**	**2827026.03**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
SCHEDULE 'L' ANNEXED TO AND FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

Previous year figures (Rs)	Particulars		Current year figures (Rs)
	Sahitya Prakashan Department		
	A) Expenses		
18915.00	Printing & Stationery Expenses		21123.00
6029204.00	Publication Expenses		5612000.00
361688.00	Travelling Expenses		282799.00
2238319.00	Salary & Allowances		2346577.00
2688.00	P.F. Administrative Charges		3492.00
64352.00	Employer P.F. Contribution		83592.00
16192.00	Employer ESI Contribution		28243.00
140630.00	Gratuity Expenses		0.00
0.00	Aayojan Expenses		25200.00
3630.44	Bank Commission		3895.67
26660.00	Delhi Office Expenses		26660.00
357936.00	Packing & Transport Expenses		1206438.00
247310.00	Agam Competition Expenses		0.00
548684.00	Mahapragya Sahitya Samiti Expenses		460787.00
809628.00	Other Sahitya Publication & Purchase Expenses		412844.00
38727.00	Computer Expenses		28160.00
11030.00	Miscellaneous Expenses		2570.00
	Purchases & Opening Stock of		
10940180.00	**Literature**	13856134.00	
3232298.00	**Add : Books Received in Donation**	0.00	
(13856134.00)	Less :- Closing stock	15043304.00	(1187170.00)
11231937.44	**Total (A)**		9357210.67
	B) Income		
7926152.50	Sale of Publications	8979765.00	
(522005.00)	Less :- Sales return	2816920.00	6162845.00
391455.00	Income from Investments		370188.00
3232298.00	Donation in Kind (Books)		0.00
100000.00	Donations & Subscription		3675000.00
11127900.50	**Total (B)**		10208033.00
104036.94	**Excess of income over expenditure (B-A)**		**850822.33**
	(Previous Year Excess of Expenditure over Income)		

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
SCHEDULE 'M' ANNEXED TO AND FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2019

NOTES ON ACCOUNTS

1. Significant Accounting Policies

i) Method of accounting

Accounts are maintained on mercantile basis except as under:

(a) Bills of suppliers are adjusted only after being approved by the management irrespective of date of Purchase.

(b) Advance receipt of subscription in respect of Preksha Dhyan Patrika is shown as income in the year of its receipt.

ii) Fixed Assets

Fixed Assets are shown at cost of acquisition or construction except in case of certain Fixed Assets which have been revalued are shown at the revalued amount less accumulated depreciation.

iii) Depreciation

Depreciation on Fixed Assets is provided on rates specified in Appendix I of Income tax rules, 1962 read with section 32 of Income Tax Act 1961 on written down values. The additional charge of depreciation on incremental value on account of revaluation is charged to revaluation reserve.

However no Depreciation is provided on Manuscripts as in the opinion of the Management, the value of Manuscripts appreciates over a period of time.

iv) Investments

Investments are stated at cost.

v) Closing Stock

Stocks at the year end are valued at Cost except Literature Publications which is valued at 40% of printed price as per practice followed by the Management since incorporation.

2. Balances of Current Liabilities, Current Assets, Loans and Advances, and other debit and credit balances are subject to confirmation. In the opinion of Management, all the current assets, loans and advances and Deposits given have a realizable value equal to the value stated in the books of accounts and accordingly they have been shown as good.
3. In the opinion of management, realizable value of each of the fixed assets of the institution is greater than the book value of each of the fixed assets, hence no impairment of the Asset has been recognized by the management at the year end.
4. Figures of previous years have been re-grouped/re-arranged, where ever necessary to make them comparable with figures of current year.
5. The breakup of expenses in to various activities or departments has been done by the management.
6. Schedule 'A' to 'M' form an integral part of the balance sheet and income and expenditure account and have been duly authenticated.

Place : Jaipur
Dated: 13/08/2019

For Jain Vishva Bharati

(Arvind Sancheti)
President

(Gaurav Jain)
Secretary

(Pramod Baid)
Treasurer

For N K BORAR & COMPANY
Chartered Accountants
FRN : 004844C

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. 073411